डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 30.11.2021 वर्ष-34 अंक-48 मूल्य 10.00

मध्यप्रदेश का 66 वां स्थापना दिवस

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिये समाज का साथ आवश्यक : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में मध्यप्रदेश के 66वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुये।

भोपाल, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। सभी प्रदेशवासी एकजुट होकर आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए प्रयास करें। स्वदेशी उत्पादों का स्वयं उपयोग करें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए सरकार के साथ समाज खड़ा हो, तभी हमारा विकास का संकल्प पूरा होगा। विकास में आम जनता का सहयोग और साथ चाहिए। प्रत्येक नागरिक कोई एक कार्य हाथ में ले। पर्यावरण सुरक्षा में भी सहयोग दें। हर व्यक्ति विशेष अवसरों पर पौधा लगाये। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोरोना के कठिन काल के बाद यह आयोजन हो रहा है। कोरोना से बचाव के लिए सभी को अनिवार्य रूप से दोनों डोज लगवाना है। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी वैक्सीन के माध्यम से जनता को सुरक्षा चक्र उपलब्ध करवाया है, इसका उपयोग करें। श्री चौहान ने कहा कि विकास का प्रकाश बेमानी है यदि गरीब का घर न जगमगाए। हमारा संकल्प है कि गरीब की जिंदगी बदलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अधिकार के साथ कर्तव्य का पालन भी करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ढाई करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं, जिससे प्रति व्यक्ति को 5 लाख तक का उपचार निःशुल्क रूप से प्राप्त होता है। प्रदेश में सीएम राइज स्कूल प्रारंभ किए जाएंगे। इन स्कूलों में लैब, कम्प्यूटर और स्मार्ट क्लास की व्यवस्था रहेगी। बेटियों के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना संचालित है। बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए 25 हजार रुपये की राशि एकमुश्त दी जाएगी। श्री चौहान ने कहा कि सामान्य वर्ग और पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए आयोग बनाये गये हैं। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध हो रहा है। छोटे और सीमांत किसानों को वर्ष में 10 हजार रुपये की राशि दी जा रही है। किसानों के उत्पादन के निर्यात की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना से जिस तरह सरकार और समाज ने संयुक्त रूप से मुकाबला किया उसी तरह अब आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए सभी को मिलकर प्रयासों की पराकाष्ठा करना होगी। श्री चौहान ने कहा कि प्रत्येक कार्य सरकार नहीं कर सकती, आम लोगों को सहभागी बनना होगा। तभी हम समाज के प्रत्येक वर्ग की जिंदगी बदल पाएंगे।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना प्रारंभ की जाएगी, जो युवाओं को रोज़गार उपलब्ध कराने की दिशा में काफी मददगार होगी। योजना में युवाओं को उद्यम स्थापित करने के लिये एक से 50 लाख रुपये तक का ऋण दिया जायेगा, जिसकी गारंटी सरकार देगी। इसमें 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान भी दिया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पुरानी योजनाओं को नया स्वरूप दिया जाएगा। लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योगों के क्षेत्र में तेजी से कार्य होगा। संबल योजना को पूरी ताकत से साथ लागू किया जाएगा।

आवासहीनों को भूखंड

श्री चौहान ने कहा एक परिवार में सदस्यों की संख्या बढ़ जाने से समस्या होती है। इसके लिए मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना में परिवारों के सदस्यों को मकान के लिए भूखंड देकर मालिक बनाने का कार्य किया जाएगा।

प्रदेश की संस्कृति हमारी पहचान

संस्कृति, पर्यटन और आध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की संस्कृति हमारी पहचान, अस्मिता, आन-बान और शान है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशन में संस्कृति विभाग सतत् प्रयास कर प्रदेश की संस्कृति को निरंतर समृद्धता की ओर ले जा रहा है। कोविड-19 महामारी के दौर में निरंतर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित कर जहां प्रदेशवासियों को मानसिक अवसाद से बचाया है वही प्रदेश में कलाकारों को प्रस्तुतियों के लिए आमंत्रित कर प्रदेश का वातावरण रचनात्मक और सृजनात्मक बनाया है।

नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने कहा आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए सभी का सहयोग सरकार को प्राप्त होगा। कोरोना के बाद उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला कर मध्यप्रदेश को उन्नत बनाने में सहयोग देंगे।

नृत्य नाटिका ने दर्शकों का मन मोहा

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की थीम पर प्रस्तुत नृत्य नाटिका ने दर्शकों का मन मोह लिया। प्रदेश के विकास और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए जनता की भागीदारी का कथ्य सुंदर प्रकाश संयोजन, कलाकारों के उत्कृष्ट अभिनय के साथ प्रस्तुत किया गया।

पेट्रोल और डीजल पर वैट रेट में चार प्रतिशत कटौती की घोषणा

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश की जनता को महंगाई से राहत देने के लिए तमाम आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद राज्य सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर वैट रेट में 4 प्रतिशत कटौती का फैसला लिया है। डीजल पर अतिरिक्त डेढ़ रुपये तथा पेट्रोल पर दो रुपये प्रति लीटर अतिरिक्त कर में कमी करने का भी निर्णय भी लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निर्णय से केंद्र शासन द्वारा दी गई राहत के अतिरिक्त डीजल और पेट्रोल के रिटेल प्राईज में 7 रुपये प्रति लीटर की अतिरिक्त कमी आएगी। इन निर्णयों से जहां 3 नवम्बर को भोपाल में डीजल की रिटेल प्राईज 107 रुपये 90 पैसे प्रति लीटर थी, वह घटकर 5 नवम्बर को लगभग 90 रुपये 95 पैसे प्रति लीटर रह गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल में 3 नवम्बर को पेट्रोल की रिटेल प्राईज 118 रुपये 83 पैसे प्रति लीटर थी, वह 5 नवम्बर को लगभग 106 रुपये 86 पैसे प्रति लीटर हो गयी है।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा**- प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी**- देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में**- प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह**- देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

सीएम ब्लॉग

आत्मनिर्भरता की राह पर मध्यप्रदेश के बढ़ते कदम

प्यारे प्रदेशवासियों.....,

आप सभी को मध्यप्रदेश के 66वें स्थापना दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। सच में यह दिन पूरे प्रदेशवासियों के लिए प्रसन्नता का दिन है, हर तरफ उल्लास का माहौल है। 65 वर्ष पहले देश के हृदय स्थल कहे जाने वाले मध्यप्रदेश की स्थापना हुई थी। मध्यप्रदेश ने इतने वर्षों में कई पड़ाव देखे हैं। कभी बीमारू राज्य कहे जाने वाले इस प्रदेश ने पिछले 15 वर्षों में विकास की करवट ली है। तभी से हमने समृद्ध और स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने का संकल्प लिया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। उन्हीं की संकल्पना के अनुरूप हमने आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की परिकल्पना की। हमारा लक्ष्य वर्ष 2023 तक प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का है।

देखा जाए तो मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का बीज हमने 15 वर्ष पहले ही रोपित कर दिया था। मैंने 15 वर्ष पूर्व जब पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, उस समय मध्यप्रदेश में मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोज़गार इन सभी सुविधाओं की प्रदेश में कमी थी। मैंने अपने जीवन का हर पल प्रदेश के विकास और लोगों के उत्थान के लिए समर्पित किया है। मैंने हर समय यह कोशिश की है कि मध्यप्रदेश की एक अलग पहचान पूरे देश में बने।

सबसे पहले हमने सभी वर्गों से जुड़े लोगों की पंचायतें मुख्यमंत्री निवास पर बुलाई और उनकी समस्याओं को करीब से समझा। चर्चा कर हर समस्या के अनुरूप योजनाएं शुरू कीं। महिलाओं को आत्मसम्मान और गरिमा प्रदान की। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, मेधावी विद्यार्थी योजना, लाड़ली लक्ष्मी, कन्या विवाह और संबल जैसी योजनाएं लागू कीं।

हमने प्रदेश में महिलाओं और बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के लिये योजनाएं बनाई। बेटी के जन्म से लेकर संपूर्ण जीवन के साथ उनके सुखद जीवन की व्यवस्था की। महिलाओं के संपोषण और सुरक्षा पर काम किया। महिलाओं को स्व-सहायता समूह से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया। मेरे प्रदेश में 3 लाख से अधिक महिला स्व-सहायता समूह कार्य कर रहे हैं, इनमें 38 लाख 10 हजार महिलायें जुड़ी हुई हैं और आत्मनिर्भर हो रही हैं। हमने उनके द्वारा तैयार किए गये उत्पादों को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की समुचित व्यवस्था की है।

अन्नदाता की खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए निरंतर प्रयास किये गये हैं। पहले उन्हें 18 प्रतिशत पर मिलने वाले ऋण को घटा कर 0 प्रतिशत पर उपलब्ध कराया। हमने कोरोना के संकटकालीन समय में भी एक लाख 49 हजार 670 करोड़ रुपये की राशि किसानों के खातों में डाली। हमारे देश के प्रधानमंत्री ने किसानों को पूरा सम्मान देते हुए किसानों के खाते में प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये किसान सम्मान निधि के देने प्रारंभ किये। इसमें हमने किसान कल्याण योजना के माध्यम से 4 हजार रुपये प्रतिवर्ष जोड़कर कुल 10 हजार रुपये प्रति वर्ष की राशि देना प्रारंभ की है।

हमने प्रदेश में गरीबों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रदेश के 6 लाख 20 हजार शहरी एवं ग्रामीण पथ व्यवसायियों को 10-10 हजार रुपये का ब्याज मुक्त ऋण उनकी आजीविका के लिये दिया है। इन पथ व्यवसायियों के खातों में कोरोना काल में भी एक-एक हजार की आर्थिक सहायता अलग से दी गई है।

प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत गरीबों को निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना में प्रदेश में 2 करोड़ 55 लाख से अधिक नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। यह कार्ड बनाने में मध्यप्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर है। आज प्रदेश में 20 मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं। जननी एक्सप्रेस एवं निःशुल्क 108 सुविधा ने लाखों लोगों के प्राणों की रक्षा की है। कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जनभागीदारी मॉडल के माध्यम से प्रभावी नियंत्रण किया। इस मॉडल से मिले सुखद परिणामों का नतीजा है कि अन्य राज्यों ने भी जनभागीदारी मॉडल को अपनाया।

हमने जब प्रदेश का दायित्व संभाला तब कभी-कभी बिजली आती थी, अब प्रदेश के हर कोने में 24 घंटे बिजली उपलब्ध है। किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर बिजली मिल रही है। प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाने का काम किया। सड़कों की प्राथमिकता तय करने और तकनीकी आधारित स्थिति के आकलन के लिए रोड ऐसेट मैनेजमेंट सिस्टम की स्थापना की। नागरिकों को बेहतर सुविधाओं का लाभ मिले इसके लिए देश में पहली बार मध्यप्रदेश ने लोक सेवा गारंटी योजना शुरू की।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना भी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश के बेटा-बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले इसके लिए हमने मध्यप्रदेश में 9200 सीएम राइज स्कूल शुरू करने का निर्णय लिया। प्रदेश के प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीटों को बढ़ाए जाने का फैसला किया। प्रदेश के युवाओं को रोज़गार देने की दिशा में भी हमने अनेक कदम उठाये हैं। प्रदेश में उद्योगों में वर्ष 2019-20 की तुलना में वर्ष 2021 में 40 प्रतिशत अधिक रोज़गार सृजित हुये हैं। पिछले 17 महीने में 880 नई औद्योगिक इकाई प्रारंभ हुई हैं जिनमें 16 हजार 700 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश हुआ है तथा 47 हजार से अधिक लोगों को रोज़गार प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार से प्रदेश में 1 हजार 893, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रारंभ हुए हैं, जिनमें 40 हजार लोगों को रोज़गार मिला है। प्रदेश में 13 नये क्लस्टर प्रारंभ होंगे, जिनमें लगभग 25 हजार लोगों को रोज़गार प्राप्त होगा।

मैं आशा करता हूं कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के स्वप्न को साकार करने के लिए आपका प्रेम और विश्वास मुझे आगे भी उसी तरह प्राप्त होता रहेगा, जिस तरह से अब तक प्राप्त हुआ है। आइये हम सब मिलकर स्वर्णिम, समृद्ध और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाएं। आप सभी को मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर एक बार फिर बधाई और शुभकामनाएं।

श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

(स्रोत : समाचार एवं फीचर्स जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

30 अक्टूबर

भारत का पहला मानवयुक्त समुद्र मिशन 'समुद्रयान' लॉन्च

● केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने चेन्नई में भारत के पहले

मानवयुक्त समुद्र मिशन 'समुद्रयान' को लॉन्च किया। इस अवसर पर डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत उस विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास समुद्र के अंदर विभिन्न गतिविधियों के लिये मानवयुक्त मिशन चलाने की क्षमता है। भारत से पहले अमेरिका, रूस, जापान, फ्रांस और चीन भी यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि समुद्र की गहराई में पाये जाने वाले पॉलिमेटेलिक मैंगनीज, गैस, हाइड्रेट्स, हाइड्रोथर्मल सल्फाइड्स और कोबाल्ट क्रस्ट जैसे संसाधनों की खोज में यह मिशन मददगार साबित होगा। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बताया कि इस मिशन के लिये मानवयुक्त पनडुब्बी मत्स्य-6000 का प्रारंभिक डिजाइन तैयार हो गया है। यह पनडुब्बी समुद्र में 500 मीटर की गहराई में जाने में सक्षम है। इसका समुद्री परीक्षण अगले साल होने की उम्मीद है।

● केंद्र सरकार ने नौकरीपेशा लोगों को बड़ी राहत देते हुये वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिये कर्मचारी भविष्य निधि पर मिलने वाले ब्याज की दर 8.5 प्रतिशत रखने की मंजूरी प्रदान की है। सरकार के इस फैसले से देशभर में 5 करोड़ से अधिक ईपीएफओ अंशधारकों को लाभ होगा। भविष्य निधि पर ब्याज दर 8.5 प्रतिशत रखने का फैसला मार्च 2021 में श्रम मंत्री की अध्यक्षता वाली सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने लिया था, सरकार ने इस फैसले को मंजूरी देते हुये ब्याज दर 8.5 प्रतिशत कर दी है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2019-20 में भविष्य निधि पर ब्याज दर 8.5 प्रतिशत की थी।

● ब्रिटेन से सहायता प्राप्त स्वशासी द्वीप जर्सी और गर्न्सी ने अपने समुद्री क्षेत्र में फ्रांस की नौकाओं को मछली पकड़ने का लाइसेंस देने से इनकार कर दिया है। इस फैसले के बाद फ्रांस और ब्रिटेन के बीच विवाद बढ़ गया है। फ्रांस ने चेतावनी दी है कि अगर उसकी नौकाओं को लाइसेंस नहीं मिला तो वह जवाबी कदम उठायेगा। वहीं ब्रिटेन ने फ्रांस की इस चेतावनी पर उसके राजदूत को तलब किया है। उल्लेखनीय है कि जर्सी और गर्न्सी द्वीप विदेशी और रक्षा मामलों पर ब्रिटेन पर निर्भर है।

31 अक्टूबर

केंद्र सरकार ने सेबी अध्यक्ष पद के लिये आमंत्रित किये आवेदन

● केंद्र सरकार ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष पद के लिये आवेदन आमंत्रित किये हैं। सेबी के वर्तमान अध्यक्ष श्री अजय त्यागी का कार्यकाल अगले साल फरवरी में समाप्त हो रहा है। श्री त्यागी वर्ष 1984 बैच के आईएएस अधिकारी है। श्री त्यागी एक

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
Securities and Exchange Board of India

मार्च 2017 को सेबी के अध्यक्ष नियुक्त किये गये थे। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने एक सार्वजनिक नोटिस में सेबी अध्यक्ष के लिये पात्र उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। यह नियुक्ति अधिकतम पांच वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, तक के लिये की जायेगी। पात्र उम्मीदवारों को जरूरी दस्तावेजों के साथ छह दिसम्बर से पहले आवेदन करना होगा।

● भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास का 17वां संस्करण अमेरिका के अलास्का में सम्पन्न हो गया। इस 14 दिवसीय अभ्यास का उद्देश्य दोनों सेनाओं को एक-दूसरे की अभियानगत प्रक्रियाओं और अंतर संचालनीयता के बारे में परिचित कराना है। इस अभ्यास के वैलिडेशन फेज में दोनों सेनाओं ने सात हजार फीट की ऊंचाई पर एक डिग्री सेल्सियस से कम तापमान में युद्धक अभ्यास किया। इस अभ्यास में भारतीय सेना की मद्रास रेजिमेंट के 350 सैनिकों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस अभ्यास को दो चरणों में आयोजित किया गया था। पहले चरण में कॉम्बैट कंडीशनिंग और सामरिक प्रशिक्षण दिया गया, वहीं दूसरे में कॉम्बैट शूटिंग रैपलिंग और हैलिकॉप्टर से सैनिकों की तैनाती जैसी गतिविधियां की गई।

● भारत दुनिया का सबसे बड़ा अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट 'निसार' को लॉन्च करेगा। यह सैटेलाइट वैश्विक जलवायु परिवर्तन की निगरानी करेगा। इस सैटेलाइट को जनवरी 2023 में श्री हरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जायेगा। यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का संयुक्त प्रोजेक्ट है। इस सैटेलाइट से मिले डाटा का उपयोग जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी की प्राकृतिक घटनाओं को समझने तथा आपदा प्रबंधन में किया जायेगा। इसके अलावा यह सैटेलाइट पृथ्वी के हरित क्षेत्र, बायोमास, मिट्टी की नमी, वेटलैंड, तटीय बदलाव और सरफेस डिफोर्मेशन की भी निगरानी करेगा। इस मिशन पर इसरो 778 करोड़ रुपये तथा नासा लगभग 6 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगा।

1 नवम्बर

भारतीय नौसेना को मिला परियोजना 15बी का पहला युद्धपोत

● भारतीय नौसेना की मारक क्षमता में इजाफा करने के लिये युद्धपोत बनाने की

परियोजना 15बी का पहला विध्वंसक युद्धपोत वाई 12704 (विशाखापट्नम) को भारतीय नौसेना को सौंपा गया है। इस युद्धपोत के भारतीय नौसेना में शामिल होने हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक और रणनीतिक क्षमता में बढ़ोत्तरी होगी। यह युद्धपोत सुपरसोनिक ब्रह्मोस और बराक जैसी प्रमुख मिसाइलों और हथियारों से लैस हैं। विशाखापट्नम युद्धपोत पूर्ण रूप से दुश्मन की पनडुब्बियों, युद्धपोतों, एंटी सबमरीन मिसाइलों और युद्धक विमानों का मुकाबला बिना किसी सहायक युद्धपोत के करने में सक्षम है। उल्लेखनीय है कि परियोजना 15बी के तहत चार विध्वंसक युद्धपोतों का निर्माण मझगांव डॉक्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

● पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) ने आधार नंबर के जरिये ई-केवाईसी की सुविधा शुरू की है। इस सुविधा के जरिये अब कोई भी व्यक्ति अटल पेंशन योजना के तहत अपना खाता आधार कार्ड के जरिये खोल सकेंगे। खाता खोलने के लिये केवाईसी की प्रक्रिया आधार से पूरी होगी। सरकार चाहती है कि अटल पेंशन योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे, इसीलिये खाता खोलने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। इससे पहले इस योजना के तहत सदस्य को बैंक में जाकर या इंटरनेट बैंकिंग के जरिये खाता खोलना पड़ता था।

2 नवम्बर

ऑस्ट्रेलिया ने कोवैक्सीन को प्रदान की मान्यता

● ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय कोरोना रोधी टीके कोवैक्सीन को औपचारिक रूप से मान्यता दे दी है। ऑस्ट्रेलिया के औषधि और चिकित्सा उपकरणों के नियामक थेरापेटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन (टीजीए) ने कोवैक्सीन को मान्यता प्रदान की। टीजीए ने तय किया कि कोवैक्सीन और चीन की बीबीआईबीपी कोरवी वैक्सीन लगवाने वाले यात्रियों के टीकाकरण की स्थिति को मान्य किया जायेगा। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त वैरीओ फैरेल ने कहा कि कोवैक्सीन टीके को यात्रा के लिये मान्य किया गया है। वैक्सीन के दोनों डोज लेने के बाद यात्री वैक्सीन सर्टिफिकेट के साथ ऑस्ट्रेलिया जा सकेंगे। इन यात्रियों को 14 दिन क्वारेंटाइन में नहीं रहना होगा।

● अगले साल हज यात्रा के लिये ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। यह

जानकारी केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने दी। श्री नकवी ने हज यात्रा के लिये अहम सुधारों और सुविधाएं बढ़ाने का ऐलान किया। श्री नकवी ने कहा कि हज यात्रा के लिये आवेदन करने की आखिरी तारीख 31 जनवरी 2022 है। लोग हज मोबाइल एप के जरिये भी आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हज आवेदन करने की प्रक्रिया 100 प्रतिशत ऑनलाइन होगी। इस बार हज यात्रा कोरोना प्रोटोकॉल के साथ आयोजित की जायेगी। कोरोना रोधी वैक्सीन की दोनों डोज लग चुके यात्री को ही हज यात्रा पर जाने की अनुमति दी जायेगी।

3 नवम्बर

सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिये सैन्य साजो सामान खरीदी की मंजूरी

● केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिये 7 हजार 965 करोड़ रुपये के सैन्य साजो सामान की खरीद के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार ये सभी साजो सामान मेक इन इंडिया के तहत पूरी तरह स्वदेशी होंगे। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर बताया कि सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने के लिये ये खरीदी की जायेगी। प्रस्तावित खरीद में नौसेना के लिये 12 लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर भी शामिल हैं। इन हेलिकॉप्टरों का निर्माण हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) करेगा।

● दुनियाभर में कोरोना महामारी से मरने वाले लोगों का आंकड़ा 50 लाख के पार हो गया है। यह जानकारी अमेरिकी विश्वविद्यालय जॉन हॉपकिन्स द्वारा जारी एक रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार 50 लाख लोगों की मौत लगभग 19 महीने के दौरान कोविड से हुई है। यह आंकड़ा न्यूजीलैंड की कुल जनसंख्या 50 लाख से भी अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में कोरोना संक्रमण के कारण सबसे ज्यादा 7.66 लाख लोगों की मौत हुई है।

4 नवम्बर

स्मार्ट एंटी एयरफील्ड हथियार का सफल परीक्षण

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना ने संयुक्त रूप से विकसित स्मार्ट एंटी एयरफील्ड हथियार के दो उड़ान परीक्षण किये। ये दोनों परीक्षण सैटेलाइट नेविगेशन और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल सेंसर पर आधारित है। इन हथियारों को राजस्थान के जैसलमेर स्थित चंदन पर्वतमाला से वायुसेना के विमान से लॉन्च किया गया था। दोनों परीक्षणों में लक्षित टारगेट को सटीकता से निशाना बनाया गया।

● विश्व के सबसे पुराने सर्च इंजन में से एक याहू ने अब चीन से अपना कारोबार समेटने का फैसला किया है। याहू कंपनी द्वारा बताया गया कि चीन में याहू की सेवायें अब इस्तेमाल नहीं की जा सकेंगी। कंपनी ने चीन में लगातार बढ़ती व्यापारिक और कानूनी चुनौतियों की वजह से यह कदम उठाया है। इससे पहले अमेरिकी टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की लिंक्डइन ने भी चीन से अपना कारोबार समेटने की घोषणा कर चुकी है।

5 नवम्बर

अमेरिका ने दो इजराइली कंपनियों को किया प्रतिबंधित

● अमेरिका ने इजराइली कंपनी एनएसओ ग्रुप और कैंडिरू पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने इन कंपनियों को ट्रेड ब्लैक लिस्ट में डाल दिया है। वाणिज्य विभाग के अनुसार इन कंपनियों ने विदेशी सरकारों को स्पाइवेयर बेचे हैं। इन स्पाइवेयर का इस्तेमाल जासूसी में किया गया है। उल्लेखनीय है कि एनएसओ ग्रुप ने पैगासस स्पाइवेयर बनाया था। एनएसओ ग्रुप पर पैगासस स्पाइवेयर के जरिये कई देशों में जासूसी के आरोप लगे हैं। कई देशों में इन आरोपों की जांच भी चल रही है।

● रूस के विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव ने दावा किया है कि अमेरिका अफगानिस्तान के पास सैन्य अड्डा बनाने की कोशिश में जुटा हुआ है। लावरोव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जिनेवा में आयोजित सम्मेलन में अमेरिका की उन कोशिशों का विरोध किया था, जिसके तहत अमेरिका मध्य एशियाई देशों के साथ समझौते कर क्षेत्र में अमेरिकी सेना की तैनाती करना चाहता है। अमेरिका की तरफ से अभी इन दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

REQUIRED

B.A.B Girls College, Indore
(Affiliated to Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore)
Invites application for following posts:

- **Principal**
- **Assistant Professor** - For the Following Subjects

• Chemistry	• Commerce	• Economics
• Botany	• Computer Science	• Home Science
• Physics	• Urdu	• History
• Zoology	• Hindi	• Sociology
• Microbiology	• English	• Librarian
• Maths	• Political Science	

Note: Qualifications as per UGC/Dept. of Higher Education, Bhopal
Norms for selection of faculty Under college code 28
Salary and other Allowances as per norms.

Apply with all the testmonials Before 15-11-2021
Begum Ahmed Baksh Girls College, Indore
14/1, Usha Ganj, Chhawani, Indore, Ph. No. : 0731-2702954

R-46150/2021

MALWA GROUP OF INSTITUTES
MALWA INSTITUTE OF SCIENCE & TECHNOLOGY, INDORE
MALWA INSTITUTE OF SCIENCE & MANAGEMENT, INDORE
WE ARE HIRING

TEACHING STAFF

MALWA INSTITUTE OF SCIENCE AND TECHNOLOGY : Principal, Professors, Associate Professors, Assistant Professors in Engineering (CE, ME, CSE, IT, ECE, Physics, Chemistry, Maths, English) Qualification as per AICTE/RGPV CODE 30 Norms & MBA (Finance/HR/Marketing/IT/Business Analysis) Qualification as per UGC/DAVV-Code 28 norms.

MALWA INSTITUTE OF SCIENCE AND MANAGEMENT : Principal, Professors, Associate Professors, Assistant Professors in B.COM (Commerce/ CA/ Tax/FT/Hons), B.Sc (Biotech/IT/Elec./Physics/Chemistry / Maths), BBA (Plain/ FT/ Hotel Management), B.A.J.M.C., M.Sc. (Biotech), BCA, Librarian & Sports officer.

NON TEACHING STAFF

ADMIN DEPT. : Assistant Registrar, HR Manager, Traning & placement officer, Administrative Officer, Lab Technicians, Site Engineer, Stores Keeper, Back office Assistants, Receptionist, Carpenter, Welder & Driver.
ACCOUNTS DEPT. : Chartered Accountants, Senior Accountants, Accountants.
MARKETING DEPT. : Marketing Manager, Marketing Executive, Counselors, Tele-Callers.

Send your resume with scan documents along with photograph with in 10 days by email- hr@mistindore.com or Whatsapp - 96447 10006
Village - Limbodagari, Behind Aurobindo Hospital, Sanwer Road, Indore Ph.: 6777777
Registrar

R-46151/2021

वर्ष 38, अंक 45 08.11.2021 से 14.11.2021

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार वनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

स्व-सहायता समूहों की मजबूत बुनियाद

आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर ग्रामीण महिलाएं

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा वर्ष 2012 से प्रदेश में ग्रामीण परिवारों की महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक सशक्तिकरण के लिये स्व-सहायता समूह बनाकर उनके संस्थागत विकास तथा आजीविका के संवहनीय अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। मिशन द्वारा प्रदेश में अब तक 45 हजार 135 ग्रामों में 3 लाख 36 हजार 521 स्व-सहायता समूहों का गठन किया गया है। इन समूहों से 38 लाख 31 हजार परिवारों को जोड़ा जा चुका है। समूहों को मिशन द्वारा चक्रीय निधि, सामुदायिक निवेश निधि, आपदा कोष तथा बैंक लिंकेज के रूप में वित्तीय सहयोग किया जा रहा है। इस राशि से उनकी छोटी-बड़ी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाती है, जिससे वे साहूकारों के कर्ज जाल से बच जाते हैं। प्रदेश में समूहों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों के संचालन के लिये बैंक ऋण वितरण का लक्ष्य विगत दो वर्षों में कई गुना बढ़ाते हुये इस वर्ष में 2 हजार 550 करोड़ रुपये किया गया है। समूहों को सस्ती ब्याज दरों पर पूंजी उपलब्ध कराने के साथ अलग से ब्याज अनुदान भी दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने महिला स्व-सहायता समूहों के कार्यों का दायरा बढ़ाते हुये पोषण आहार संयंत्रों के संचालन का बहुत बड़ा काम भी समूहों को देकर वृहद कारोबारों को संचालित करने का अनुभव समूहों की महिलाओं को दिया है। नित नये क्षेत्रों जैसे दीदी कैफे संचालन, उचित मूल्य की शासकीय दुकानों का संचालन, स्कूल-गणवेश की सिलाई, फसल खरीदने के लिये उपार्जन केंद्रों का संचालन, गौ-शाला संचालन, चारागाह विकास, अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट संचालन, ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजनाओं का संचालन, विद्युत बिल वितरण कार्य, सड़कों का संधारण, लघु वनोपज संग्रहण, शासकीय निर्माण कार्यों में लगने वाली ईंट आदि सामग्री के निर्माण एवं सप्लाई में प्राथमिकता देते हुये स्व-सहायता समूहों को हर स्तर पर सहयोग किया जा रहा है। समूहों की सदस्य महिलाओं द्वारा रुचि अनुसार परंपरागत आय के साधन कृषि पशुपालन के साथ अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिये सिलाई, दुकान, साबुन, अगरबत्ती निर्माण आदि सहित 103 प्रकार की लघु-उद्यम गतिविधियां की जा रही हैं। समूहों के उत्पादों को बेचने के लिये आजीविका रूलर मार्ट जिला स्तर पर नाबार्ड के सहयोग से स्थापित किये गये हैं। आजीविका मार्ट पोर्टल के माध्यम से भी उत्पादों के क्रय-विक्रय में सहयोग किया जा रहा है। समूहों के उपयोग के लिये ब्लॉक स्तर पर आजीविका भवन निर्माण किया गया है। समूहों की बैठकों तथा आजीविका गतिविधि केंद्र और प्रशिक्षण केंद्र बनाने के लिये बड़ी संख्या में शासकीय भवन समूहों को आवंटित किये गये हैं। मिशन द्वारा दिये जा रहे प्रशिक्षण, वित्तीय साक्षरता, वित्तीय सहयोग एवं मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि समूह सदस्यों के अंदर गरीबी से उबरने की दृढ़ इच्छाशक्ति उत्पन्न हुई। आज प्रदेश में समूहों से जुड़े 13 लाख 37 हजार से अधिक परिवार कृषि एवं पशुपालन आधारित आजीविका गतिविधियों से जुड़े और 5 लाख 5 हजार से अधिक परिवार गैर कृषि आधारित लघु-उद्यम आजीविका गतिविधियों से जुड़कर काम कर रहे हैं।

दयालु होना मनुष्य के मानसिक सेहत के लिये फायदेमंद

समाज में दयालु मनुष्य हमेशा अच्छी छवि के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। दयालु मनुष्य अपनी सकारात्मक सोच के कारण समाज के हित में हमेशा आगे रहता है। दयालुता आपके लिये क्या कर सकती है। इससे शायद आपको खुशी मिलती है या आपमें भलाई करने की भावना आती है। यह एक तरह की हकीकत हो सकती है। मगर नये शोध में वैज्ञानिकों का दावा है कि दयालुता की भावना छात्रों के बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने का काम करती है। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में डॉक्टर जॉन टायलर विनफेट और डॉक्टर सैली स्टीवर्ट द्वारा किया गया अध्ययन बताता है कि स्नातक पाठ्यक्रम में दयालुता विषय शामिल करने से छात्र-छात्राओं और शिक्षकों पर क्या प्रभाव पड़ता है। डॉ. विनफेट ने बताया कि हालांकि पूर्व अध्ययनों में दयालुता के प्रभावों का आकलन किया गया है, लेकिन इस पर कम शोध हुआ है कि विभिन्न आयु वर्ग के छात्रों पर इसका क्या प्रभाव होता है। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि दयालु होने के कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जैसे तनाव में कमी, खुशी और साथियों की स्वीकृति। इससे जीवनकाल बढ़ सकता है। अध्ययन के लिये छात्रों को एक सप्ताह के लिये पांच तरह के कार्यों को पूरा करने के लिये कहा गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने इसरो की मदद करने, प्रशंसा करने और संवाद करने के विषयों के साथ 353 तरह के कार्य पूरे किये। दयालुता के पांच नियोजित कार्यों में तीन को पूरा करने वाले छात्रों ने व्यक्तिगत रूप से दयालुता के उच्च स्कोर हासिल किये। डॉक्टर स्टीवर्ट ने अध्ययन के निष्कर्षों में बताया कि यह महत्वपूर्ण अध्ययन है। इसके निष्कर्ष छात्र-छात्राओं को यह महसूस करने में मदद कर सकते हैं कि लोग कैसे और क्यों दयालु हैं और दयालुतापूर्ण व्यवहार स्वास्थ्य और भलाई को किस तरह से प्रभावित करता है। उच्च शिक्षा में इसका अविश्वसनीय प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व निमोनिया दिवस 12 नवम्बर

निमोनिया और कोरोना के घातक गठजोड़ से निपटना जरूरी है

इस वर्ष जब 12 नवम्बर को हम विश्व निमोनिया दिवस मनायेंगे, तब समूचे विश्व में कोरोना संक्रमण काल में कोरोना के साथ निमोनिया के घातक गठजोड़ से उभरे एक नये खतरे से निपटने की कोशिश पर भी व्यापक चर्चा होगी। मध्यप्रदेश के गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर के प्राध्यापक डॉ. अजयपाल सिंह के अनुसार गत दो सालों में जब कोरोना घातक होता जा रहा था, तब खासतौर से उन लोगों के लिए जिन्हें डायबिटीज के साथ दिल की बीमारी या अन्य कोई गंभीर बीमारी भी थी। ऐसे मरीजों को वायरल जनित निमोनिया के साथ कोरोना संक्रमण हुआ तो उनकी हालत काफी गंभीर हो गई और उनके उपचार में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कोरोना संक्रमण के साथ वायरल जनित निमोनिया का होना काफी घातक साबित हुआ। डायबिटीज और हार्ट के मरीज को खांसी के साथ-साथ सांस लेने में तकलीफ महसूस होने पर उन्हें तुरंत विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए इस बात का व्यापक प्रचार किया गया। समय रहते अगर निमोनिया का पता चल जाता है, तो उसका इलाज कर रोगी को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है, यह भी बताया गया। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि कोरोना वायरस या कोविड-19 अनजान कारणों से निमोनिया जैसी बीमारी के साथ ही सामने आया है बाद में पता चला कि इस बीमारी का कारण सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस-टू या सॉर्स कोरोना वायरस-टू है। इसमें शुरुआत में हल्की सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण होते हैं। इस सच्चाई के सामने आते ही वैश्विक पैमाने पर इस घातक गठजोड़ के प्रति ऐहतियात बरती गई, मगर विशेषज्ञों के अनुसार इस खतरे को कोरोना संक्रमण के घट जाने पर भी कम करके नहीं आंका जाना चाहिए।

वैश्विक पहल पर आरम्भ हुआ 'विश्व निमोनिया दिवस'

विश्व निमोनिया दिवस की प्रभावी पहल वर्ष 2009 में बच्चों में निमोनिया की रोकथाम के लिये एक वैश्विक गठबंधन ने की थी। निमोनिया से हर साल लगभग 1.2 मिलियन अर्थात् बारह लाख बच्चों की मृत्यु एक बड़ा हादसा था और इसे रोकने के लिये ही वैश्विक संगठन ने यह प्रभावी पहल की थी। वर्ष 2013 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन) और संयुक्त राष्ट्र ने बच्चों की हित रक्षा के लिये गठित संस्था यूनीसेफ (यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेन फंड) ने निमोनिया और डायरिया की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एकीकृत वैश्विक कार्ययोजना जारी की थी। यह योजना 2025 तक हर देश में प्रति एक हजार जीवित जन्मों में से तीन से कम बच्चों की निमोनिया से होने वाली मौतों का लक्ष्य निर्धारित करती है। चाइल्ड निमोनिया के खिलाफ वैश्विक गठबंधन सरकारी, गैर-सरकारी, अंतर्राष्ट्रीय, समुदाय-आधारित संगठन, अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों, बुनियादी तौर पर जन स्वास्थ्य के लिये समर्पित संस्थाओं और व्यक्तियों का प्रभावी समूह है। निमोनिया से बचाव, रोकथाम और उपचार के लिए सरकार सामान्यजन और समाजसेवी संगठनों की सक्रिय भागीदारी और अतिरिक्त संसाधनों की जरूरत होती है।

निमोनिया चिकित्सा विज्ञान के लिये हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है

न्यूमोनिया (जिसे बोलचाल में निमोनिया भी कहते हैं) एक जानलेवा बीमारी है। इसकी विश्वव्यापी उपस्थिति चिकित्सा विज्ञान के लिये हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार विश्व में निमोनिया से प्रतिवर्ष लगभग चार सौ पचास मिलियन अर्थात् पैंतालिस करोड़ आबादी

प्रभावित होती है, जो कि विश्व की जनसंख्या का सात प्रतिशत है और इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग चालीस लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इसी कारण उन्नीसवीं शताब्दी के चिकित्सा विज्ञानी ओस्लर द्वारा निमोनिया को 'मौत बांटने वाला मुखिया' कहा गया था। बीसवीं शताब्दी में एंटीबायोटिक उपचार और टीकों के आने से बचने वाले लोगों की संख्या यद्यपि बेहतर हुई है, बावजूद इसके विकासशील देशों में, बुजुर्गों, युवा उम्र के लोगों और जटिल रोगियों में निमोनिया अभी मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है। निमोनिया की संभावना को बढ़ाने वाले कारकों में धूम्रपान, प्रतिरक्षा की कमी तथा मद्यपान की लत, गंभीर प्रतिरोधी फेफड़ा रोग, गंभीर गुर्दा रोग और यकृत रोग शामिल होते हैं। अम्लता दबाने वाली दवाओं जैसे- प्रोटॉन-पम्प इन्हिलेटर्स या एच-टू ब्लॉकर्स का उपयोग निमोनिया के बढ़ते जोखिम के अहम् कारण हैं। विश्व निमोनिया दिवस पर इन्हीं चुनौतियों का सामना करने के चिकित्सकीय उपायों पर चर्चा होती है।

एक जानलेवा रोग है निमोनिया

फुफ्फुस शोथ अथवा फुफ्फुस प्रदाह (निमोनिया) फेफड़े में सूजन वाली एक परिस्थिति है, जो प्राथमिक रूप से अल्वियोली (कूपिका) कहे जाने वाले बेहद सूक्ष्म वायु कूपों को प्रभावित करती है। यह मुख्य रूप से विषाणु या जीवाणु और कतिपय सूक्ष्मजीवों, कुछ दवाओं और अन्य परिस्थितियों जैसे स्वप्रतिरक्षित रोगों से संक्रमण द्वारा होती है। निमोनिया के आम लक्षणों में खांसी, सीने का दर्द, बुखार और सांस लेने में कठिनाई शामिल है। नैदानिक उपकरणों यथा एक्स-रे और बलगम के कल्चर टेस्ट से निमोनिया का निदान किया जाता है। निमोनिया का उपचार, अंतर्निहित कारणों पर निर्भर करता है।

प्रकल्पित बैक्टीरियाजनित निमोनिया का उपचार प्रतिजैविक द्वारा किया जाता है। यदि निमोनिया गंभीर हो तो प्रभावित व्यक्ति को आमतौर पर अस्पताल में भर्ती किया जाता है। निमोनिया मुख्य रूप से बैक्टीरिया या वायरस द्वारा और कभी-कभी फफूंद और परजीवियों द्वारा होता है। चिकित्सा विज्ञान ने हालांकि संक्रामक एजेंटों के सौ से अधिक उपभेदों की पहचान की है, लेकिन अधिकांश मामलों के लिये इनमें केवल कुछ ही जिम्मेदार होते हैं। वायरस और बैक्टीरिया के मिश्रित कारण वाले संक्रमण बच्चों के संक्रमणों के मामलों में पैंतालिस प्रतिशत तक और वयस्कों में पन्द्रह प्रतिशत मामलों में ही जिम्मेदार होते हैं। समय पर निमोनिया की पहचान से निमोनिया का सफल उपचार संभव होता है।

सावधानी भी जरूरी

कोरोना वायरस की दूसरी लहर में भारत में जो मरीज कोरोना के नये स्ट्रेन से पीड़ित थे उनमें कोविड निमोनिया भी पाया जा रहा था। आमतौर पर कोविड निमोनिया और आम निमोनिया एक जैसे ही होते हैं। लेकिन जिन लोगों को कोविड निमोनिया होता है उनके दोनों फेफड़ों में इंफेक्शन होता है। वहीं, आम निमोनिया वाले मरीजों में ज्यादातर इंफेक्शन एक फेफड़े में होता है। कोविड निमोनिया की पहचान डॉक्टर सीटी स्कैन और एक्स-रे के जरिए करते हैं। जिन कोरोना पीड़ितों की उम्र ज्यादा थी या फिर जो पैंसठ से ज्यादा उम्र के थे अथवा मेडिकल स्टॉफ इस कोविड निमोनिया के ज्यादा शिकार हुए। जो मरीज फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे, अस्थमा या हार्ट की बीमारी से, लिवर या डायबिटीज से, कैंसर या एचआईवी से पीड़ित थे अथवा मोटापे या कमजोर इम्यूनिटी वाले थे, वो कोविड निमोनिया के ज्यादा शिकार हुए। विश्व में व्यापक कोविड निरोधी टीकाकरण के कारण कोविड का संक्रमण घटने के साथ ही कोविड निमोनिया भी घटा है मगर फिर भी सावधानी जरूरी मानी जा रही है। निमोनिया के अत्यधिक जोखिम वाले मरीजों पर अभी भी कोविड निमोनिया से बचाव के उपाय जारी रखे गये हैं।

ग्यारह साल पहले बना टीका

दुनिया में निमोनिया से सबसे ज्यादा पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत हो जाती है और इसी अनपेक्षित को टालने के लिये ठीक ग्यारह साल पहले दिसम्बर 2010 को निकारागुआ में निमोनिया से लड़ने के लिए एक नये टीके को लॉन्च किया गया था। इस टीके से निमोनिया के एक सबसे खतरनाक माने जाने वाले प्रकार, न्यूमॉकॉकल से लड़ने में आसानी हुई। न्यूमॉकॉकल निमोनिया का एक जानलेवा प्रकार है। इसी प्रकार से मेनिंजाइटिस यानी दिमागी बुखार और निमोनिया जैसी बीमारी होती है। पूरी दुनिया में पांच साल से कम उम्र के अधिकांश बच्चों की मौत के लिए निमोनिया का ये प्रकार जिम्मेदार माना जाता है। वर्ष 2011 से दुनिया के चालीस विकासशील देशों में इस टीके की बिक्री शुरू की गई। इसी प्रकार हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा और स्ट्रेप्टोकॉकस निमोनिया के विरुद्ध टीकाकरण के अच्छे साक्ष्य उपलब्ध है। स्ट्रेप्टोकॉकस निमोनिया के विरुद्ध बच्चों को टीकाकरण प्रदान करने से वयस्कों में इसके संक्रमण में कमी आयी है, क्योंकि कई सारे वयस्क इस संक्रमण को बच्चों से ग्रहण करते हैं। एक स्ट्रेप्टोकॉकस निमोनिया टीका वयस्कों के लिये भी उपलब्ध है और इसको हमलावर निमोनिया रोग के जोखिम को कम करता पाया गया है। अन्य वे टीके जिनमें निमोनिया के विरुद्ध रक्षा प्रदान करने की क्षमता है, उनमें परट्यूसिस, वेरिसेला और चेचक के टीके भी शामिल हैं। दीगर संक्रामक रोगों के समान निमोनिया के रोकथाम में भी टीकाकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है।

निमोनिया से बचाव के लिये ऐहतियात जरूरी है

निमोनिया एक जानलेवा बीमारी जरूर है मगर हल्के निमोनिया को घर में आराम, एंटीबायोटिक दवाओं और बहुत से तरल पदार्थों के साथ इलाज किया जा सकता है। यदि मामला गंभीर है तो व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कर उपचार की व्यवस्था की जा सकती है। बचपन में निमोनिया से बचाव के लिए टीकाकरण कराया जाना चाहिए। टीकाकरण के अलावा, डॉक्टर विशेष सुझाव देते हैं। पौष्टिक आहार, अच्छी स्वच्छता बनाए रखना और स्वस्थ जीवन शैली भी निमोनिया को रोक सकते हैं। न्यूमोकोकल टीके जो स्ट्रेप्टोकॉकस न्यूमोनिया नामक बैक्टीरिया के खिलाफ इस्तेमाल किये जाते हैं, उनका उपयोग निमोनिया के कुछ मामलों को विफल कर सकता है। निमोनिया आसानी से रोका जा सकता है और उपचार योग्य भी है। टीके और अन्य निवारक प्रयास निमोनिया बीमारी के बोझ को कम कर सकते हैं।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी एरिया- इंदौर

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग हेतु
सिस्टम एनालिस्ट तथा प्रोग्रामर के पदों की संविदा के आधार पर पूर्ति हेतु विज्ञापन

विज्ञापन क्रमांक	ऑनलाइन आवेदन करने की	आयोग कार्यालय में अभिलेखों सहित आवेदन-पत्र
08/2021/02.11.2021	अंतिम तिथि 12.12.2021	जमा करने की अंतिम तिथि 24.12.2021

महत्वपूर्ण

1. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग हेतु सिस्टम एनालिस्ट तथा प्रोग्रामर के पदों की संविदा के आधार पर पूर्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। इन पदों के लिए अपेक्षित अनिवार्य शैक्षणिक अर्हता/कार्यानुभव तथा अन्य आवश्यक अर्हताएं इस विज्ञापन की कंडिका-दो में उल्लेखित है। **अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।**
2. आवेदन पत्र केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे आवेदन पत्र दिनांक 13.11.2021 (दोपहर 12:00 बजे) से दिनांक 12.12.2021 (रात्रि 12:00 बजे) तक **www.mponline.gov.in** तथा **www.mppsc.nic.in www.mppsc.com** पर भरे जा सकते हैं।
3. आवेदक ऑनलाइन आवेदन करने तथा आवेदन शुल्क का भुगतान करने के पश्चात ऑनलाइन आवेदन-पत्र का प्रिंट आउट प्राप्त करें तथा आवेदन पत्र में उल्लेखित भुगतान विवरण से यह सुनिश्चित कर लें कि शुल्क भुगतान हो चुका है। उक्त ऑनलाइन आवेदन-पत्र के साथ अपनी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेखों तथा अनुप्रमाणन-पत्रक, व्यक्तिगत विवरण-पत्रक एवं उपस्थिति-पत्रक (आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** पर उपलब्ध) की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न कर आयोग कार्यालय में दिनांक 24.12.2021 तक जमा कराएं। **आवेदन पत्र भरने के संदर्भ में विस्तृत जानकारी हेतु परिशिष्ट-2 का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें एवं तदनुसार पर्याप्त समय पूर्व आवेदन-पत्र भरें।**
4. आवेदक ऑनलाइन आवेदन-पत्र की सावधानीपूर्वक जांच कर लें। ऑनलाइन आवेदन-पत्रों में दिनांक 18.11.2021 से दिनांक 14.12.2021 तक त्रुटिसुधार किया जा सकेगा। इस हेतु प्रति सुधार सत्र रु. 50/- त्रुटिसुधार शुल्क देय होगा। आवेदक त्रुटिसुधार हेतु एमपी ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। त्रुटिसुधार अवधि समाप्त होने के बाद किसी भी प्रकार का परिवर्तन मान्य नहीं होगा तथा श्रेणी/वर्ग परिवर्तन विषयक समस्त आवेदन सरसरी तौर पर अमान्य किए जाएंगे तथा आयोग द्वारा इस सन्दर्भ में आवेदक से कोई पत्र व्यवहार नहीं किया जाएगा।
5. विज्ञापन के सन्दर्भ में आवश्यक सूचनाएं, ऑनलाइन परीक्षा का परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** में प्रकाशित किया जाएगा साथ ही आवश्यक होने पर अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय दिए गए **e-mail Address** तथा मोबाइल नंबर पर **e-mail** तथा **SMS Alert** भी प्रेषित किए जाएंगे। अतः आवेदक आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र पर विहित स्थान पर अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर का अवश्य उल्लेख करें तथा आयोग की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करें।
6. **आयोग की परीक्षा और चयन प्रणाली निष्पक्ष एवं पारदर्शी है। किसी एक व्यक्ति द्वारा इस प्रणाली को विफल कर किसी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की संभावना नहीं है। अतः किसी व्यक्ति द्वारा सीधे या किसी अन्य के माध्यम से लाभ पहुंचाने का दावा किया जाता है तो ऐसा व्यवहारिक रूप से असंभव है। अतः ऐसे व्यक्ति के बहकावे में न आयें और उस व्यक्ति की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सूचना अविलंब आयोग को दें ताकि ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जा सके। सूचना देने वाले का नाम पता गोपनीय रखा जाएगा।**

एक भारत के नागरिकों तथा भारत के संविधान के तहत मान्य अन्य श्रेणियों के आवेदकों से मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग कार्यालय के निम्नलिखित पदों की संविदा के आधार पर पूर्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं :-

क्रमांक	पद का नाम	रिक्त पदों की संख्या					
		UR	SC	ST	OBC	EWS	कुल
1.	सिस्टम एनालिस्ट	01	निरंक				01
2.	प्रोग्रामर (पी.एच.पी.)	01	निरंक				01
3.	प्रोग्रामर (जावा)	01	निरंक				01

नोट :- प्रत्येक पद हेतु पृथक-पृथक आवेदन भरें।

दो पद का विवरण

01 पद का नाम : सिस्टम एनालिस्ट
पद स्थिति : संविदा रक्षित
संविदा वेतन : रु. 50490 (नियमानुसार वार्षिक वेतनवृद्धि देय होगी)
पद हेतु अर्हताएं :
(1) शैक्षणिक अर्हता :-
बी.ई. (कंप्यूटर साइंस/आई.टी.), बी.टेक. (कंप्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.एससी. (कंप्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.सी.ए.।
(2) अनिवार्य विशेष अर्हता :-
डॉट नेट, जावा, पी.एच.पी. प्रोग्रामिंग में प्रोजेक्ट किए गए हों ।
(3) अनिवार्य अनुभव :-
प्रोग्रामिंग का पंजीकृत संस्थान/शासकीय संस्थान में पद के अनुरूप न्यूनतम 07 वर्ष का कार्यानुभव।
(4) अनिवार्य वांछनीय अर्हता :-
उक्त टेक्नोलॉजी में मान्य संस्थान से सर्टिफिकेशन अनिवार्य।
(5) प्रोजेक्ट
कोई दस प्रोजेक्ट (विस्तृत) कम्पलीट किए गए हों।
पद के मुख्य कर्तव्य : आयोग के सूचना प्रौद्योगिकी से संबन्धित कार्यों के प्रभारी रहेंगे तथा आयोग हेतु आवश्यक सॉफ्टवेयर के निर्माण तथा प्रबंधन का कार्य संपादित करेंगे।

---

01 पद का नाम : प्रोग्रामर (पी.एच.पी.)
पद स्थिति : संविदा रक्षित
संविदा वेतन : रु. 38430 (नियमानुसार वार्षिक वेतनवृद्धि देय होगी)
पद हेतु अर्हताए :
(1) शैक्षणिक अर्हता :-
बी.ई. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.), बी.टेक. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस/आई.टी.)/एम.सी.ए.।
(2) अनिवार्य विशेष अर्हता :-
पी.एच.पी. प्रोग्रामिंग का कार्यानुभव।
(3) अनिवार्य अनुभव :-
पी.एच.पी. प्रोग्रामिंग का पंजीकृत संस्थान/शासकीय संस्थान में प्रोग्रामिंग का न्यूनतम 05 वर्ष का कार्यानुभव।
(4) अनिवार्य वांछनीय अर्हता :-
उक्त टेक्नोलॉजी में मान्य संस्थान से सर्टिफिकेशन अनिवार्य।
(5) प्रोजेक्ट :-
कोई पांच प्रोजेक्टर (विस्तृत) कम्पलीट किये गये हों।
पद के मुख्य कर्तव्य : आयोग के सूचना प्रौद्योगिकी से संबन्धित कार्यों तथा आयोग हेतु आवश्यक सॉफ्टवेयर के निर्माण तथा प्रबंधन का कार्य संपादित करेंगे।

---

01 पद का नाम : प्रोग्रामर (जावा)
पद स्थिति : संविदा रक्षित
वेतनमान : रु. 38430 (नियमानुसार वार्षिक वेतनवृद्धि देय होगी)
पद हेतु अर्हताएं :
(1) शैक्षणिक अर्हता :-
बी.ई. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.), बी.टेक. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.सी.ए.।
(2) अनिवार्य विशेष अर्हता :-
जावा प्रोग्रामिंग का कार्यानुभव।
(3) अनिवार्य अनुभव :-
जावा प्रोग्रामिंग का पंजीकृत संस्थान/शासकीय संस्थान में प्रोग्रामिंग का न्यूनतम 05 वर्ष का कार्यानुभव।
(4) अनिवार्य वांछनीय अर्हता :-
उक्त टेक्नोलॉजी में मान्य संस्थान से सर्टिफिकेशन अनिवार्य।
(5) प्रोजेक्ट :-
कोई पांच प्रोजेक्ट (विस्तृत) कम्पलीट किये गये हों।
पद के मुख्य कर्तव्य : आयोग के सूचना प्रौद्योगिकी से संबन्धित कार्यों तथा आयोग हेतु आवश्यक सॉफ्टवेयर के निर्माण तथा प्रबंधन का कार्य संपादित करेंगे।

तीन अन्य अर्हता : अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
विशेष :
(1) उक्त अर्हताएं विज्ञापन में उल्लेखित ऑनलाइन आवेदन करने की **अंतिम तिथि 12.12.2021 तक** अर्जित होनी चाहिए। उक्त तिथि के बाद में अर्हता धारित करने वाले आवेदक पद हेतु अनर्ह माने जाएंगे।
(2) यदि अभ्यर्थी की अर्हकारी परीक्षा की अंकसूची में पूर्णांक तथा प्राप्तांक का उल्लेख न होते हुए ग्रेड/पाइंट स्केल का उल्लेख है तो उन्हें अपने ग्रेड/पाइंट स्केल के समतुल्य प्रतिशत के निर्धारण विषयक सूत्र/सिद्धांत के आधार पर प्रतिशत की गणना करते हुए शपथ-पत्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। शपथ-पत्र के साथ प्रतिशत निर्धारण हेतु अपनाए गए सूत्र/ सिद्धांत के अनुसमर्थन हेतु संबन्धित विश्वविद्यालय के सुसंगत अभिलेख संलग्न करना भी अनिवार्य है।

टीप- उक्त सभी पद केवल अनारक्षित श्रेणी के हैं अतः मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में कोई छूट देय नहीं होगी, किन्तु उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों को आवेदन शुल्क में विहित छूट तथा यात्रा-व्यय प्रतिपूर्ति का लाभ देय होगा।

चार मध्यप्रदेश सिविल सेवाएं (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के अंतर्गत अनर्हता :-
अ. कोई भी उम्मीदवार जिसे महिलाओं के विरुद्ध किसी अपराध का सिद्ध-दोष ठहराया गया हो, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा। परंतु जहां किसी भी उम्मीदवार के विरुद्ध न्यायालय में ऐसे मामले लंबित हों तो उनकी नियुक्ति का मामला आपराधिक मामले का अंतिम विनिश्चय होने तक लंबित रखा जाएगा।
ब. कोई भी उम्मीदवार जिसकी दो से अधिक जीवित संतान हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हो, किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा। परंतु कोई भी उम्मीदवार जिसकी पहले से एक जीवित संतान हैं तथा आगामी प्रसव 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हो, जिसमें दो या दो से अधिक संतान का जन्म होता है, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए निरर्हित नहीं होगा।

पांच महत्वपूर्ण :- यह सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी कि, वे अपने आवेदित पद के लिए निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को पूरा करते हैं। अतः आवेदन करने के पहले अभ्यर्थी अपनी अर्हता की जांच स्वयं कर लें और अर्हता की समस्त शर्तों को पूरा करने पर ही आवेदन-पत्र भरें। साक्षात्कार के लिए आमंत्रित करने का अर्थ यह कदापि नहीं होगा कि अभ्यर्थी को अर्ह मान लिया गया है। चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी के अनर्ह पाए जाने पर उसका आवेदन पत्र निरस्त कर उसकी अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी।

छः आयु सीमा : 21 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो किन्तु 40 वर्ष की आयु पूर्ण न की हो

सात आयु संगणना तिथि- 01.01.2022
आयु सीमा में दी गई अन्य छूटों के लिए **परिशिष्ट-1** देखें।

आठ चयन प्रक्रिया :-
चयन साक्षात्कार के आधार पर होगा। अर्हकारी परीक्षा में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार विज्ञापित श्रेणी 12 अभ्यर्थियों (तथा समान अंक वाले अभ्यर्थियों) को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा वशर्ते कि पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध हों।
साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर अंतिम चयन सूची घोषित की जाएगी, जिसमें मुख्य सूची एवं प्रतीक्षा सूची में एक-एक अभ्यर्थी का चयन किया जाएगा। साक्षात्कार हेतु पूर्णांक 100 होगा। न्यूनतम उत्तीर्णांक 41 प्रतिशत होंगे।
चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि ध्यान में आती है तो आयोग को चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

नौ अन्य जानकारियां :-
1. **वेतनवृद्धि :** प्रत्येक वर्ष की जनवरी में वार्षिक वेतनवृद्धि, आलोच्यि अवधि में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में वृद्धि के आधार पर देय होगी तथा यह राशि निकटतम 100 रुपये के गुणांक तक पूर्णांकित की जाएगी। उपर्युक्त अनुसार वार्षिक वेतनवृद्धि देने के लिए यह आवश्यक होगा कि संबंधित संविदा सेवक ने कम से कम 06 माह की सेवा अवधि उस वेतन में पूर्ण कर ली हो।
2. **संविदा की अवधि :** संविदा नियुक्ति प्रथम बार एक वर्ष से अनधिक अवधि हेतु होगी, किंतु आयोग आवश्यकता के आधार पर संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की उपयुक्तता का आंकलन कर संविदा नियुक्ति की अवधि को एक बार में अधिकतम एक वर्ष के लिए बढ़ाते हुए संविदा नियुक्ति के नवीनीकरण का निर्णय ले सकेगा।
3. **अनुबंध :** उक्त संविदा पदों हेतु चयनित अभ्यर्थियों को एक अनुबंध निष्पादित करना होगा कि संविदा

नियुक्ति की अवधि में दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष द्वारा एक माह की पूर्व सूचना या इसके एवज में एक माह का वेतन देकर संविदा नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी।

दस **आवेदन प्रक्रिया** :- उक्त पद हेतु आवेदन-पत्र **www.mponline.gov.in** तथा **www.mppsc.nic.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा किए जा सकेंगे। विस्तृत जानकारी हेतु **परिशिष्ट-2** का अवलोकन करें।

ग्यारह विज्ञापन के संदर्भ में आवश्यक सूचनाएं, चयन परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** पर प्रकाशित की जाएगी । अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरते समय दिए गए E-mail Address तथा मोबाइल नंबर पर E-mail तथा SMS द्वारा आवश्यक होने पर सूचना दी जा सकेगी। आवेदक आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन-पत्र पर विहित स्थान पर अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर का अवश्य उल्लेख करें तथा आयोग की वेबसाइट का निरंतर अवलोकन करते रहें।

बारह आवेदक विस्तृत जानकारी हेतु निम्न परिशिष्ट देखें :-

(1) आयु सीमा की छूटें **परिशिष्ट-1**

(2) आवेदन-पत्र भरने के तथा अन्य निर्देश एवं जानकारियां **परिशिष्ट-2**

सचिव

परिशिष्ट-1

(एक) मध्यप्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा मे अनुज्ञेय छूट

(1) मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी.3-8/2016/1/3, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित)/दिव्यांगजन आदि के लिए अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी तथा **उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष रहेगी।**

(2) ऐसा अभ्यर्थी जो भूतपूर्व सैनिक हों, उसे अपनी आयु में से उसके द्वारा पहले की गई सम्पूर्ण प्रतिरक्षा सेवा की अवधि कम करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, किन्तु उसके परिणामस्वरूप जो आयु निकले वह अधिकतम आयु सीमा से तीन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

स्पष्टीकरण :-

भूतपूर्व सैनिक से अभिप्रेत है 'मध्यप्रदेश के भूतपूर्व सैनिक (राज्य की सिविल सेवाओं तथा पदों, तृतीय श्रेणी तथा चतुर्थ श्रेणी में रिक्तियों का आरक्षण) नियम 1985' के नियम 2 (ग) में यथा परिभाषित भूतपूर्व सैनिक।

(दो) प्रोत्साहन स्वरूप दी गई छूटें

(1) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कृत दंपतियों के सवर्ण सहभागी को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक सी-3/10/85/3/1, दिनांक 29.06.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

(2) विक्रम पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक सी-3/18/85/3/1 दिनांक 03.09.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

टीप:- **(1) परिशिष्ट -1 (दो)** के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप अधिकतम आयु सीमा में विभिन्न कार्यों/योजनाओं के अंतर्गत दी गई छूटों में से यदि कोई आवेदक एक से अधिक छूट का आधार रखता है तो उसे आयु सीमा में अधिकतम लाभ वाले किसी एक आधार (प्रोत्साहन वाले) के लिए देय छूट मिलेगी।

नोट :- (01) उपरोक्त **परिशिष्ट -1 (एक)** (1 से 2) तथा (दो) (1 एवं 2) में उल्लेखित आयु सीमा की छूट की पात्रता सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही देय होगी।

(02) आवेदकों को उपरोक्त सभी छूटें देय होंगी किन्तु समस्त छूटों को शामिल करते हुए भी किसी भी स्थिति में किसी भी प्रवर्ग हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अर्थात् जिन आवेदकों की आयु 45 वर्ष से अधिक है वे आवेदन करने के पात्र नहीं हैं।

परिशिष्ट-2

ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में निर्देश एवं अन्य जानकारी

1. ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश निम्नानुसार हैं :-
   1. उपरोक्त पदों हेतु आवेदन-पत्र निम्न वेबसाइटों पर भरे जा सकेंगे
      1. **www.mponline.gov.in**
      2. **www.mppsc.nic.in**
2. आवेदक mponline के स्थापित अधिकृत कियोस्कों के माध्यम से ऑनलाइन फार्म भरकर कियोस्क पर ही आवेदन/परीक्षा शुल्क का नगद भुगतान कर रसीद आवश्यक रूप से प्राप्त करें तथा आवेदन-पत्र की भलीभांति जांचकर सुनिश्चित कर लें कि भुगतान हो चुका है। mponline के अधिकृत कियोस्कों की सूची **www.mponline.gov.in** तथा **www.mppsc.nic.in** पर पता एवं फोन नंबर सहित उपलब्ध है।
3. आवेदक अपने घर पर या इंटरनेट कैफे के माध्यम से भी ऑनलाइन फार्म भरकर आवेदन/परीक्षा शुल्क का भुगतान क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड के माध्यम से कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नेट बैंकिंग सुविधा धारक आवेदक नेट बैंकिंग द्वारा भी शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।
4. आवेदक फार्म भरने के पूर्व अपने नवीनतम फोटोग्राफ की पासपोर्ट साइज की तथा हस्ताक्षर की स्केन फाइलें तैयार रखें, जिन्हें उन्हें ऑनलाइन फार्म भरते समय अपलोड करना होगा। **mponline** के अधिकृत कियोस्क पर स्केनिंग की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है, जिसका उपयोग किया जा सकता है।

   फोटो स्केनिंग के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश :-

   1. स्केनिंग हेतु पासपोर्ट साइज़ की नवीनतम रंगीन फोटो का प्रयोग करें।
   2. फोटो खिचवाते समय रिलेक्स स्थिति में सीधे कैमरे में देखें।
   3. यदि आप चश्में का प्रयोग करते हैं तो यह सुनिश्चित करें कि कोई रिफ़्लेक्सन न हो तथा आपकी आंखें स्पष्टतः दिख रही हों।
   4. टोपी हैट तथा डार्क चश्में स्वीकार्य नहीं हैं। सर पर पहने जाने वाले धार्मिक परिधान स्वीकार्य हैं किन्तु उनसे आपका चेहरा नहीं ढंकना चाहिए।
   5. यह सुनिश्चित करें कि फोटो का बैकग्राउंड हल्के रंग या आदर्श रूप में सफेद हो।
   6. किसी और से अपनी फोटो खिंचवाएं। कृपया सेल्फी का प्रयोग न करें।
5. ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरते समय ध्यान रखना चाहिए कि, वह उक्त वेबसाइट पर दिए गए ऑनलाइन आवेदन-पत्र की प्रत्येक जानकारी अच्छी तरह समझकर सावधानीपूर्वक सही रूप में जिस प्रकार चाहा गया है उसी प्रकार जानकारी भरें। आवेदन-पत्र भरने के संदर्भ मे अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध अनुदेशों तथा निर्देशों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर तदनुसार ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरें।
6. आयोग द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने की प्रक्रिया में यह माना जाएगा कि, आवेदक द्वारा जो जानकारी ऑनलाइन फार्म में अंकित की जा रही है वही प्रमाणिक जानकारी है अतः ऑनलाइन आवेदन-पत्र **submit** करने के पूर्व आवेदक अपना आवेदन-पत्र सावधानीपूर्वक भलीभांति पढ़ एवं समझकर तथा भरी गई जानकारी से स्वयं को संतुष्ट करने के पश्चात ही आवेदन-पत्र **submit** करें।
7. आवेदन-पत्र **submit** करने के बाद खुलने वाले **popup window** में आवेदक को उसके द्वारा आवेदन-पत्र में उल्लिखित आधारभूत सूचनाएं अर्थात् **उसका नाम, माता पिता का नाम, जन्म तिथि, श्रेणी लिंग आदि की जानकारी दी जाएगी** जिसमें त्रुटि परिलक्षित होने पर अभ्यर्थी Cancel बटन दबाकर पुनः फार्म में वापस जाकर अपेक्षित सुधार कर सकेंगे। Popup window में OK बटन दबाकर फार्म सबमिट करने पर आवेदन-पत्र के सफलतापूर्वक जमा होने की सूचना मिलेगी जिसमें उसके आवेदन-पत्र क्रमांक का उल्लेख होगा किन्तु यह Unpaid होगा।

   अभ्यर्थी कृपया ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र submit होने के बाद 'proceed for payment' बटन दबाकर भुगतान की कार्यवाही पूर्ण होने के पश्चात अभ्यर्थी को उसका आवेदन-पत्र प्राप्त होगा, जिसमें भुगतान का विवरण भी होगा जिसमें भुगतान राशि तथा 'Payment Done' स्पष्टतः उल्लेखित होगा। आवेदक उक्त सूचना को प्रिंट करके अपने पास रखें तथा भविष्य में आयोग से किए जाने वाले पत्र व्यवहार में आवेदन-पत्र क्रमांक का उल्लेख करें।

8. **त्रुटि सुधार सुविधा** :- अभ्यर्थी अपना आवेदन-पत्र सावधानी पूर्वक भरें। आवेदन-पत्र में कोई त्रुटि होने पर दिनांक 18.11.2021 से 14.12.2021 तक प्रति त्रुटि सुधार सत्र रु. 50/- त्रुटि सुधार शुल्क का भुगतान कर ऑनलाइन आवेदन-पत्र में अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन ही त्रुटिसुधार किया जा सकेगा। नियत अवधि में त्रुटि सुधार नहीं करने पर कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए नस्तीबद्ध किया जाएगा। **मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु शुल्क रु. 250 तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु रु. 500 निर्धारित है अतः छूट वाली श्रेणियों के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा गैर छूट श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि रुपये 250 त्रुटि सुधार शुल्क के अतिरिक्त देय होगा, किन्तु गैर छूट श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा छूट श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि वापस नहीं की जाएगी।**

   ऑनलाइन आवेदन पत्रों में भरी गई श्रेणी/वर्ग (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग)/लिंग (महिला/पुरुष)/शासकीय सेवक/दिव्यांगता आदि के आधार पर ही परिणाम घोषित किया जाता है। अतः त्रुटिसुधार अवधि समाप्त होने के बाद श्रेणी/वर्ग परिवर्तन विषयक कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए नस्तीबद्ध किया जाएगा।

9. **आवेदन-पत्र प्रेषण के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश :-**

   (1) आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** के **Download Formate** लिंक से अनुप्रमाणन फार्म, व्यक्तिगत विवरण-पत्रक, एवं उपस्थिति-पत्रक डाउनलोड करके उनकी पूर्ति करें। पूर्ति पश्चात उक्त प्रपत्रों की क्रमशः तीन, छः तथा एक छाया प्रति करायें।

   (2) ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने तथा शुल्क भुगतान के पश्चात प्राप्त ऑनलाइन आवेदन में उल्लेखित भुगतान विवरण की जांच कर यह सुनिश्चित कर लें कि शुल्क का भुगतान हो चुका है। यह भी जांच कर लें कि समस्त प्रविष्टियां सही हैं (त्रुटि होने पर विहित अवधि मे त्रुटि सुधार कर लें **(देखें बिन्दु-8)**। ऑनलाइन आवेदन-पत्र में विहित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें। उक्त हस्ताक्षरित ऑनलाइन आवेदन-पत्र के साथ अपने सभी अभिलेखों की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करें तथा साथ ही अनुप्रमाणन फार्म, व्यक्तिगत विवरण पत्रक, एवं उपस्थिति पत्रक की एक एक प्रति संलग्न करें। (प्रपत्रों की शेष प्रतियां अपने पास सुरक्षित रखें क्योंकि उन्हें आपको साक्षात्कार के समय अपने मूल अभिलेखों के साथ प्रस्तुत करना होगा)

   (3) एक बड़े लिफाफे पर निम्न विवरण अंकित कर उक्त सेट (आवेदन-पत्र तथा समस्त अभिलेख) इस बड़े लिफाफे में रखकर पंजीबद्ध डाक या स्पीड पोस्ट से आयोग को प्रेषित करें।

   विज्ञापन क्रमांक 08/2021 दिनांक 02.11.2021

   ————, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के पद हेतु आवेदन-पत्र

   प्रति,

   सचिव

   प्रेषक : मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

   आवेदक का नाम रेसीडेंसी एरिया

   तथा पता **इंदौर** (मध्यप्रदेश) पिन - 452001

   (लिफाफे पर विज्ञापन क्रमांक, पद का नाम अंकित न होने पर उस पर विचार नहीं किया जाएगा)

   (4) ध्यान रखें अभिलेखों सहित उक्त आवेदन-पत्र **दिनांक 24.12.2021 को सायंकाल 5:30 बजे तक** आयोग कार्यालय में पहुंचने पर ही समयावधि में प्राप्त माना जाएगा । आवेदन-पत्र उक्त दिनांक तथा समय तक समस्त कार्य दिवसों में कार्यालयीन समय **(प्रातः 10:30 बजे से सायंकाल 5:30 बजे तक)** आयोग कार्यालय में भी प्राप्त किए जाएंगे तथा प्राप्ति की रसीद दी जाएगी। आवेदक आयोग को प्रेषित आवेदन-पत्र तथा अभिलेखों का एक सेट अपने पास सुरक्षित रखें।

10. विलंब से प्राप्त आवेदन-पत्र निरस्त किए जाएंगे तथा जमा शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। अतः आवेदक अंतिम तिथि की प्रतीक्षा करने के बजाय पर्याप्त समय पूर्व ऑनलाइन आवेदन कर अभिलेखों सहित आवेदन-पत्र आयोग को प्रेषित करें।
11. आवेदक यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा आवेदन-पत्र में दर्ज हस्ताक्षर ही वे साक्षात्कार की उपस्थिति सूची, तथा आयोग के समस्त पत्र व्यवहार में करें। विभिन्न अभिलेखों के हस्ताक्षरों में समानता न होने पर आवेदक की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।

2. **आवेदन शुल्क**

मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु	शेष सभी श्रेणी तथा मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी अभ्यर्थियों हेतु
रु. 250/-	रु. 500/-
उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त रु. 40/- (जीएसटी सहित) पोर्टल शुल्क देय होगा	

◆ **शुल्क वापसी** :- अपरिहार्य कारणों से विज्ञापन निरस्त होने की स्थिति में अभ्यर्थियों से ऑनलाइन शुल्क वापसी आवेदन प्राप्त कर आवेदन शुल्क की राशि वापस की जाएगी किन्तु पोर्टल शुल्क की राशि किसी भी स्थिति मे वापस नहीं की जाएगी।

आवेदन शुल्क तथा पोर्टल शुल्क के अतिरिक्त किसी भी रूप में अन्य किसी राशि का भुगतान नहीं करना है। यदि कियोस्कधारक द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है तो **mponline** से निम्न दूरभाष पर संपर्क कर शिकायत दर्ज़ करा सकते हैं :-

हेल्पलाइन - 0755-6720200

नोट : यदि आपको ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने में कोई समस्या आती है तो नीचे दर्शाए गए दूरभाष नंबरों पर संपर्क करें :-

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, रेसीडेंसी क्षेत्र, इंदौर (0731) 2701624, 2701983

एम.पी.ऑनलाइन लिमिटेड, (मध्यप्रदेश शासन तथा टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज का संयुक्त उपक्रम)

ऑफिस ब्लॉक OB-14 से 17, चतुर्थ तल, डी.बी. सिटी कार्पोरेट पार्क,

अरेरा हिल्स, ज़ोन-1 के सामने, एम.पी. नगर,

भोपाल-462011 हेल्पलाइन - 0755-6720200

3. **आवेदन की अंतिम तिथि**

ऑनलाइन आवेदन करने की **अंतिम तिथि 12.12.2021** है। अंतिम तिथि को रात्रि 12:00 बजे के बाद आवेदन-पत्र जमा करने की सुविधा बंद कर दी जाएगी।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P. – 462 011

NOTICE INVITING TENDER No. 167/MTN/2021 (BW)

No./16397/22/D-12/NIT-Maint./2021 Bhopal, Dated : 03.11.2021

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

Name of work : Repair / Maintenance of Rural Roads.

1. Table No. 1 :- Name of Work – Within 5 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Seoni	2	3229000.00
2	Ujjain	1	5587000.00

2. Table No. 1 :- Name of Work – Post 5 Years (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Chhatarpur	1	12000000.00
2	Chhindwara	2	4230000.00
3	Umaria	1	3058000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **09.11.2021 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/102521/46147/2021 **(T & e-G)**

कोरोना से अनाथ हुये बच्चे हैं अब सरकार की जिम्मेदारी

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुख्यमंत्री निवास में उन बच्चों के साथ दीपावली मनाई, जिनके माता-पिता कोरोना से असमय जीवन गवां बैठे हैं। मुख्यमंत्री ने ऐसे बच्चों के लिए मुख्यमंत्री कोविड बाल सेवा योजना लागू की है। योजना में हितग्राही बच्चों की निःशुल्क पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था के साथ निःशुल्क राशन एवं आर्थिक सहायता का प्रावधान है। प्रदेश के 1365 बच्चे योजना के हितग्राही हैं। इनमें से चयनित 66 बच्चों के साथ मुख्यमंत्री ने दीपावली का पर्व मनाया और बच्चों के साथ दोपहर का ग्रहण किया। प्रदेश के करीब डेढ़ हजार बच्चे योजना के हितग्राही हैं। इनमें से चयनित 50 बच्चों के साथ दीपावाली के दिन श्री चौहान ने दोपहर का भोजन किया। इन बच्चों को प्यार-दुलार किया और कहा कि आप अपने को अकेला न समझें। पूरी हिम्मत के साथ जीवन जिएं और अच्छी पढ़ाई-लिखाई कर जीविका का सम्मानजनक माध्यम प्राप्त करें। सरकार आपके साथ है। मामा भी आपके सुख-दुख में शामिल है और हमेशा रहेगा।

मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के हितग्राहियों के लिए मुख्यमंत्री निवास में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, राजगढ़ और होशंगाबाद के लगभग 66 बच्चों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित कार्यक्रम में 10 वर्ष से कम आयु के 10 बच्चे, 11 से 15 आयु वर्ष के 23 बच्चे और 16 वर्ष से अधिक आयु के 33 बच्चों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि मैं आप सबका कष्ट जानता हूं। माता-पिता अमुल्य पूंजी होते हैं। उनके न होने का एहसास तो होगा पर दुखी नहीं होना है। अच्छी तरह पढ़ाई और जीवन में कुछ अच्छा कार्य करके उनका नाम रौशन करना है। मुख्यमंत्री ने बच्चों को बताया कि दुनिया के अनेक बड़े लोगों ने बचपन में ही माता-पिता को खो दिया था, लेकिन उन्होंने जीवन में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया। ऐसे लोगों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय भी शामिल हैं। कष्ट प्रद स्थिति में रहते हुए उन्होंने गंभीरता से अध्ययन किया और एक सफल इंसान बने।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
Block-IInd, 5th Floor, Paryavas Bhavan
Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011

DPR CONSULTANCY OF BRIDGES

(Short Time E-Procurement Notice)

No. 16346/22/D-12/ Brg.DPR/2020-21 Bhopal, Dated : 02.11.2021

Online Bids are invited from the reputed Consultants for preparation of DPR of rural roads/Bridge under PMGSY-III as per details given below :

- No. of Packages - 01
- Nodal PIU - Balaghat-1
- No. of Bridges - 17

Total Estimated Construction Cost (in Rs.) - Rs. 691300000

- Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in** from 17:30 hrs on **02.11.2021.**
2. Last date of Submission of bid is **date 11.11.2021 upto 15.00 hrs.**

Other details & Conditions may be seen in the detailed NIT and Tender Document for preparation of DPR of Bridges under PMGSY January-2020 amended up to date on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/102511/46144/2021 **(T & e-G)**

(पिछले पृष्ठ का शेष)

4. **अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन-पत्र के साथ निम्नांकित प्रमाण-पत्रों की छायाप्रतियां आवश्यक रूप से संलग्न करें:-**

आयु संबंधी प्रमाण के लिए :- केवल हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी अथवा मैट्रीक्यूलेशन की अंक-सूची/प्रमाण-पत्र जिसमें जन्म तिथि का स्पष्ट उल्लेख हो।

रोज़गार कार्यालय में पंजीयन का प्रमाण-पत्र :- मध्यप्रदेश के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन से संबन्धित पंजीकरण प्रमाण-पत्र संलग्न करें।

दिव्यांगता प्रमाण-पत्र :- जिला चिकित्सा मण्डल या उच्चतर प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र संलग्न करें जिसमें 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता प्रमाणित की गई हो। चिकित्सा अधिकारी के पदों हेतु 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता वाले लोकोमोटर दिव्यांगजन ही आरक्षण तथा छूटों हेतु पात्र हैं।

शैक्षणिक अर्हताओं के प्रमाण-पत्र :- हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी तथा उसके बाद की अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता सहित उन समस्त परीक्षाओं की जिन्हें आवेदक ने उत्तीर्ण किया है, के समस्त वर्षों/सेमेस्टर्स की अंक सूचियां एवं उपाधि ।

शासकीय सेवक होने का प्रमाण-पत्र :- यह प्रमाण-पत्र नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा जारी किया होना चाहिए। इस प्रमाण पत्र में धारित पद तथा विभाग का स्पष्टः उल्लेख होना चाहिए।

जाति के प्रमाण-पत्र :- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) का स्थाई जाति प्रमाण-पत्र अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जो कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा जाति प्रमाण-पत्र देने के अधिकृत हैं द्वारा जारी किया गया हो आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करें। साक्षात्कार के समय स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। यदि अभ्यर्थी साक्षात्कार के समय स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करता है तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होगा। इस संदर्भ में अभ्यर्थी का कोई वचन-पत्र अथवा अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए उसे नस्तीवद्ध किया जाएगा एवं आयोग इस संदर्भ में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा। विवाहित महिलाओं का उनके नाम के साथ पिता का नाम उल्लेखित जाति प्रमाण-पत्र ही मान्य किया जाएगा। विवाहित महिलायें विवाहोपरांत नाम/उपनाम परिवर्तन का शपथ पत्र संलग्न करें। अन्य किसी राज्य में जारी किया गया प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा।

अन्य पिछड़ा वर्ग में क्रीमी लेयर में न आने का प्रमाणन भी आवश्यक है अर्थात अन्य पिछड़ा वर्ग के जिन प्रमाण-पत्रों में क्रीमीलेयर में न आने संबंधी कंडिका कटी होगी या नहीं होगी वे मान्य नहीं होंगे। इस संदर्भ में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को निम्नानुसार घोषणा-पत्र संलग्न करना होगा :-

घोषणा-पत्र (Declaration) का प्रारूप

मैं ———— आयोग के विज्ञापन क्रमांक **08/2021 दिनांक 02.11.2021** के अंतर्गत आवेदन-पत्र आयोग को प्रस्तुत कर रहा/रही हूं। मैं निम्नानुसार घोषणा करता/करती हूं।

1. मैं ————पुत्र/पुत्री श्री———— निवासी ग्राम/कस्बा/ शहर/————जिला ————, मध्यप्रदेश का/की मूल निवासी हूं। यह घोषणा करता/करती हूं कि मैं ————जाति का/की सदस्य हूं जो शासन द्वारा शासकीय सेवा में (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी में आरक्षण के लिए अधिसूचित है।

2. मैं शपथ पूर्वक यह भी घोषणा करता/करती हूं कि आवेदन की अंतिम तिथि तक मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा निर्धारित अद्यतन मापदंडों के अनुसार, मैं सम्पन्न वर्ग अर्थात क्रीमीलेयर की श्रेणी के अंतर्गत नहीं आता/आती हूं।

दिनांक :- ————

हस्ताक्षर————
नाम————
आवेदन-पत्र क्रमांक ————

(उक्त घोषणा-पत्र तथा जाति प्रमाण-पत्र की स्केन्ड प्रति ऑनलाइन आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करें)

तदर्थ रूप से शासन की सेवा में कार्यरत आवेदकों को तत्संबंधी प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक है।

शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक हेतु :- नियोक्ता अधिकारी/ सक्षम अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

परिशिष्ट -1 की कंडिका-(दो-1) के अधीन उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु शासन द्वारा प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

परिशिष्ट -1 की कंडिका-(दो-2) के अंतर्गत उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु विक्रम पुरस्कार प्राप्त होने का प्रमाण-पत्र।

5. जो व्यक्ति पहले से शासकीय सेवा में स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहा हो या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हो, जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त कर्मचारी अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हो, उनको यह परिवचन (Undertaking) प्रस्तुत करना होगा कि, उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस विज्ञापन के संदर्भ में आवेदन किया है। उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने अथवा परीक्षा/साक्षात्कार में शामिल होने के संदर्भ में अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

6. **अनुशासनिक निर्देश :- (ऑनलाइन परीक्षा संबंधी अनुदेश ऑनलाइन परीक्षा की स्थिति में)**

यदि आयोग का यह समाधान हो जाता है कि कोई अभ्यर्थी निम्नलिखित में से किसी के लिए दोषी है :-

1. जिसने अपनी उम्मीदवारी के लिए साक्षात्कार में किसी भी तरीके से समर्थन अभिप्राप्त किया हो; या
2. प्रतिरूपण किया हो; या
3. किसी व्यक्ति से प्रतिरूपण कराया हो; या
4. कूटरचित अभिलेख या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किए हों, जिनमें फेरबदल किया गया हो; या
5. ऐसे कथन दिए हों जो गलत और झूठे हों या जिसने चयन के किसी भी प्रक्रम पर सारभूत जानकारी छुपाई हों; या
6. परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन अपनाया हो; या
7. परीक्षा कक्ष में अथवा अन्यत्र अनुचित साधनों का उपयोग किया हो या करने का प्रयास किया हो; या
8. परीक्षा संचालन में लगे कर्मचारियों को परेशान किया हो या धमकाया हो या शारीरिक छति पहुंचाई हो; या
9. उनके द्वारा प्रवेश पत्र में उम्मीदवारों के लिए दिए गए किसी भी अनुदेशों या निर्देशों जिसमे परीक्षा संचालन में लगे केंद्र पर्यवेक्षक या अन्य कर्मचारी द्वारा मौखिक रूप से दिए गए अनुदेश सम्मिलित है, अतिक्रमण किया हो; या
10. परीक्षा कक्ष में या साक्षात्कार में किसी अन्य तरीके से किया गया दुर्व्यवहार,
11. परीक्षा कक्ष में परीक्षा हेतु प्राप्त उत्तर-पुस्तिका परीक्षा के समाप्त होने पर परीक्षा कक्ष के वीक्षक / परीक्षक को न जमा करते हुए अपने साथ ले गया हो।

तब आयोग द्वारा :-

(क) उसे उस परीक्षा के लिए, जिसके लिए वह उम्मीदवार है निरर्ह ठहराया जा सकेगा और/या उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी परीक्षा से या उनके द्वारा किए जाने वाले किसी चयन से विवर्जित कर सकेगा।

(ख) यदि वह शासन के अधीन पहले से ही सेवा में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उस पर अनुशासनिक कार्यवाही हेतु पैतृक विभाग को अनुशंसा की जाएगी।

(ग) इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी के विरुद्ध आपराधिक अभियोजन भी दर्ज किया जा सकेगा।

एवं तब शासन द्वारा :-

उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए उसके अधीन नियोजन से विवर्जित किया जा सकेगा।

7. **अनर्हताएं:-** ऐसे अभ्यर्थी जिन्हेंन किसी भी चयन संस्था द्वारा विशिष्ट कालावधि हेतु भर्ती परीक्षा हेतु विवर्जित किया गया है उस कालावधि हेतु आवेदन करने हेतु अपात्र रहेंगे।

8. **यात्रा व्यय का भुगतान :-**

मध्यप्रदेश हेतु अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के ऐसे अभ्यर्थियों को जो कहीं सेवारत नहीं है, मध्यप्रदेश शासन के प्रचलित नियमों के अधीन यात्रा व्यय का भुगतान आयोग कार्यालय द्वारा किया जाएगा। आवेदकों को इसके लिए वांछित घोषणा-पत्र भरकर देना होगा तथा यात्रा भत्ते की पात्रता से संबन्धित निम्नांकित अभिलेख प्रस्तुत करना होंगे :-

(01) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के प्रमाणन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण-पत्र की स्व-प्रमाणित प्रति।

(02) यात्रा टिकट जिसमें यात्रा की तिथि, कहां से कहां तक यात्रा की गई है तथा किराए की राशि का स्पष्टतः उल्लेख हो।

अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुथत अभिलेखों के परीक्षण के बाद यात्रा व्यय का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से अभ्यर्थी के खाते में किया जाएगा। इस हेतु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्या पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) के अभ्यसर्थियों को ऑनलाइन आवेदन-पत्र में विहित स्थापन पर अपने बैंक का नाम स्वयं के बैंक खाते का नम्बर एवं बैंक का आई.एफ.एस.सी. कोड का उल्लेख करना तथा साथ ही अपने बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की स्केन प्रति आवेदन-पत्र के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा।

जी-18782/46140/2021

टीका लगवाओ सुखी रहेगा परिवार, कोरोना जायेगा हार

राष्ट्रीय एकता में सरदार पटेल के योगदान से भावी पीढ़ी को कराएं परिचित

भोपाल, देशवासियों, विशेषकर युवा पीढ़ी को सरदार पटेल की विरासत को जीवंत करने और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान से भावी पीढ़ी को परिचित कराने का प्रयास करना चाहिए। भारत की राष्ट्रीय एकता में सरदार वल्लभ भाई पटेल का योगदान अविस्मरणीय है। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल में नेहरू युवा संगठन द्वारा आयोजित स्वच्छ भारत अभियान के समापन और जल शक्ति मिशन 'कैच द रेन 2.0' शुभारम्भ कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहीं।

राज्यपाल ने कहा कि लोग बच्चों के सुखी भविष्य के लिए धन की बचत करते हैं और पर्यावरण की अनदेखी करते हैं, जबकि पर्यावरण और जल संरक्षण भावी पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है। युवाओं को राष्ट्र-निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए संकल्पित होना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। इसमें सभी का सहयोग जरूरी है क्योंकि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास ही आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का आधार है। उन्होंने नेहरू युवा केंद्र द्वारा पर्यावरण और जल संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम में सांसद साध्वी सुश्री प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत कर स्वच्छता अभियान को जन-आन्दोलन बना दिया है। उन्होंने दिखा दिया है कि जन-मन जब एकाग्र होते हैं तो असम्भव कार्य भी सिद्ध हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि युवा देश की दशा एवं दिशा का निर्धारण करते हैं। स्वच्छता के लिए जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं, परिवार और समुदाय की स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सजग हो।

नेहरू युवा संगठन के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल अरुण कुमार सिंह ने कहा कि आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के दृष्टिगत संगठन ने अभियान के दौरान देश के सभी जिलों से 75 लाख सिंगल यूज प्लास्टिक संग्रहण के लक्ष्य से अधिक का संग्रहण किया है। संगठन के राज्य निदेशक श्री आर.एन. त्यागी ने स्वागत उद्‌बोधन दिया।

नई विमान सेवाओं से बढ़ेगा प्रदेश में पर्यटन और निवेश - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान इंडिगो की फ्लाइट प्रारंभ किये जाने के संबंध में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

भोपाल, भोपाल से नई दिल्ली अतिरिक्त विमान सेवा प्रारंभ होने से प्रदेश में पर्यटन के विकास और नए निवेश को लाने में सहयोग मिलेगा। भोपाल और इंदौर से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के प्रारंभ होने से प्रदेश लाभान्वित होगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा इंडिगो की फ्लाइट प्रारंभ किए जाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा संबोधित करते हुये कहीं।

आत्मनिर्भर भारत के मंत्र को साकार करेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल के नागरिकों की बहुत वर्ष से मांग थी कि मध्यप्रदेश से दिल्ली की एयर कनेक्टिविटी में वृद्धि हो। इस सुविधा का लाभ केवल यात्रियों के आवागमन के लिए नहीं होगा। इसका लाभ उद्योगों को लगाने, नए इनवेस्टमेंट को आमंत्रित करने, बिजनेस और व्यापार तथा मध्यप्रदेश के पर्यटन को बढ़ाने में भी मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया है। मध्यप्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री के बताए हुए मार्ग पर चलते हुए गत वर्ष तय किया था कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए चार प्रमुख आयाम होंगे। इनमें एक अधोसंरचना भी है। हर तरह के परिवहन को बढ़ावा देना भी इसमें शामिल है। इससे पयर्टन क्षेत्र को लाभ होगा और रोज़गार के अवसर सृजित होंगे।

श्री चौहान ने कहा कि हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं कि भोपाल में आर्थिक गतिविधियां बढ़ें। इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में भी सभी तरह का कारोबार बढ़े। विंध्य क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। सीधी, सिंगरौली या बुंदेलखण्ड अंचल के सागर को भी कनेक्टिविटी की दृष्टि से समृद्ध करेंगे, तो निश्चित तौर पर यहां भी निवेश को बढ़ावा मिलेगा। जबलपुर संभाग का कान्हा और शहडोल संभाग का बांधवगढ़ नेशनल पार्क, टाइगर रिज़र्व है। कटनी, सतना और सिंगरौली औद्योगिक क्षेत्र हैं। जबलपुर संस्कारधानी होने से यहां से उड़ानें शुरू की गई हैं, जिससे पर्यटकों को सुविधा मिले और व्यापार को बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी।

भोपाल मध्यप्रदेश की राजधानी है। यहाँ अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें प्रारंभ होना अत्यंत आवश्यक है। इंदौर से भी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें प्रारंभ होना चाहिए। श्री चौहान ने कहा कि भोपाल को अगर अंतर्राष्ट्रीय स्तर का दर्जा मिलेगा तो निश्चित रूप से अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी का लाभ पूरे प्रदेश को प्राप्त होगा।

श्री चौहान ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक स्थल खजुराहो में कोरोना काल में अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। हवाई सेवाएं बंद होने से पर्यटकों की संख्या में कमी आई। यह आवश्यक है कि अब पूर्वानुसार सभी फ्लाइट्स खजुराहो आएं, जिससे स्थानीय व्यवसायियों को भी आर्थिक क्षति न हो। उड़ान योजना में मध्यप्रदेश को लाभ प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि खजुराहो के पास धमना जैसे छोटे स्थान पर रूरल होमस्टे संचालित हैं। यहां विदेशी पर्यटक आकर ठहरते हैं जो यहां के माटी शिल्पकारों के उत्पाद भी खरीदते हैं।

मध्यप्रदेश में एयर क्राफ्ट मूवमेंट्स में 60 प्रतिशत की वृद्धि

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यह दिन मध्यप्रदेश के लिए महत्वपूर्ण है। झीलों की नगरी का विश्व में नाम है। भोपाल में इतिहास और भविष्य का समागम दिखाई देता है। श्री सिंधिया ने कहा कि गत चार माह में नागर विमानन सुविधाएं बढ़ी हैं। जुलाई माह के पहले के करीब 554 एयर क्राफ्ट मूवमेंट्स अब बढ़ कर 870 हो गए हैं। यह वृद्धि 60 प्रतिशत है। पहले 27 शहर हवाई सेवाओं से जुड़े थे, मध्यप्रदेश के 22 शहर बढ़कर संख्या 49 हो गई है।

विक्रम संवाद

इतिहास की नयी दृष्टि विकसित होगी - सुश्री उषा ठाकुर

पाक्षिक आलेख सेवा 'विक्रम संवाद' का प्रथम अंक जारी

भोपाल, हमारा मध्यप्रदेश सांस्कृतिक, साहित्यिक, धार्मिक और पुरातत्व की दृष्टि से हमेशा से समृद्ध रहा है। हमारा दायित्व बनता है कि प्रामाणिक और तथ्यपरक सामग्री समाज के समक्ष प्रस्तुत करें। इस दिशा में 'विक्रम संवाद' का प्रकाशन मील का पत्थर साबित होगा। यह बात संस्कृति, पर्यटन और आध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने भोपाल स्थित निवास पर महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ द्वारा प्रकाशित पाक्षिक आलेख सेवा 'विक्रम संवाद' का विमोचन करते हुए कही।

शोधपीठ के निदेशक श्री श्रीराम तिवारी ने बताया कि प्रत्येक पन्द्रह दिन में यह आलेख सेवा प्रसारण-प्रकाशन के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। आलेख सेवा में देशभर के विषय-विशेषज्ञ अपना लेखकीय सहयोग दे रहे हैं। हमारा प्रयास है कि प्रसारण-प्रकाशन के लिए प्रामाणिक सामग्री उपलब्ध करायी जाए। शोध पीठ द्वारा पुस्तकों का प्रकाशन भी आरंभ किया गया है।

प्रकाशित किताब का बीते दिनों उज्जैन में सम्पन्न अखिल भारतीय विक्रमोत्सव-2021 में लोकार्पण किया जा चुका है। इस श्रृंखला में अब तक सात किताबों का प्रकाशन किया जा चुका है और अन्य किताबें प्रकाशन की प्रक्रिया में है। इस दौरान 'विक्रम संवाद' के समन्वयक श्री मनोज कुमार भी उपस्थित रहे।

सौर ऊर्जा अभियान को जन-जन से जोड़ना जरूरी - मुख्यमंत्री

भोपाल, हम सौर ऊर्जा से बिजली बना रहे हैं। सौर ऊर्जा के इस अभियान को जन-जन से जोड़ना जरूरी है। सौर ऊर्जा को आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का फोकस बनाना आवश्यक है। सौर ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण के लिए भी आवश्यक है। अतः सौर ऊर्जा विस्तार के लिए रोडमैप बनाकर प्रतिमाह प्रगति की समीक्षा की जाए। प्रदेश में ऊर्जा साक्षरता अभियान में जागरुकता, सूचना संप्रेषण और ऊर्जा बचाने के व्यवहारिक तरीकों के प्रदर्शन से लोगों को ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रेरित भी किया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुये।

मुख्यमंत्री ने कुसुम योजना की समीक्षा की। योजना के तीन घटक हैं, जिसमें किसान, किसान समूह, सहकारी समिति और पंचायतों द्वारा दो मेगावॉट तक सौर परियोजना स्थापित करने, डीजल पम्पों के स्थान पर स्टैंड-अलोन/ऑफ ग्रिड सौर कृषि पंप स्थापित करने और ग्रिड से जुड़े व्यक्तिगत पंप या सम्पूर्ण कृषि फीडर का सौर ऊर्जीकरण संबंधी प्रावधान है। श्री चौहान ने कुसुम योजना को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि दो मेगावॉट तक की सौर परियोजनाएं स्थापित करने संबंधी जानकारी जन-जन तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों में बिजली बचाने की प्रतिस्पर्धा पैदा करनी होगी। अधिक बिजली बचाने पर पुरस्कार की व्यवस्था की जाए। बिजली बचाने के व्यक्तिगत और संस्थागत प्रयासों पर पृथक-पृथक पुरस्कार हो। बैठक में निर्णय लिया गया कि ऊर्जा साक्षरता अभियान में बिजली बचाने के लिए मोबाइल एप और वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर संबंधित को ऊर्जा साक्षरता संबंधी प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। इस अभियान में क्रमबद्ध रूप से सभी प्रदेशवासियों को जोड़ा जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में जन-अभियान परिषद के माध्यम से गतिविधियां संचालित होंगी।

बैठक में जानकारी दी गई कि ऊर्जा साक्षरता अभियान में एआईडी अभियान क्रियान्वित किया जाएगा। अवेयरनेस, इन्फॉरमेशन और डिमॉन्सट्रेशन इस अभियान के मुख्य अंग होंगे। स्कूल और कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में भी बिजली बचाने पर 15-15 मिनिट के मॉड्यूल सम्मिलित किए जाएंगे।

जनजाति समाज को

आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से मजबूत बनाना जरूरी

जनजातीय वर्ग के लोगों के लिये राशन आपके द्वार योजना

भोपाल, गोंड जनजाति समाज के विकास और मुख्य धारा से जोड़ने के लिए उन्हें आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से मजबूत बनाना होगा। यह बात खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मंत्री श्री विसाहूलाल सिंह ने भोपाल में आयोजित अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद की मध्यप्रदेश के प्रांतीय इकाई की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में संभाग, जिला, तहसील और ब्लॉक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनजाति विकास के 46 जनजातियों को सदस्यता दिलाई और कहा कि मध्यप्रदेश के समस्त जिलों में पदाधिकारियों का गठन कर संगठन का विस्तार करें।

श्री सिंह ने जनजाति भाई-बहनों के लिए 'राशन आपके द्वार' योजना और जंगल में निवासरत जनजाति वर्ग के लोगों को राजस्व पट्टा दिए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम और कार्यालय के लिये न्यू मार्केट के पास जीटीबी कॉम्पलेक्स में भूमि आरक्षित है, जिस पर भवन निर्माण कराए जाने का प्रस्ताव शीघ्र ही तैयार कराया जाएगा।

केंद्रीय राज्यमंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने आदिवासी परिषद के लीगल सेल का गठन किये जाने का सुझाव दिया। श्री कुलस्ते ने श्री विसाहूलाल सिंह को कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर विचार किये जाने की बात कही।

राज्यसभा सदस्य श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि समाज के पदाधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया ग्रुप बनाकर उनके माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी समाज के लोगों को देने और समाज के विकास संबंधी जागरूकता के संदेश को प्रचारित किये जाने की आवश्यकता है।

विकास परिषद की बैठक में विधायक श्रीमती नंदनी मरावी, विधायक श्री अमर सिंह, जिला शाखा भोपाल के अध्यक्ष श्री देव सिंह मरकाम सहित कार्यकर्ता और सदस्य उपस्थित रहे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

राष्ट्रीय एकता दिवस

सरदार पटेल ने राष्ट्रीय एकता की अनूठी मिसाल कायम की - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुये।

भोपाल, देश को एक करने का कार्य सरदार वल्लभ भाई पटेल ने किया है। सरदार पटेल अद्भुत दृढ़-संकल्प वाले महान देशभक्त नेता थे। सरदार पटेल ने 500 से ज्यादा देशी रियासतों का विलय कर राष्ट्रीय एकता की अनूठी मिसाल कायम की है। यह दुनिया में अपने आप में एक अनूठी घटना है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर शौर्य स्मारक में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय एकता का वास्तविक श्रेय लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। उन्होंने अंग्रेजों की 'फूट डालो-राज करो' नीति का डटकर मुकाबला कर भारत को एकता के सूत्र में बांधने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि चाहे बारडोली का किसान आंदोलन हो या महात्मा गांधी के नेतृत्व में आंदोलन, सभी में सरदार पटेल ने अपना अमूल्य योगदान दिया।

राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा देने वाला स्थल बना केवड़िया

श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके प्रयासों से केवड़िया में देश की एकता के प्रतीक स्वरूप सरदार पटेल की प्रतिमा लगाई गई है, जिसके लिए गांव-गांव से लोहा इकट्ठा किया गया था। यह प्रतिमा नहीं बल्कि राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा देने वाला स्थल बन गया है।

भाईचारे के साथ देश को आगे बढ़ाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की एकता और अखण्डता के लिए हम सभी दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करें। भारत की सीमाओं पर तैनात जवानों के प्रति सभी देश और प्रदेशवासी सम्मान की भावना रखें। आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। भारत का हर एक व्यक्ति दूसरे को अपना मानते हुए भाईचारे के साथ देश को आगे बढ़ाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। जब हम सभी अधिकारों के साथ कर्तव्य पालन का भी संकल्प लेंगे तभी आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा।

राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ

श्री चौहान ने उपस्थित जन-समुदाय को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण कर उसका सत्यनिष्ठा से पालन करें। श्री चौहान ने शपथ ग्रहण समारोह में दीप प्रज्ज्वलन कर सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

पुस्तक का विमोचन

मुख्यमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन के अनछुए पहलुओं, राष्ट्रवादी विचार-दर्शन एवं विविध आयामों पर केंद्रित पुस्तक 'सरदार वल्लभ भाई पटेल और भारतीय राजनीति' का विमोचन किया। स्वराज संस्थान संचालनालय एवं धर्मपाल शोध पीठ के संयुक्त तत्वावधान में वर्ष 2018 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत चुने हुए अंग्रेजी और हिंदी के 18 शोध-पत्रों का संकलन पुस्तक में किया गया है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस एवं धनवंतरि जयंती कार्यक्रम

ज्ञान को जीवन में उतारना जरूरी : राज्यपाल

भोपाल, ज्ञान को जीवन में उतारना जरूरी है। अच्छी बातों को दिमाग में नहीं आचरण में रखना चाहिए। स्वास्थ्य के लिए क्या सही है और क्या गलत इसकी जानकारी होने के बाद भी उसका पालन नहीं करना ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का कारण है। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस एवं धनवंतरि जयंती के कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं। कार्यक्रम का आयोजन पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान और आरोग्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि जान है तो जहान है। इसे समझना जरूरी है। उन्होंने एक प्रसंग का जिक्र करते हुए बताया कि तम्बाकू की फसल की घेराबंदी नहीं की जाती, क्योंकि उसे पशु नहीं खाते हैं। सिगरेट की डिब्बी पर भी स्वास्थ्य के लिए घातक होने की चेतावनी अंकित रहती है। फिर भी लोग तम्बाकू खाते और सिगरेट पीते हैं। स्वास्थ्य की देखभाल और सावधानियों का पालन व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

राज्यपाल ने कहा कि आयुर्वेद से आरोग्य का ज्ञान बहुत लोगों को है। जरूरत उसे अपनाने की है। स्वस्थ जीवन के लिए खान-पान बहुत महत्वपूर्ण है। जड़ी-बूटियां और वनस्पतियों में होने वाले गुणों के संबंध में समाज में जागृति बढ़ाने के प्रयास किए जाने चाहिए।

आयुष राज्यमंत्री श्री रामकिशोर कांवरे ने बताया कि प्रदेश में अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां उपलब्ध हैं। हर्बल गार्डन की रचना की गई है। महाविद्यालयों में शोध के कार्य भी कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना की महामारी के दौरान विभाग द्वारा आगे बढ़कर उपचार और रोकथाम के कार्यों में सहयोग किया गया है। योग से निरोग के ऑनलाइन कार्यक्रम के द्वारा कोविड पीड़ितों में सकारात्मकता और मनोबल बढ़ाने के कार्य किए गए। आहार-विहार और जीवन-शैली के प्रति जन-जागृति के लिए वेलनेस सेंटर चलाए गए। गांव-गांव में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं।

कार्यक्रम में डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि देश आजादी का 75वां अमृत महोत्सव मना रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का आव्हान किया कि वे 75 व्यक्तियों और परिवारों में आरोग्य के प्रति जागृति उत्पन्न करें। अपने स्वास्थ्य की रक्षा अपना अधिकार और कर्तव्य मानकर करें। उन्होंने बताया कि एक अनुमान के अनुसार 83 प्रतिशत रोग जीवन-शैली जनित होते हैं।

किसानों को खाद का न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित किया जाए - मुख्यमंत्री

भोपाल, किसानों को खाद का न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित करें। जरूरतमंद किसानों को प्राथमिकता के साथ खाद पहुंचाई जाए। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में कृषि, मार्कफेड, सहकारिता और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ प्रदेश में खाद की स्थिति की समीक्षा करते हुये कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अधिकांश बोनी नवम्बर माह में होती है। बोनी के सीजन में किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद दिलाना हमारी प्राथमिकता है। इसलिए प्रदेश में खाद की पर्याप्त व्यवस्था बनाए रखने में कोई कमी नहीं छोड़ें। उन्होंने कहा कि खपत की मात्रा का आकलन कर केंद्र सरकार से खाद की रैक उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जाए। किसानों को किसी भी प्रकार की खाद मिलने में समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राग भोपाली

जरी-ज़रदोज़ी कला को मिलेगी अंतर्राष्ट्रीय पहचान - मुख्यमंत्री

भोपाल, अब तक बड़ी-बड़ी कम्पनियों के साथ एम.ओ.यू. होते थे। लेकिन अब स्व-सहायता समूह की दीदी राधा मीणा एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर कर रही हैं। यह महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। स्व-सहायता समूह प्रदेश में आंदोलन का रूप ले रहा है। हमने अलग-अलग जिलों में तैयार हो रहे विभिन्न उत्पादों में से प्रत्येक जिले के एक उत्पाद को चुनकर उसकी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने का निर्णय लिया है। एक जिला-एक उत्पाद की इस योजना में भोपाल जिले की जरी-ज़रदोज़ी और जूट के उत्पाद तय किए गए हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 10 नंवर मार्केट के निकट राग भोपाली एम्पोरियम का लोकार्पण करते हुये कहीं।

निफ्ट के डिजाइनर देंगे स्व-सहायता समूह की दीदियों को प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री ने कहा कि जरी-ज़रदोज़ी भोपाल की विशेषता है। वर्तमान आवश्यकताओं और बाजार की मांग के अनुसार स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षण दिलवाकर इसके उत्पाद को आधुनिक कम्पनियों के साथ जोड़ा जाएगा। इससे बहनों को रोज़गार भी मिलेगा और भोपाल की इस विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में मदद भी मिलेगी। श्री चौहान ने कहा कि राग भोपाली की पहल को निफ्ट से भी जोड़ा गया है। वहां के डिजाइनर स्व-सहायता समूह की दीदियों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराएंगे। इनके उत्पादों को अमेजन, जेम पोर्टल, आजीविका मार्ट से जोड़ा जाएगा।

स्थानीय कलाकारों को मिलेगा मंच

राग भोपाली 10 नंवर अरेरा कॉलोनी स्थित लोक निर्माण विभाग के सामुदायिक भवन में विकसित किया गया है। यह स्व-सहायता समूह की बहनों के आगे बढ़ने के केंद्र तथा भोपाल की परम्पराओं, धरोहर, कला, संस्कृति को सहेजने, संरक्षित करने और प्रोत्साहित करने की दिशा में किया गया एक प्रयास है। इसमें जरी-ज़रदोज़ी और जूट के उत्पादों के लिए प्रशिक्षण, उनकी ब्रांडिंग तथा मार्केटिंग के लिए मार्गदर्शन और व्यापक अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

राग भोपाली बनेगा भोपाल के कारीगरों की मेहनत का आईना

राग भोपाली, भोपाल के कारीगरों की मेहनत का आईना बनने जा रहा है। भोपाल जिले के स्व-सहायता समूहों की दीदियों के बनाए बेहतरीन उत्पादों का यह केंद्र बनेगा। समूह की दीदियां शासन के संरक्षण और मार्गदर्शन में न केवल अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकेंगी, बल्कि अपनी आजीविका को सम्मान के साथ समाज के समक्ष प्रस्तुत भी कर सकेंगी। गांवों में रोज़गार के अवसर बढ़े, उत्पाद भौगोलिक सीमाओं को पीछे छोड़ते हुए अपनी गुणवत्ता पर बाजार में सम्मान पाए, यही राग भोपाली की अवधारणा है। कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया ने मुख्यमंत्री को राग भोपाली का प्रतीक-चिन्ह भेंट किया।

देवतालाब को नगर पंचायत और तहसील बनाया जायेगा - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान रीवा जिले के देवतालाब में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

रीवा, रीवा जिले के देवतालाब को नगर पंचायत और तहसील बनाने की कार्यवाही शीघ्र शुरू होगी। सर्वेक्षण कर सोलर प्लांट लगाने के लिए स्थान तय किया जाएगा। कलेक्टर गौ-अभ्यारण्य की स्थापना के लिए सर्वेक्षण कराकर प्रस्ताव प्रस्तुत करें। देवतालाब बहुत पवित्र स्थल है। यहां के शिव मंदिर का जीर्णोद्धार भी किया जाएगा। देवतालाब और ढेरा में सीएम राइज स्कूल और बहुती एवं सीतापुर में पुलिस चौकी खोलने का काम किया जायेगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रीवा जिले के देवतालाब में 99 करोड़ 77 लाख रुपये के 59 कार्यों का लोकार्पण तथा भूमि-पूजन करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री ने सीतापुर से रायपुर कर्चुलियान सड़क का नाम क्षेत्र के शहीद की स्मृति में 'दीपक सिंह' मार्ग करने की घोषणा की। श्री चौहान विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम की आठ दिवसीय साइकिल यात्रा के समापन में शामिल हुए और साइकिल यात्रियों का सम्मान भी किया।

श्री चौहान ने कहा कि कोरोना काल में आर्थिक समस्या के बावजूद जनकल्याण के कार्यों में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मेरी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। लोगों का जीवन बेहतर बनाना मेरा ध्येय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 17 माह में किसानों के बैंक खाते में 172 हजार करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भू-अधिकार योजना से हर गरीब परिवार को आवासीय भूमि का अधिकार-पत्र निःशुल्क दिया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना में पुनः सर्वेक्षण कराकर पात्र लोगों के नाम जोड़े जाएंगे। संबल योजना पुनः शुरू कर दी गई है। गरीब विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए पूरी सहायता दी जाएगी। मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए उनकी फीस सरकार भरेगी। प्रदेश में इस वर्ष एक लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। स्व-रोज़गार योजनाओं के माध्यम से भी युवाओं को रोज़गार का अवसर दिया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मेरी सभी साइकिल यात्राओं के समापन में शामिल हुए और हर यात्रा में क्षेत्र को सौगातें दी हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

अब हमारा मंत्र होगा दो डोज पूर्ण तो सुरक्षा संपूर्ण - मुख्यमंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश ने वैक्सीनेशन में इतिहास रचा है। प्रदेश में प्रथम और द्वितीय डोज की संख्या 7 करोड़ को पार कर गई है। निश्चित ही मध्यप्रदेश के लिए ऐतिहासिक दिन है। जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में 100 करोड़ वैक्सीन के डोज लग चुके हैं, जो अद्भुत और आश्चार्यजनक उपलब्धि है, वहीं मध्यप्रदेश ने भी 92 प्रतिशत लक्ष्य आबादी को प्रथम डोज और 37 प्रतिशत भाई-बहनों को कोरोना से बचाव का द्वितीय डोज लगाकर महत्वपूर्ण कार्य किया है। इसके लिए सभी डाक्टर्स, स्टॉफ नर्स, वैक्सीनेटर, वैरीफायर, मोबेलाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, डेटा मैनेजर, कोल्ड चेन हैण्डलर, वैक्सीन वैन ड्रायवर, कोल्ड चेन टेक्नीशियन, ए.वी.डी., कन्ट्रोल एण्ड कमांड टीम आदि के सदस्य विशेष बधाई के पात्र हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व से मिली है सफलता

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सौ करोड़ आबादी को वैक्सीन का डोज लग चुका है, जो एक रिकार्ड है। पहली बार देश में वैक्सीन बनी। इससे पहले अन्य देशों में ही वैक्सीन बनती थी। भारत में स्वदेशी वैक्सीन विकसित की गई, जिसके लिए प्रधानमंत्री की इच्छाशक्ति और हमारे वैज्ञानिकों के प्रयास महत्व रखते हैं। विश्व में वैक्सीनेशन कार्य में भारत का सबसे बेहतर प्रदर्शन रहा है। क्योंकि अन्य देशों की तुलना में भारत में आबादी अधिक है फिर भी देश में लोगों को निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध हुई। निश्चित ही प्रधानमंत्री अभिनंदन के पात्र हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

श्री चौहान ने कहा कि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा विभाग के मंत्री, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, आयुक्त, अन्य अधिकारी और टीम में शामिल सभी लोग बधाई के पात्र हैं। सभी ने विपरीत परिस्थितियों में कार्य किया है। जब वैक्सीनेशन का विरोध हो रहा था और अनेक लोग भ्रम एवं भय की स्थिति में थे तब टीकाकरण के लिए जनता को प्रेरित किया गया। दिन-रात परिश्रम कर लोगों को घरों और खेतों तक जाकर समझाइश दी गई। हेल्थ वर्कर्स ने नदी-नाले पार कर वैक्सीन लगाने का कार्य किया। इन सभी का हृदय से अभिनंदन करने का भाव मन में है। इन सभी की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। मध्यप्रदेश को ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं पर गर्व है। कलेक्टर्स ने भरपूर परिश्रम किया। अधीनस्थ अमले को सक्रिय बनाया। प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस के आला अधिकारी भी वैक्सीनेशन कार्य को लीड करते रहे।

सरकार और समाज की संयुक्त ताकत, सफलता का आधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और समाज की संयुक्त ताकत इस सफलता का आधार बनी। अभी भी दूसरे डोज की सफलता के लिए काफी प्रयास करने हैं। अभी ये पड़ाव है। हमारी मंजिल है संपूर्ण टीकाकरण। श्री चौहान ने कहा कि पूर्व के अभियानों के अनुभव नए टीकाकरण अभियान में उपयोगी होंगे। जिन्हें अभी तक वैक्सीन नहीं लगी है उन लोगों को वैक्सीन लगवाने में हम कोई कसर न छोड़ें। यह एक चुनौती है। हमें चैन की साँस तब तक नहीं लेना है जब तक लक्ष्य पूर्ण नहीं होता। टीकाकरण से शेष रह गए लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रेरित करना होगा।

सभी राजनैतिक दल भी इसमें सहयोग करेंगे तो कार्य आसान हो जाएगा। आगामी 31 दिसम्बर तक द्वितीय डोज सभी को लग जाता है तो हम तीसरी लहर जैसी आशंका से मुक्त हो सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिला स्तर पर श्रेष्ठ कार्य करने वालों को सम्मानित और प्रोत्साहित भी किया जाए।

जनजातीय गौरव संवाद

जनजातीय वर्ग के समग्र विकास के लिये बनाया गया रोडमैप

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में जनजातीय गौरव संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

भोपाल, जनजातीय समाज विकास में पिछड़ गया है, उसे समान स्तर पर लाने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास करेगी। सामाजिक न्याय और सबको न्याय, सामाजिक समरसता के साथ जरूरी है। हमारे जनजातीय भाई-बहनों के शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक विकास के साथ जनजातीय क्षेत्र में अधोसंरचना के विकास के लिए रोडमैप बनाया गया है। जनजातीय भाई बहन आगे बढ़ें इसके लिए हम हरसंभव कदम उठाएंगे, क्योंकि देश को आगे बढ़ने के लिए सबका आगे बढ़ना जरूरी है। जनजातीय समाज को सात गारंटियां दी जायेंगी। विकास की गारंटी, जनकल्याण योजनाओं को ठीक ढंग से जनजाति भाई-बहनों तक पहुंचाने की गारंटी, शिक्षा की गारंटी, स्वास्थ्य की गारंटी, सुरक्षा की गारंटी, सम्मान की गारंटी और युवाओं को रोज़गार की गारंटी देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित जनजातीय गौरव संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा के जन्म-दिवस पर प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। 'राशन आपके द्वार' जैसी कई योजनाएं इस दिन आरंभ होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का विचार था कि दरिद्र ही हमारा नारायण है और उसकी सेवा ही हमारी पूजा है। यह विचार प्रेरणादायी है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी इसी विचार के हैं। विकास की प्रक्रिया में कुछ लोग अधिक संसाधन पा गए और कुछ विकास की दौड़ में पीछे रह गए। प्रधानमंत्री का विचार है सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास। अतः जनजातीय समाज अगर पिछड़ गया है तो उसे समान स्तर पर लाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। इस चिंता के परिणामस्वरूप ही जनजातीय विकास के लिए विभिन्न आयोगों का गठन किया गया। झाबुआ, अलीराजपुर जैसे क्षेत्रों में लिफ्ट इरीगेशन के माध्यम से जनजातीय भाइयों के खेतों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई। सिंचित खेती की व्यवस्था के लिए बड़ी संख्या में कपिलधारा के कुएं बनवाए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था के लिए आश्रम शालाओं, छात्रावास, हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूल आरंभ किए गए। जनजाति समाज के बच्चों में बुद्धि, प्रज्ञा, प्रतिभा सब कुछ है। इसीलिए हमारी सरकार ने शिक्षा का महाअभियान आरंभ किया। बच्चे पढ़ रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं। शिक्षा ही समर्थ होने की पहली सीढ़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री छात्र गृह योजना बनाई गई, जिससे गांवों से शहरों में आकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को कमरे का किराया देने की व्यवस्था सरकार द्वारा की गई। इसके साथ ही कोचिंग के लिए भी व्यवस्था की गई है, ताकि विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयुक्त मार्गदर्शन उपलब्ध हो सके।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2022

01 नवंबर 2021 से आरंभ

1 जनवरी, 2022 की अर्हता तिथि में वोटर बनने की है, ये लाईफलाइन

कोई मतदाता न छूटे

वोटर हेल्पलाइन एप्प डाउनलोड करें

Google Play App Store

https://nvsp.in

ऑनलाइन ऑफलाइन

उम्र 18 साल पात्रता 1 जनवरी, 2022 तक

- वोटर पोर्टल https://nvsp.in पर अपनी लागिन आई.डी. बनाकर ऑनलाइन प्रक्रिया प्रारंभ करें।
- Forms पर क्लिक करें और फार्म 6 में अपना नाम एवं पता भरकर अपने नाम को पंजीकृत करवाएं तथा फोटो, पता और आयु के प्रमाण के साथ आवेदन को अपलोड करें।
- निर्वाचक नामावली में दर्ज स्वयं अथवा परिवार के सदस्यों के विवरण को विलोपित करने हेतु Form-7 पर क्लिक करें।
- यदि निर्वाचक नामावली की प्रविष्टियों में कोई संशोधन या सुधार करने की जरूरत हो तो निर्वाचक नामावलियों की प्रविष्टियों में सुधार करने पर क्लिक करके फार्म 8 भरें।
- अप्रवासी मतदाता रजिस्ट्रेशन के लिये ऑनलाइन फार्म 6A में आवेदन कर सकते हैं।

अपने नज़दीकी मतदान केन्द्र या कॉमन सर्विस सेंटर जाए

- सभी प्रकार के फार्म निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास उपलब्ध हैं या फार्म वेबसाइट www.ceomadhyapradesh.nic.in तथा www.eci.gov.in से भी डाउनलोड कर सकते हैं।
- संबंधित फार्म भरकर एवं फोटो, पता और आयु के प्रमाण के साथ आवेदन प्रस्तुत करें। फार्म, दावे, आपत्ति प्रस्तुत करने की **अवधि 1 से 30 नवंबर, 2021** तक है।
- फार्म BLO के पास जमा किए जा सकते हैं।
- मतदाता सुविधा केन्द्र - तहसील कार्यालय में भी भरे जा सकते हैं।

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी D-11071/R-46135/2021

आलेख : मध्यमत/2021

हमेशा मास्क लगाएं हाथों को साफ रखें छह फिट की दूरी रखें

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश द्वारा जनहित में जारी

www.ceomadhyapradesh.nic.in Follow us: /CEOMPSVEEP @CEOMPElections /CEO MP Elections

अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए टोल फ्री नंबर पर सम्पर्क करें टोल फ्री 1950

नीरा टंडन

व्हाइट हाउस की स्टाफ सेक्रेटरी नामित

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की विश्वस्त सहयोगी

मानी जाने वाली भारतीय-अमेरिकी नीति विशेषज्ञ नीरा टंडन को व्हाइट हाउस की स्टाफ सेक्रेटरी नामित किया गया है। 51 वर्षीय वरिष्ठ सलाहकार टंडन को नीति और प्रबंधन के क्षेत्र में दो दशक से भी अधिक समय का अनुभव है, यह उनकी इस भूमिका के लिये महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आठ माह पहले रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने अन्य अहम पद पर उनके नामांकन के प्रयासों को सफल नहीं होने दिया था।

मारिया वटेल

दुनिया की सबसे लंबी महिला बॉडी बिल्डर बनीं

नीदरलैंड की 5 फीट 11.92 इंच की एथलीट मारिया

वटेल दुनिया की सबसे लंबी महिला बॉडी बिल्डर बनी हैं। उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। 41 साल की मारिया 19 वर्ष की उम्र से अपने शरीर को मजबूत बनाने पर काम किया था। 2005 से बॉडी बिल्डिंग प्रतिस्पर्धा में हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी लंबाई के कारण आयोजक उन्हें किसी भी श्रेणी की स्पर्धा में शामिल करने से हिचकते थे।

वाटर्स सोल प्रतिमा

अमेरिका के न्यूजर्सी में स्थापित

अमेरिका के राज्य न्यूजर्सी की सिटी जर्सी में 80 फीट

ऊंची 'वाटर्स सोल' प्रतिमा स्थापित की गई है। स्पेन के बार्सिलोना के प्रमुख आर्टिस्ट जैम प्लांसा द्वारा तैयार इस प्रतिमा में एक युवा महिला अपने होठों पर ऊंगली रखे हुये है। इसके क्षितिज में हडसन नदी के पार आधुनिक शहर की चकाचौंध है। आर्टिस्ट के अनुसार इस प्रतिमा का निर्माण चिंतन की धारा के प्रति लोगों का ध्यान खींचना है। यानि जब नदी के पास आएं तो खामोश रहकर हलचलों को महसूस करें।

दरियाई घोड़ों को

इंसान के रूप में मान्यता मिली

जंगली जानवरों के संरक्षण के लिए दुनियाभर के देश

कई तरह की कोशिशों में जुटे हैं। अमेरिका के ओहियो प्रांत की एक जिला अदालत ने कोलंबिया के कुख्यात ड्रग माफिया पाब्लो एस्कोबार के 100 दरियाई घोड़ों को अमेरिका में कानूनन इंसान के रूप में मान्यता दी है। दरअसल पाब्लो के पास दरियाई घोड़े थे, जो उनकी मौत के बाद 100 हो गये हैं। जनता इन्हें मारना चाहती थी, तब ऐसे में अमेरिकी अदालत ने जीवन की समानता के अधिकार के तहत इनकी रक्षा के लिए यह फैसला दिया है।

मेगालोडोन टीथ

कैप्टन ने खोजा लाखों साल पुराना दांत

फ्लोरिडा के बोट कैप्टन माइकल नास्टासियो को समुद्र

तट पर 6.06 इंच का मेगालोडोन दांत (टीथ) मिला है। मेगालोडोन विशालकाय शार्क की प्रजाति है, जो 23 से 36 लाख साल पहले धरती पर हुआ करती थी। नास्टासियो ने पिछले साल 5.87 इंच का मेगालोडोन दांत खोजा था। उन्हें इस तरह की चीजों को जुटाने का शौक है। इस बार उन्हें अब तक का सबसे बड़ा दांत मिला है, जिसे वह सहेज कर रखना चाहते हैं।

अनीता आनंद

कनाडा की रक्षा मंत्री बनीं

कनाडा में भारतीय मूल की 54 वर्षीय अनीता आनंद को

रक्षा मंत्री बनाया गया है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा कैबिनेट फेरबदल में उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी गयी है। अनीता भारतीय मूल के रक्षा मंत्री हरजीत सज्जन की जगह लेंगी। हरजीत को अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी से जुड़े मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

जापान

स्टार्टअप ने लॉन्च की उड़ने वाली बाइक

जापान के स्टार्टअप एएलआई टेक्नोलॉजी से जुड़ी

कंपनी 'एक्सटूरिज्मो लिमिटेड एडिशन' ने होवर बाइक लॉन्च की है। यह अब बिक्री के लिये उपलब्ध है। इसकी कीमत 5.25 करोड़ रुपये है। इसमें बैट्री से चलने वाले चार इंजन हैं। यह 40 मिनट तक 100 किलो मीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से उड़ सकती है।

शाही कालीन

मिंग राजवंशीय कालीन नीलाम होगा

लंदन में स्थित क्रिस्टीज नीलामी घर में शाही कालीन

प्रदर्शित किया गया। इस कालीन का निर्माण 16वीं शताब्दी में चीन के मिंग राजवंश शासन काल में किया गया था। अगले माह इसकी पेरिस में नीलामी होगी। इंपीरीयल रेड कलर के इस वेशकीमती शाही कालीन का रंग पहले के मुकाबले अब फीका पड़ गया है। उल्लेखनीय है कि मिंग राजवंश ने सन् 1368 से 1644 तक शासन किया था।

वलेरजन रोमानोवस्की

विश्व रिकॉर्ड तोड़ने 3 घंटे बर्फ में रहा

लुथिआनिया में विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के लिये एक शख्स ने 3 घंटे 1 मिनट तक खुद को बर्फ में खड़ा रखा।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रतिनिधियों के समक्ष वलेरजन रोमानोवस्की ने यह कारनामा किया। इसके लिये राजधानी विलनियस के प्रमुख चौराहे पर कांच का कंटेनर रखा गया था, जिसमें बर्फ के टुकड़े डाले गये थे। फिलहाल यह रिकॉर्ड फ्रांस के रोमाईन वांडेडोर्पे के नाम है, जिन्होंने 2020 में खुद को 2 घंटे 35 मिनट बर्फ में रखा था।

इम्पैक्ट अवॉर्ड

वायरल हुई तस्वीर को मिला

अमेरिका के टेक्सास में पिछले दिनों सामने आई तस्वीर को 2021 के लिये 'इम्पैक्ट अवॉर्ड' हासिल हुआ है। इस फोटो को पॉल रात्जे ने टेक्सास के डेल रियो में क्लिक की थी, जब अमेरिकी बॉर्डर गार्ड हैती प्रवासियों को सीमा में घुसने से रोकने की कोशिश कर रहा था।

अग्नि - 5

परीक्षण रहा सफल

भारत ने अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण किया है।

यह सतह से सतह पर 5 हजार किलोमीटर तक मार सकती है। परीक्षण ओडिशा स्थित डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप में किया गया। यह परीक्षण ऐसे समय किया गया है, जब चीन सीमा पर तनाव की स्थिति है। अग्नि-5 का पहला परीक्षण अप्रैल 2012 में किया गया था। इसके बाद सितंबर 2013 में दूसरा, जनवरी 2015 में तीसरा और दिसंबर 2016 में चौथा टेस्ट हुआ था।

वैन गॉग पेंटिंग

नाजियों के द्वारा लूटी गयी पेंटिंग होगी नीलाम

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नाजियों द्वारा जब्त की गयी

विंसेंट वैन गॉग की वॉटर कलर से बनी पेंटिंग को अगले महीने न्यूयॉर्क की एक नीलामी में बेचा जायेगा। नीलामी घर क्रिस्टी को इससे 20 मिलियन डॉलर (करीब 150 करोड़ रुपये) या उससे अधिक मिलने की उम्मीद है। व्हीट स्टैक्स (1988) कलाकृति में भरी गर्मी में हाड़तोड़ मेहनत के बाद तीन श्रमिकों को फसलों के ढेर पर सुस्ताते दिखाया गया है।

विद्युत मोहन

लंदन में मिला अर्थशॉट सम्मान

दिल्ली के एक उद्यमी विद्युत मोहन को फसल अवशेषों

को बिक्री योग्य जैव उत्पादों में बदलने की परियोजना के लिये लंदन में एक समारोह में सम्मानित किया गया। उन्हें प्रिंस विलियम द्वारा शुरू किये गये पहले पर्यावरणीय 'अर्थशॉट पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार को 'इको ऑस्कर' भी कहा जा रहा है। उनकी कृषि उपशिष्टों को रिसाइकिल करने की परियोजना 'टकाचार' को इनाम स्वरूप 10 लाख ब्रिटिश पाउंड (लगभग 10.34 करोड़ रुपये) दिये गये।

ऐन दुबई

दुनिया का सबसे बड़ा झूला एक्सपो में शामिल

दुबई में दुनिया का सबसे लंबा एक्सपो चल रहा है।

इसमें दुनिया का सबसे ऊंचा और सबसे बड़ा झूला शामिल किया गया है। इसकी ओपनिंग सेरेमनी के दौरान भव्य आतिशबाजी की गई है। इसे देखने हजारों लोग पहुंचे हैं। ब्लूवॉटर्स आइलैंड पर बने इस झूले को 'ऐन दुबई' नाम दिया गया है। यह 250 मीटर ऊंचा है। इसमें 48 पॉड्स हैं, जिनमें 1900 लोग एक साथ बैठकर झूल सकते हैं।

माचिस की डिब्बी

कीमत दो रुपये होगी

आने वाले 1 दिसंबर 2021 से भारत में माचिस की

कीमत एक रुपये की बजाय 2 रुपये होगी। कच्चे माल की कीमत में वृद्धि के साथ उत्पादन लागत बढ़ने की वजह से मूल्य वृद्धि की जा रही है। संबंधित उद्योग संगठन के अनुसार यह जानकारी दी गई है। मूल्य वृद्धि के साथ अब डिब्बे में 36 तीलियों की जगह 50 तीलियां होंगी। उल्लेखनीय है कि माचिस की डिब्बी की कीमतों में यह वृद्धि 14 साल बाद की गई है।

जिहाद भुट्टो

85 वर्ष की उम्र में किया ग्रेजुएशन

फिलिस्तीन की रहने वाली जिहाद भुट्टो ने इजरायल के

कफ्र बारा से ग्रेजुएशन की डिग्री 85 वर्ष की उम्र में हासिल की है। उन्हें 12 वर्ष की उम्र में 1948 में अपना स्कूल छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा था। भुट्टो ने कफ्र बारा सेंटर फॉर इस्लामिक स्टडीज में भाषा, धर्म और गणित की पढ़ाई की है। वे सात बच्चों की मां हैं और पूरी दुनिया की महिलाओं के लिये एक मिसाल बन गई हैं। वे लगातार शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

सैंड्रा मैसन

बारबाडोस की पहली राष्ट्रपति बनेंगी

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ अब बारबाडोस की

प्रमुख नहीं रहेंगी। बारबाडोस ने गणतंत्र होने से पहले अपना राष्ट्रपति चुन लिया है। उल्लेखनीय है कि आज भी दुनिया में कुछ देश ऐसे हैं जहां आजादी के बाद भी उनकी राज्य प्रमुख ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ हैं। बारबाडोस की संसद ने अपने दोनों सदनों के साथ 72 वर्षीय सैंड्रा मैसन को राष्ट्रपति चुन लिया।

स्नोई और चैंपियन को

आईटीबीपी ने पदक से नवाजा

उत्तरप्रदेश के ग्रेटर नोएडा में आईटीबीपी की 39वीं

बटालियन की वार्षिक परेड में सर्विस के-9 (आईएसके) स्नोई मलिनियोस नस्ल के डॉग और चैंपियन (घोड़े) को विशेष पदक प्रदान किये गये। 8 साल के स्नोई ने कई बार आइईडी का पता लगाकर आईटीबीपी के जवानों की जान बचाई थी, वहीं ग्यारह वर्षीय चैंपियन को राष्ट्रीय घुड़सवारी चैंपियनशिप और दुर्गम ऊंचाई वाले पर्वतों पर शानदार प्रदर्शन के लिये पुरस्कार दिया गया है।

स्मृति शेष

धारावाहिक 'रामायण' के निषादराज चंद्रकांत का निधन

रामानंद सागर के धारावाहिक रामायण में भगवान

राम के मित्र निषाद राज का रोल निभाने वाले अभिनेता चंद्रकांत पंड्या का 72 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे गुजरात के बनासकांठा जिले के भीलड़ी गांव के रहने वाले थे। उन्होंने प्रेमलग्न, प्यार हो गया, परिवार न पंख, होते होते प्यार हो गया जैसी फिल्मों में अभिनय किया था। उन्हें पहला ब्रेक गुजराती भाषा में बनी कडू यकरानी से मिला था।

कन्नड़ स्टार पुनीत राजकुमार का निधन

कन्नड़ अभिनेता सुपरस्टार राजकुमार पुनीत का 46

वर्ष की उम्र में हृदयघात से निधन हो गया। उनके निधन पर कर्नाटक में शोक की लहर फैल गयी। वे राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हो चुके थे। वे कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के आइकन और दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित अभिनेता राजकुमार के पुत्र थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

अफवाहों पर न करें बात, टीका लगवाकर कोरोना को दें मात।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P.–462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 166/MTN/2021

No./16289/22/D-12/NIT-Maint./2021 **Bhopal, Dated : 01.11.2021**

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

1. Table No. 1 :- Name of Work – Repair/ Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Agar Malwa	1	15622513.00
2.	Bhind	2	25140200.00
3.	Chhindwara	1	19369440.00
4.	Dindori	1	22015171.00
5.	Hoshangabad	2	60429188.00
6.	Jabalpur	3	25804979.00
7.	Katni	1	3512100.00
8.	Narsinghpur	1	8260232.00
9.	Panna	1	9015486.00
10.	Rewa	2	12606101.00
11.	Sagar	2	12089203.00
12.	Seoni	5	72369865.00
13.	Sheopur	1	32089888.00
14.	Shivpuri	1	1161378.00
15.	Sidhi	1	12549610.00

2. Table No. 2 :- Name of Work – Repair/ Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)

S. No	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Ashoknagar	1	18744340.00
2.	Betul	1	4364296.00
3.	Bhind	4	41943463.00
4.	Chhindwara	3	19301552.00
5.	Datia	1	11599686.00
6.	Damoh	1	7177240.00
7.	Harda	1	14964924.00
8.	Jabalpur	1	4220256.00
9.	Katni	1	8249632.00
10.	Mandsaur	2	10915515.00
11.	Morena	9	100594392.00
12.	Rajgarh	1	31961682.00
13.	Raisen	3	24275185.00
14.	Rewa	1	6670713.00
15.	Sagar	1	6387487.00
16.	Shahdol	2	45058017.00
17.	Shivpuri	3	23894934.00
18.	Ujjain	2	12083480.00
19.	Vidisha	2	10775209.00

3. Table No. 3 :- Name of Work – Repair/ Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)

S. No	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Agar Malwa	1	4765978.00
2.	Ashoknagar	1	16006684.00
3.	Chhindwara	2	12499313.00
4.	Damoh	4	51038046.00
5.	Harda	1	7399626.00
6.	Hoshangabad	1	5700643.00
7.	Jabalpur	5	87674628.00
8.	Mandsaur	2	20162444.00
9.	Morena	1	6993739.00
10.	Ratlam	1	17392505.00
11.	Rajgarh	1	13972382.00
12.	Shivpuri	1	12811825.00
13.	Ujjain	1	1768088.00
14.	Vidisha	1	6386212.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **11.11.2021 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/102506/46143/2021 **CHIEF GENERAL MANAGER (T & e-G)**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन, रीवा (म.प्र.)
मोबा. नं. : 9425601523/8871571988

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत जिला रीवा एवं सतना के विभिन्न कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 13/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/ TENDER No. 2021_MPPHC_166510_1, 2021_MPPHC_166515_1 & 2021_MPPHC_166516_1 आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 20.11.2021 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/102495/46141/2021 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P. – 462011

NOTICE INVITING E-TENDERS FOR RRMNU

ADB assisted Rural Connectivity Investment Programme (RCIP)

No. 16284/22/D-12/RRNMU/2021 **Bhopal, Dated : 01.11.2021**

Online item rate Bids for : **Supply, Testing, Installation and commissioning of Equipment** under ADB assisted Second RCIP are invited on e-procurement portal **https://mptenders.gov.in** as given below :-

S.No.	Description of Equipment
1.	Lab Equipments – Supply, testing, Installation and commissioning of Equipment - Lab testing - field testing etc for RRNMU, Bhopal, Gwalior, Indore, Rewa, Sagar & Ujjain

1. Bid Document may be seen, downloaded and purchased from **09.11.2021 from 17:30 Hrs.**
2. Last date for submission of Bid is **30.11.2021 upto 17:30 Hrs.**
3. Others Details may be seen in Detail NIB and Bid Document May 2021 available on our e-procurement portal **https://mptenders.gov.in.**

MPM/102500/46142/2021 **CHIEF GENERAL MANAGER**

वनों पर आश्रित समुदायों को स्व-रोज़गार से जोड़ने की अभिनव पहल

भोपाल, वन विभाग द्वारा प्रदेश में वनों पर आश्रित रहने वाले समुदायों के कौशल उन्नयन और आर्थिक विकास के लिए आजादी के अमृत महोत्सव में 'ग्रीन इंडिया' में चयनित लैंड स्केप में ग्रामीण युवा हितग्राहियों को स्व-रोज़गार से जोड़ने की अभिनव पहल की गई है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में 14 प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जायेंगी। मिशन में अब तक चार वनमण्डल होशंगाबाद, पश्चिम बैतूल, दक्षिण सागर और सीहोर में प्रशिक्षण प्रारंभ किए जा चुके हैं।

प्रशिक्षण कार्यशालाओं में राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेम वर्क (एन.एस.क्यू.एफ.) में 500 ग्रामीण युवाओं को विभिन्न लिंक्ड कोर्सेज लाइट मोटर व्हीकल ड्राइविंग, टू-व्हीलर मेकेनिक, सिलाई प्रशिक्षण, कम्प्यूटर ऑपरेटर, असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, मोटर विंडिंग, अन-आर्म्ड सिक्योरिटी गार्ड, सोलर पैनल इंस्टालेशन और रिपेयर एनिमल हेल्थ वर्कर आदि विधा में प्रशिक्षण देकर पारंगत किया जाएगा।

मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास और रोज़गार सृजन बोर्ड (एमपीएसएसडीईजीबी) के समन्वय से विभिन्न नेशनल स्किल डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन से सम्बद्ध व्यावसायिक प्रशिक्षण, प्रदाता द्वारा दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रमाणीकरण और एकरूपता के उद्देश्य से गुणवत्ता के साथ ही रोज़गार के अवसर में वृद्धि का कार्य करेगा।

DMIC PITHAMPUR JAL PRABANDHAN LIMITED

(Formerly Known as Pithampur Jal Prabandhan Company Limited)
CIN : U41000MP2014SGC032618

No. DMICPJPL/INDORE/TECH/2021/13929 **Date : 03.11.2021**

NOTICE INVITING TENDER (2nd Call)

DMIC PJPL, Indore invites online percentage rate tenders from eligible contractors registered in MPPWD and having relevant experience individually through e-portal : **https://www.mptenders.gov.in** & **www.mpakvnindore.com** as mentioned below :-

S. No.	Name of work	PAC	Cost of tender form	EMD	Last date of submission
1	Providing supplying and installation of PAC storage tank at 3 Nos. W.T.P., Pithampur, Distt. Dhar.	Rs. 22.32 Lakhs + GST	Rs. 5,900 /- (i/c GST)	Rs. 44,640/-	19.11.2021

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.
Note : The NIT will be uploaded on website of e-procurement system– **http://www.mptenders.gov.in** & **www.mpakvnindore.com** within 3 working days from publication in newspaper.

M.P. Madhyam/102536/46148/2021 **EXECUTIVE ENGINEER**

DMIC PITHAMPUR JAL PRABANDHAN LIMITED

(Formerly Known as Pithampur Jal Prabandhan Company Limited)
CIN : U41000MP2014SGC032618
Regd. Office : 1ST Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore (MP) 452001, Email : pjpclindore@gmail.com, Ph. : 0731-2971311, 2970611

No. DMICPJPL/INDORE/TECH/2021/13883 **Date : 02.11.2021**

NOTICE INVITING TENDER (2ND Call)

DMIC PJPL, Indore invites online percentage rate tenders from eligible contractors registered in MPPWD and having relevant experience individually through e-portal : **https://www.mptenders.gov.in & www.mpakvnindore.com** as mention below -

S. No.	Name of work	PAC	Cost of tender form	EMD	Last date of submission
1.	Boundary Wall & Area Development at Over Head Tank 1, 2, 3, WTP Tarpura & SEZ-II, Pithampur, Distt. Dhar.	Rs. 120.06 Lacs +GST	Rs. 14,750/- (i/c GST)	Rs. 1,20,060/-	18.11.2021
2.	Renovation of 3 Nos. Over Head Tank, Pithampur, Distt. Dhar.	Rs. 65.56 Lacs +GST	Rs. 11,800/- (i/c GST)	Rs. 65,560/-	18.11.2021
3.	Renovation of 3 Nos. W.T.P., Pithampur Distt. Dhar.	Rs. 55.04 Lacs +GST	Rs. 11,800/- (i/c GST)	Rs. 55,040/-	18.11.2021

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.
Note : The NIT will be uploaded on website of e-procurement system– **http://www.mptenders.gov.in & www.mpakvnindore.com** within 3 working days from publication in news paper.

M.P. Madhyam/102514/46145/2021 **EXECUTIVE ENGINEER**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कार्यालय कार्यपालन यंत्री, संभाग-ग्वालियर

माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आं.सू.क.-03/2021-22/523 भोपाल, दिनांक : 27.10.2021

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग-ग्वालियर की ओर से निम्नलिखित जिलों के विभिन्न विकासखण्डों में डी.ई.आई.सी. भवन, इग स्टोर का निर्माण, अस्पताल विस्तरीकरण एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों का सी.एच.ओ. आवास सहित निर्माण कार्यों हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 02 लिफाफा एवं 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र "अ" फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों की संख्या	अनु. लागत राशि रु. लाख में
1.	2021_DHS_165678	दतिया	भान्डेर, उमाव एवं सेवड़ा	08	65.91
2.	2021_DHS_165679	ग्वालियर	हस्तिनापुर, मुरार, डबरा, घाटीगांव एवं भितरवार	12	86.07
3.	2021_DHS_165680	श्योपुर	बड़ोदा	05	31.20
4.	2021_DHS_165682	मुरैना	पोरसा, नूराबाद, जौरा एवं कैलरास	10	71.72
5.	2021_DHS_165683	शिवपुरी	पोहरी, कोलरस, खनियाधाना, करैरा, नरवर, सतनवाड़ा, पिछोर एवं बदरवास	19	126.22
6.	2021_DHS_165684	भिण्ड	अटेर, लहार, मेंहगांव, गोहद, रौन एवं फूप	18	119.46
7.	2021_DHS_165685	दतिया	दतिया	03	131.64
8.	2021_DHS_165686	दतिया	दतिया	03	131.64
9.	2021_DHS_165687	गुना	राघौगढ़	03	131.64
10.	2021_DHS_165688	गुना	राघौगढ़	04	175.51
11.	2021_DHS_165689	गुना	राघौगढ़	04	175.51

उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 15.11.2021 समय 17.30 बजे** तक ऑनलाइन खरीदें एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
जी-18762/46138/2021 **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-ग्वालियर**

सूचना

चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेफ्टी इंजीनियर परीक्षा माह दिसम्बर 2021

मध्यप्रदेश अनुज्ञापन मण्डल (विद्युत) भोपाल द्वारा संचालित चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेफ्टी इंजीनियर परीक्षा माह दिसम्बर 2021 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र एम.पी. ऑनलाइन के.यू.आर.एल. **https://esd.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है।

उल्लेखनीय है, दिसम्बर 2021 में चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेफ्टी इंजीनियर परीक्षा ऑनलाइन सम्पादित की जावेगी। चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सुरक्षा इंजीनियर के कार्य उत्तरदायित्व एवं उसकी आवश्यकता की जानकारी के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा और विद्युत आपूर्ति से संबंधित उपाय) विनियम 2010 के विनियम 5 अ में देखा जा सकता है। साथ इससे संबंधित जानकारी म.प्र. शासन ऊर्जा विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना क्रमांक एफ-3-18/2019/तेरह दिनांक 19 फरवरी 2021 का अवलोकन किया जा सकता है।

सचिव
म.प्र. अनुज्ञापन मण्डल (विद्युत) भोपाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1, इन्दौर
eepwd1ind@mp.nic.in Ph. no 0731-2490978

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 34/ब.ले.लि/2021-22 **इन्दौर दिनांक : 28.10.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स. क्र.	ऑनलाइन टेण्डर नं.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (रु.)	निविदा प्रपत्र की राशि	कार्य करने की निर्धारित अवधि
1.	2021_PWDRB_165827_1	लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक 2 इंदौर के अंतर्गत विभिन्न पहुंच मार्गों पर बी.टी. रिनीवल का कार्य, मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री ऑफिसर केम्पस पहुंच मार्ग, पी.डब्ल्यू.डी. कॉलोनी पहुंच मार्ग एवं बंगलों नं. ए-1,2,3, डी-2 पी.डब्ल्यू. डी. कॉलोनी ओल्ड पलासिया पहुंच मार्ग।	11.42	22840.00	2000.00	60 दिन वर्षाकाल सहित
2.	2021_PWDRB_165828_1	पलासिया सेक्शन इंदौर के अंतर्गत बंगला नं. डी-2 जी-2 एवं एच-2 का रिपेयरिंग कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
3.	2021_PWDRB_165830_1	किला मैदान सेक्शन के आई टाईप क्वार्टर में ए.आर. एस.आर. एस.ओ. डब्ल्यू. का कार्य। आर.बी.	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
4.	2021_PWDRB_165832_1	किला मैदान सेक्शन के में ए.आर. एस.आर एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य। एन.आर.बी.	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
5.	2021_PWDRB_165835_1	रेसीडेंसी सेक्शन के अंतर्गत आवासीय क्वार्टर जेडीयु-2 जेई-1 में ए.आर. एस.आर. एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
6.	2021_PWDRB_165837_1	रेसीडेंसी सेक्शन के अंतर्गत आवासीय क्वार्टर वी-2/4 जेई-3 में ए.आर. एस. आर. एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
7.	2021_PWDRB_165839_1	रेसीडेंसी सेक्शन के अंतर्गत आवासीय क्वार्टर जेई-4 डी-7 में ए.आर. एस.आर. एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
8.	2021_PWDRB_165840_1	रेसीडेंसी सेक्शन के अंतर्गत आवासीय जजेस एनक्लेव एफ-1 से एफ-8 में ए. आर. एस.आर. एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
9.	2021_PWDRB_165841_1	रेसीडेंसी सेक्शन के अंतर्गत आवासीय बंगलो एफ-2 एवं एफ-6 में ए.आर. एस. आर. एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
10.	2021_PWDRB_165842_1	सी.आर.पी. लाइन सेक्शन के अंतर्गत के.ई.एच. कम्पाउण्ड के आवासीय क्वार्टर्स 5/2, 4/1 एवं 16/4 में ए.आर. एस.आर. एम.ओ. डब्ल्यू. का कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
11.	2021_PWDRB_165843_1	सी.आर.पी. लाइन सेक्शन के अंतर्गत के.ई.एच. कम्पाउण्ड के क्वार्टस नं. 5/2 में एस.आर. कार्य।	4.46	8920.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
12.	2021_PWDRB_165844_1	सी.आर.पी. लाइन सेक्शन के अंतर्गत के.ई.एच. कम्पाउण्ड के क्वार्टर नं. 4/1 में एस.आर. कार्य।	1.45	2900.00	1000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
13.	2021_PWDRB_165845_1	बक्शी बाग सेक्शन इंदौर के अंतर्गत जी.एच. आई. एवं अन्य टाईप क्वार्टर में ए.आर. एस. आर. एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
14.	2021_PWDRB_165846_1	एस.के.व्ही. सेक्शन के अंतर्गत जी.एच. आई. टाईप क्वार्टर में ए.आर. एस. आर. एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
15.	2021_PWDRB_165847_1	गांधी हॉल सेक्शन इंदौर के अंतर्गत डी. जे. कोर्ट केम्पस का रिपेरिंग कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
16.	2021_PWDRB_165854_1	गांधी हॉल सेक्शन इंदौर के अंतर्गत कमिश्न ऑफिस, लेव कोर्ट बिल्डिंग, एन.आर. बिल्डिंग का रिपेयरिंग कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
17.	2021_PWDRB_165856_1	गांधी हॉल सेक्शन के अंतर्गत ई-टाईप, एफ-टाईप, एच-टाईप, जी-टाईप क्वार्टर आवासीय भवनों में रिपेयरिंग कार्य।	10.00	20000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
18.	2021_PWDRB_165859_1	पलासिया सेक्शन इंदौर के अंतर्गत डी. आई. जी. बंगलो, ई-3, डी-2 एवं एच-टाईप क्वार्टर आवासीय भवनों में रिपेयरिंग का कार्य।	15.00	30000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
19.	2021_PWDRB_165860_1	पलासिया सेक्शन इंदौर के अंतर्गत डी-3, ई-2 एफ-8, डी-2 एफ-5 एवं आई-टाईप क्वार्टर आवासीय भवनों में रिपेयरिंग का कार्य।	15.00	30000.00	2000.00	120 दिन वर्षाकाल सहित
		कुल योग	**187.33**			

1. उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन पेमेंट करने के पश्चात विड डॉक्यूमेंट क्रय किया जा सकता है।
2. विड प्रस्तुत करते समय विड प्रस्तुतकर्ता को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक है।

1. बिड डॉक्यूमेंट की खरीदी का प्रमाण, 2. अरनेस्ट मनी जमा करने का प्रमाण, 3. चेक लिस्ट, 4. एफिडेविट विस्तृत जानकारी विड डाटा शीट में देखी जा सकती है।

3. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की तिथि दिनांक 30.10.2021 सुबह 10.30 से **दिनांक 08.11.2021 सायं 17.30 बजे तक** निर्धारित है।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
5. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन पेपर पब्लिकेशन में नहीं किया जाकर सिर्फ वेबसाइट पर ही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-18772/46139/2021 **लो.नि.वि. संभाग क्र. 1 इंदौर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग नरसिंहपुर (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सुचना क्रमांक 06/वर्ष 2021-22/कार्य.यं. **नरसिंहपुर, दिनांक : 28.10.2021**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत सेक्शन मार्ग में बी.टी. पेच सुधार कार्य।

टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा फार्म की राशि	आमंत्रण क्र.	कार्य समयावधि	भौतिक रूप से लिफाफा प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
2021_PWDRB_166001_1	नरसिंहपुर	बी.टी. पेच	17.85	36,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
2. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत सेक्शन करेली तेन्दूखेड़ा मार्ग में बी.टी. पेच सुधार कार्य।								
2021_PWDRB_166002_1	नरसिंहपुर	बी.टी. पेच	17.85	36,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
3. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत सेक्शन मुंगवानी मार्ग में बी.टी. पेच सुधार कार्य।								
2021_PWDRB_166004_1	नरसिंहपुर	बी.टी. पेच	17.85	36,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
4. गाडरवारा उपसंभाग के अंतर्गत सेक्शन गाडरवारा मार्ग में बी.टी. पेच सुधार कार्य।								
2021_PWDRB_166005_1	नरसिंहपुर	बी.टी. पेच	19.99	40,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
5. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत कलेक्ट्रेट कार्यालय भवन में पुट्टी, इमल्शन रंगाई एवं पुताई का कार्य।								
2021_PWDRB_166006_1	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण	19.91	40,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
6. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई एवं पुताई का कार्य।								
2021_PWDRB_166008_1	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण	19.99	40,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
7. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में रंगाई एवं पुताई का कार्य।								
2021_PWDRB_166009_1	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण	19.97	40,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
8. गोटेगांव उपसंभाग के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में रंगाई एवं पुताई का कार्य।								
2021_PWDRB_166010_1	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण	10.00	20,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
9. गोटेगांव उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई एवं पुताई का कार्य।								
2021_PWDRB_166011_1	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण	7.50	15,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
10. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत सेक्शन करेली तेन्दूखेड़ा गैर आवासीय भवनों में रंगाई एवं पुताई का कार्य।								
2021_PWDRB_166012_1	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण	5.95	12,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
11. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत सेक्शन करेली तेन्दूखेड़ा आवासीय भवनों में रंगाई एवं पुताई का कार्य।								
2021_PWDRB_166013_1	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण	5.58	12,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
12. गाडरवारा उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई एवं पुताई का कार्य।								
2021_PWDRB_166014_1	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण	5.07	10,500	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
13. गाडरवारा उपसंभाग के गैर अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई एवं पुताई का कार्य।								
2021_PWDRB_166015_1	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण	5.07	10,500	2,000	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
14. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत सर्वे इन्वेस्टीगेशन एवं डी.पी.आर. बनाने का कार्य।								
2021_PWDRB_166016_1	नरसिंहपुर	डीपीआर सर्वे	2.43	5,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	4 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
15. गोटेगांव उपसंभाग के अंतर्गत सर्वे इन्वेस्टीगेशन एवं डी.पी.आर. बनाने का कार्य।								
2021_PWDRB_166017_1	नरसिंहपुर	डीपीआर सर्वे	2.43	5,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	4 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
		योग	**177.44**					

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 10.11.2021, (17.00) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

भौतिक मूल धरोहर (ई.एम.डी.) राशि एवं अन्य सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत **दिनांक 10.11.2021, (17.30) बजे तक** उपरोक्तानुसार संबंधित पोर्टल में प्राप्त की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री
जी-18770/46137/2021 **लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग नरसिंहपुर**

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. **इनमें से किस खेल आयोजन को पूर्व में ब्रिटिश एंपायर्स गेम्स कहा जाता था?**
   (अ) ओलिंपिक गेम्स
   (ब) एशियन गेम्स
   (स) कॉमनवेल्थ गेम्स
   (द) यूरो कप
2. **वर्ष 2023 में क्रिकेट एशिया कप किस देश में आयोजित किया जाएगा?**
   (अ) भारत (ब) पाकिस्तान
   (स) श्रीलंका (द) बांग्लादेश
3. **जस्टिन थॉमस किस देश के प्रोफेशनल गोल्फर हैं?**
   (अ) अमेरिका (ब) ब्रिटेन
   (स) यूक्रेन (द) स्वीडन
4. **जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में किस देश के खिलाफ हैट्रिक ली है?**
   (अ) इंग्लैंड (ब) न्यूजीलैंड
   (स) वेस्टइंडीज (द) द. अफ्रीका
5. **टोक्यो ओलिंपिक में किस देश ने कुश्ती इवेंट में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीते हैं?**
   (अ) ईरान (ब) जापान
   (स) अजरबेजान (द) तुर्की
6. **ट्वेंटी-20 क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी करने वाले पहले खिलाड़ी हैं?**
   (अ) राहुल द्रविड़
   (ब) महेन्द्र सिंह धोनी
   (स) गौतम गंभीर
   (द) वीरेन्द्र सहवाग
7. **इनमें से किस खिलाड़ी के नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 199 शतक बनाने का रिकॉर्ड है?**
   (अ) डॉन ब्रेडमैन
   (ब) सचिन तेंदुलकर
   (स) जैक हॉब्स
   (द) जहीर अब्बास
8. **वर्ष 2006 में फ्रांस को हराकर किस देश ने फीफा वर्ल्डकप जीता था?**
   (अ) स्पेन (ब) इटली
   (स) जर्मनी (द) क्रोएशिया
9. **जोशना चिनप्पा किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करतीं हैं?**
   (अ) स्क्वॉश (ब) टेनिस
   (स) टेबल टेनिस (द) क्रिकेट
10. **वर्ष 2013 में किस खिलाड़ी ने फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप जीती थी?**
    (अ) लुईस हैमिल्टन
    (ब) सबेस्टियन वेटल
    (स) फर्नांडो अलोंसो
    (द) निकोरोसबर्ग
11. **हाल ही में इनमें से किस खिलाड़ी ने वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छः छक्के लगाए हैं?**
    (अ) जसकरन मल्होत्रा
    (ब) बाबर आजम
    (स) जेसन रॉय
    (द) मार्क चेपमैन
12. **एआईएफएफ ने वर्ष 2020-21 के लिए किस खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार दिया है?**
    (अ) सुनील छेत्री
    (ब) संदेश झिंगन
    (स) अरिंदम बोस
    (द) इनमें से कोई नहीं
13. **दिलीप ट्रॉफी किस खेल की एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है?**
    (अ) फुटबॉल (ब) हॉकी
    (स) क्रिकेट (द) बैडमिंटन
14. **इनमें से किस खिलाड़ी ने वर्ष 2019 में वर्ल्ड बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप जीती थी?**
    (अ) पंकज आडवाणी
    (ब) कमल चावला
    (स) गीत सेठी
    (द) इनमें से कोई नहीं
15. **हाल ही में इनमें से किस पूर्व क्रिकेटर को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है?**
    (अ) लाला अमरनाथ
    (ब) सी के नायडू
    (स) मोहिंदर अमरनाथ
    (द) वीनू मांकड़
16. **शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन किस देश के नागरिक हैं?**
    (अ) रूस (ब) नॉर्वे
    (स) सर्विया (द) यूक्रेन
17. **किस फुटबॉलर के नाम सबसे ज्यादा बार बेलोन डि ओर पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड है?**
    (अ) क्रिस्टियानो रोनाल्डो
    (ब) डेविड बेकहम
    (स) लियोनल मेसी
    (द) जिनेडिन जिडान
18. **वर्ष 2015 में फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन बने थे?**
    (अ) राफेल नडाल
    (ब) स्टैन वावरिंका
    (स) नोवाक जोकोविच
    (द) एंडी मरे
19. **ओलिंपिक खेलों का आयोजन कितने वर्ष के अंतराल में होता है?**
    (अ) दो वर्ष (ब) तीन वर्ष
    (स) चार वर्ष (द) सात वर्ष
20. **सचिन तेंदुलकर ने अपना पहला वन-डे शतक किस देश के खिलाफ बनाया था?**
    (अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) पाकिस्तान
    (स) वेस्टइंडीज (द) श्रीलंका
21. **भारत ने किस वर्ष हॉकी वर्ल्डकप का खिताब जीता था?**
    (अ) वर्ष 1948
    (ब) वर्ष 1971
    (स) वर्ष 1975
    (द) इनमें से कोई नहीं
22. **स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट किस खेल से संबंधित है?**
    (अ) फुटबॉल (ब) मुक्केबाजी
    (स) बैडमिंटन (द) शतरंज
23. **टोक्यो ओलिंपिक में पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्पर्धा का स्वर्ण पदक किसने जीता है?**
    (अ) डेनियल स्टैल
    (ब) सिमोन पैटरसन
    (स) रेयान क्रुजर
    (द) डेनियल जे लेंस्की
24. **फिलिप मेसा किस देश के दिग्गज फॉर्मूला-वन रेसर रह चुके हैं?**
    (अ) फिनलैंड (ब) ब्राजील
    (स) जर्मनी (द) अमेरिका
25. **इनमें से कौन-सा देश वर्ष 2023 में फीफा अंडर-17 वर्ल्डकप की मेजबानी करेगा?**
    (अ) ब्राजील (ब) कनाडा
    (स) पेरू (द) घाना

उत्तर

1. (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (स), 5. (ब), 6. (द), 7. (स), 8. (ब), 9. (अ), 10. (ब), 11. (अ), 12. (ब), 13. (स), 14. (अ), 15. (द), 16. (ब), 17. (स), 18. (ब), 19. (स), 20. (अ), 21. (स), 22. (ब), 23. (अ), 24. (ब), 25. (स)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

कार्यालय प्राचार्य
आर.व्ही.पी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उमरिया (म.प्र.)

कार्यालय दूरभाष क्र. - 07653-222230, E-mail - hegcuma@mp.gov.in

क./ /ज.भा./2021 उमरिया, दिनांक :.....

विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, भोपाल के आदेश क्रमांक 1589/608/2015/38-1 भोपाल, दिनांक 25.08.2021 के परिपालन में मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में आउटसोर्स के पदों की पूर्ति हेतु नवीन निर्देश जारी होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालयों के अग्रणी प्राचार्यों द्वारा नियमानुसार आउटसोर्स पर कर्मचारी रखे जाने की कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। उमरिया जिले के शासकीय महाविद्यालयों में आउटसोर्स पद पूर्ति के लिए शासन द्वारा मान्यता प्राप्त एवं पात्र आउटसोर्स एजेंसी से सीलबंद लिफाफे में कोटेशन आमंत्रित किए जाते हैं। एक छोटे लिफाफे में कमीशन की दर एवं धरोहर की राशि की एफ.डी.आर. रखे एवं इस लिफाफे को अन्य सहपत्रों को बड़े लिफाफे के साथ GST Reg. 25, स्थापना का पंजीयन प्रमाण-पत्र, आपकी एजेंसी द्वारा राज्य बीमा निगम की उचित धारा के अंतर्गत कर्मचारियों का पंजीयन का प्रमाण-पत्र, पुलिस विभाग का प्रमाण-पत्र, आपकी एजेंसी द्वारा नियुक्त कर्मचारी किस संस्थाओं में कार्यरत हैं, उसकी सूची आदि लगाए। कोटेशन के साथ धरोहर राशि का प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय उमरिया के नाम पर संलग्न करना आवश्यक है। वित्तीय वर्ष 2021-22 का टर्न ओवर दर्शाती चार्टर्ड अकाउंटेंट की अंकेक्षण रिपोर्ट भी संलग्न करें। **कोटेशन इस विज्ञापन के प्रथम प्रकाशन के 21 दिवस के अंदर** शासकीय महाविद्यालय उमरिया, जिला उमरिया (म.प्र.) में पंजीकृत डाक से या स्वयं कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। कोटेशन नियत दिनांक के आगामी कार्य दिवस में क्रय समिति द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में खोले जाएंगे, जिसमें कोटेशन देने वाले या उसका प्रतिनिधि उपस्थित रह सकता है, जिसकी पृथक से सूचना नहीं दी जाएगी।

निविदा प्रपत्र कार्यालय प्राचार्य अग्रणी, शासकीय आर.व्ही.पी.एस. महाविद्यालय उमरिया से निविदा प्रकाशन के प्रथम दिनांक से **21 दिवस तक (निविदा जमा करने** की अंतिम तिथि तक) कार्यालयीन समय में राशि रु. 1000/- (एक हजार मात्र) प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय उमरिया के भारतीय स्टेट बैंक उमरिया के खाता क्र. 10924489429, IFSC-SBIN0001349 में जमा कर पावती प्रस्तुत कर प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी सूचना उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट **www.highereducation.mp.gov.in** के नवीन निर्देश/विज्ञप्ति ऑप्शन में भी प्रकाशन दिनांक से प्राप्त किया जा सकेगा। उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट **www.highereducation.mp.gov.in** में विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक को प्रथम प्रकाशन दिनांक माना जावेगा।

क्र.	महा. का नाम	पद का नाम	संख्या	धरोहर राशि	कोटेशन के लिफाफे, जिस महाविद्यालय में प्रेषित करना है, उसका नाम व पता
1.	शासकीय महाविद्यालय चंदिया	सहा. वर्ग-2	1		
		सहा. वर्ग-3	1		
		बुक लिफ्टर	1		
		भृत्य	1		
		स्वीपर	1		
		चौकीदार	1		
2.	शासकीय महाविद्यालय मानपुर	सहा. वर्ग-2	1		
		सहा. वर्ग-3	1		
		बुक लिफ्टर	1		
		भृत्य	1		
		स्वीपर	1		
		चौकीदार	1		
3.	शासकीय महाविद्यालय नौरोजाबाद	सहा. वर्ग-3	1		
		प्रयोगशाला तकनीशियन	4		
		प्रयोगशाला परिचारक	4		
		बुक लिफ्टर	1		
		भृत्य	1		
		स्वीपर	1		
		चौकीदार	1		
4.	शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया	सहा. वर्ग-3	2		
		प्रयो.तक.	5		
		प्रयो.परि.	5		
		बुक लिफ्टर	1		
		भृत्य	4		
		स्वीपर	2		
		चौकीदार	2		
5.	कन्या छात्रावास, शासकीय महाविद्यालय उमरिया	हॉस्टेल मैनेजर	1		
		कार्यालय सहायक	1		
		सुरक्षा सुपरवाईजर	1		
		भृत्य/चौकीदार	3		
		सुरक्षा गार्ड	4		
		योग :-	**56**		

उपरोक्तानुसार आउटसोर्स के अराजपत्रित 56 पदों का श्रेणीवार विवरण निम्नानुसार है -

तृतीय श्रेणी	चतुर्थ श्रेणी	कुल पद
19	37	56

प्राचार्य
अग्रणी शास.आर.व्ही.पी.एस. महा. उमरिया
जिला उमरिया (म.प्र.)

जी-18721/46136/2021

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय

दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत् शिक्षा केन्द्र
चित्रकूट, जिला-सतना (मध्यप्रदेश) - 485334

ऑनलाइन आवेदन हेतु प्रवेश सूचना : सत्र 2021-22
(MP Online Web Portal के माध्यम से)

दूरवर्ती शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से अनुमोदित (F.No. 22-40/2020/DEB-I Dated 22.03.2021) दूरवर्ती माध्यम (ODL) से संचालित निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित हैं। आवेदन करने की **अंतिम तिथि 30 नवम्बर, 2021** है।

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि (वर्ष में)	अर्हता	पाठ्यक्रम शुल्क रु. (प्रथम वर्ष)	आवेदन-पत्र शुल्क+परीक्षा शुल्क 500+1200	प्रवेश के समय जमा करने वाली कुल राशि
	UG & PG Programmes					
1.	M.A. History	2	Graduation	5000/-	1700/-	6700/-
2.	M.A. Political Science	2	Graduation	5000/-	1700/-	6700/-
3.	M.A. English	2	Graduation	5000/-	1700/-	6700/-
4.	M.A. Hindi	2	Graduation	5000/-	1700/-	6700/-
5.	M.A. Sanskrit	2	Graduation	5000/-	1700/-	6700/-
6.	M.A. Rural Development	2	Graduation	5000/-	1700/-	6700/-
7.	M.A. Education	2	Graduation	7500/-	1700/-	9200/-
8.	Master of Social Work (M.S.W.)	2	Graduation	10000/-	1700/-	11700/-
9.	Master of Commerce (M.Com)	2	B.Com	10000/-	1700/-	11700/-
10.	B.A.	3	10+2	2500/-	1700/-	4200/-
11.	B.Com	3	10+2	5000/-	1700/-	6700/-
12.	Bachelor of Social Work (B.S.W.)	3	10+2	7500/-	1700/-	9200/-

आर- 46149/2021

कुलसचिव

पर्यावरण शिक्षा

दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उपलब्ध हो रहे हैं अवसर

पर्यावरण शिक्षा एक अनूठा और दिलचस्प क्षेत्र है, जो हाल के दिनों में एक प्रमुख विषय के रूप में सामने आया है। आज शायद ही कोई ऐसा प्रोफेशन हो जो पर्यावरण विज्ञान के प्रभाव से दूर हो। एक जागरूक नागरिक के रूप में भी आपको पर्यावरण विज्ञान की मूल बातें जाननी चाहिए।

कई विश्वविद्यालयों ने पर्यावरण के क्षेत्र में शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए हैं। इग्नू उन अग्रणी संस्थानों में से एक है, जिसने पर्यावरण विज्ञान पर बहुत प्रारंभिक चरण में शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए थे। इग्नू ने पर्यावरण विज्ञान में 3 महीने के एप्रिसिएशन स्तर कार्यक्रम से लेकर दो साल के मास्टर लेवल कार्यक्रम तक विभिन्न स्तरों पर पर्यावरण शिक्षा की जरूरतों को पूरा करते है। पर्यावरण अध्ययन पर इग्नू के कुछ लोकप्रिय कार्यक्रम इस प्रकार हैं।

मास्टर ऑफ साइंस (पर्यावरण विज्ञान) Master of Science (Environmental Sciences)

बढ़ती मानव आबादी पृथ्वी के पर्यावरण को बड़े जोखिम में डाल रही है। मुद्दे विविध हैं और आपस में जुड़े हुए हैं। एक समग्र, वैज्ञानिक और टिकाऊ पर्यावरण प्रबंधन समय की मांग है। इन मुद्दों से निपटने के लिए प्रशिक्षित मानव शक्ति को विकसित करने की बहुत आवश्यकता है। इग्नू ने बढ़ती पर्यावरणीय और विकासात्मक समस्याओं से निपटने के लिए आवश्यक मानव शक्ति पैदा करने के उद्देश्य से मास्टर ऑफ साइंस (पर्यावरण विज्ञान) कार्यक्रम विकसित किया है। यह कार्यक्रम आपको पर्यावरण विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करने का प्रयास करता है। इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद शिक्षार्थी पर्यावरणीय समस्याओं का विश्लेषण और आकलन करने के लिए क्षमता प्राप्त करेंगे। इतना ही नहीं इस कार्यक्रम के छात्र टिकाऊ समाधान की योजना बनाने में भी सक्षम होंगे। साथ ही वे पर्यावरण नियोजन के लिए नीतियों और रणनीतियों में योगदान करने में भी सक्षम होंगे। पर्यावरण विज्ञान में ऐसी विशेषज्ञताएं भी शामिल हैं, जिनमें छात्र सतत् विकास की चुनौतियों का समाधान करना सीखेंगे। कार्यक्रमों के उद्देश्य इस प्रकार हैं-

- पर्यावरण में निहित भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रक्रियाओं की बुनियादी समझ के बारे में शिक्षार्थियों को प्रशिक्षित करना।
- वायु, जल और मृदा प्रदूषण और निगरानी प्रणालियों में शामिल सैद्धांतिक सिद्धांतों के बारे में शिक्षार्थियों को प्रशिक्षित करना।
- शिक्षार्थियों को टिकाऊ प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और पर्यावरण में शामिल बुनियादी सिद्धांतों और प्रथाओं के बारे में प्रशिक्षित करना।
- प्रभाव मूल्यांकन, पर्यावरण लेखा परीक्षा और कानूनों में ज्ञान और समझ प्रदान करना।

इस कार्यक्रम के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक होना चाहिए। शिक्षा का माध्यम केवल अंग्रेजी है और पूर्ण कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क 15,000 रुपये (7500/- प्रति वर्ष) है। यह एक 72 क्रेडिट प्रोग्राम है, जिसे चार सेमेस्टर में बांटा गया है। एक क्रेडिट का मतलब है 30 घंटे का स्टडी टाइम। कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष है। हालांकि छात्रों को अधिकतम चार साल की अवधि के भीतर इसे पूरा करने की स्वतंत्रता है। कार्यक्रम को प्रवेश के दोनों सत्रों में उपलब्ध कराया जाता है यानी हर साल जनवरी और जुलाई से शुरू होने वाले अकादमिक सत्रों में।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एनवायरमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (Post graduate Diploma in Environment and Sustainable Development)

'पर्यावरण और सतत् विकास में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा' को इग्नू के स्कूल ऑफ साइंसेज (School of Sciences) ने दक्षिण एशिया फाउंडेशन लर्निंग इनिशिएटिव (SFLI) और सार्क क्षेत्र के अन्य ओपन विश्वविद्यालयों अर्थात् श्रीलंका ओपन यूनिवर्सिटी (OUSL), बांग्लादेश ओपन यूनिवर्सिटी (BU) बांग्लादेश, अल्लामा इकबाल ओपन यूनिवर्सिटी (AIU), पाकिस्तान, बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी (BRAOU) हैदराबाद और बी.आर.ए.सी. यूनिवर्सिटी (BRAC) बांग्लादेश के सहयोग से विकसित किया है। कार्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार हैं-

- सतत् विकास के लक्ष्य की खोज में प्राप्त सूचनाओं और आदान-प्रदान ज्ञान और अनुभवों का आदान-प्रदान करना।
- पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करना।
- जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तियों को शिक्षित और प्रशिक्षित करना, जैसे विकास पदाधिकारी, सरकारी अधिकारी, पत्रकार, नीति निर्माता, किसान, उद्योगपति, जमीनी स्तर के कामगार और पर्यावरणविद् आदि जो पर्यावरण की रक्षा करने के साथ-साथ अपने देशों के लोगों के लिए बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने में हिस्सेदारी रखते हैं।

कार्यक्रम के लिए पात्रता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक है। शिक्षा का माध्यम केवल अंग्रेजी है। यह कार्यक्रम न्यूनतम एक वर्ष की अवधि का है, हालांकि इसे अधिकतम तीन वर्ष की अवधि के भीतर कभी भी पूरा किया जा सकता है। यह कार्यक्रम प्रवेश के दोनों सत्रों यानी हर साल जनवरी और जुलाई में शुरू होने वाले अकादमिक सत्रों में उपलब्ध है। इस कार्यक्रम में छात्रों को 8 क्रेडिट वाले 8 पाठ्यक्रमों को पूरा करना होगा। इस प्रकार यह कार्यक्रम 32 क्रेडिट का है। यह कार्यक्रम सार्क देशों में विशेष रूप से लोकप्रिय है क्योंकि पाठ्यक्रम को क्षेत्र की विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम के विशेषज्ञों को क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से शामिल किया गया है।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एनवायरमेंटल एंड ऑक्यूपेशनल हेल्थ (Postgraduate Diploma in Environmental and Occupational Health)

पर्यावरण स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानव के स्वास्थ्य पर पर्यावरण प्रदूषण के प्रभाव का अध्ययन करते हैं। मानव स्वास्थ्य का सीधा असर सामाजिक-आर्थिक और भौतिक वातावरण पर पड़ता है। इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम प्राकृतिक और निर्मित वातावरण में जैविक, रासायनिक, भौतिक, जैव यांत्रिक और मनोसामाजिक खतरों से जुड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों के आकलन के बारे में है। कार्यस्थल और सामान्य वातावरण के बीच मुख्य कड़ी यह है कि खतरे का स्रोत आमतौर पर एक ही है, चाहे वह कृषि गतिविधि हो या औद्योगिक गतिविधि। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामान्य पर्यावरण, कार्य स्थल पर पर्यावरण, संबंधित खतरों और पर्यावरण स्वास्थ्य जोखिम प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के समाधान प्रदान करके स्वास्थ्य जोखिम के मूल्यांकन से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं को करना है। इसमें महामारी विज्ञान, स्वास्थ्य नीति और प्रबंधन और पर्यावरण स्वास्थ्य संवर्धन के बारे में भी बात की गई है। इस कार्यक्रम के छात्र स्वास्थ्य चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के साथ स्वास्थ्य नीतियों, कार्यक्रमों और स्वस्थ वातावरण से संबंधित प्रथाओं का विकास, मूल्यांकन और निगरानी करने में सक्षम होंगे। इस डिप्लोमा कार्यक्रम के सफल समापन के बाद, छात्रों को जोखिम मूल्यांकनकर्ताओं और खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों के रूप में विभिन्न उद्योगों/संस्थानों/संगठनों में रोज़गार के अवसर मिलते हैं। यह कार्यक्रम निजी क्षेत्रों में उदाहरण के लिए, पर्यावरण सलाहकारों, राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों और पर्यावरण संस्थानों/एजेंसियों में रोज़गार के अवसरों को भी खोलता है। इसके अलावा सरकार की पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित एजेंसी जैसे पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए), खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए), स्थानीय स्वास्थ्य एजेंसियां, पर्यावरण परामर्श फर्में, निजी उद्योग, गैर सरकारी संगठन, अस्पताल, स्वास्थ्य देखभाल संगठन, श्रम संगठन, विश्वविद्यालय और कॉलेज आदि में भी अवसर हैं। इस कार्यक्रम के लिए पात्रता 10+2 स्तर पर विज्ञान के साथ किसी भी विषय में स्नातक है। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इस कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष है। पूर्ण कार्यक्रम के लिए कुल निर्धारित शुल्क 5,900 रुपये है। इस कार्यक्रम में छात्रों को कुल 32 क्रेडिट के आठ कोर्स करने होंगे। हर कोर्स में चार क्रेडिट का वर्क लोड होता है। पाठ्यक्रमों में एक प्रोजेक्ट भी शामिल है।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन सस्टेनेबिलिटी साइंस (Postgraduate Diploma in Sustainability Science)

यह कार्यक्रम मुख्य रूप से सतत् विकास की उत्पत्ति और सिद्धांतों, इसके आकलन, कार्यान्वयन और मूल्यांकन रणनीतियों (strategies) पर केंद्रित है। कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं-

- शिक्षार्थियों को सतत् विकास और स्थिरता विज्ञान के सिद्धांतों के बारे में उनकी समझ को गहरा करने का अवसर प्रदान करना।
- सतत् विकास के विभिन्न सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं पर शिक्षार्थियों की क्षमताओं का विस्तार करना।
- सतत् विकास परियोजनाओं और कार्यक्रमों के निर्माण, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन में पेशेवर ज्ञान और कौशल विकसित करना।
- पर्यावरण, विकास और आजीविका सुधार से संबंधित विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों की सेवा करना।

इस डिप्लोमा को पूरा करने वाले नए स्नातक पर्यावरण और विकास क्षेत्र में जमीनी स्तर पर, पर्यवेक्षी और अन्य मध्य स्तर के पदों पर रोज़गार के लिए उपयुक्त संभावित उम्मीदवार होंगे। यह कार्यक्रम विभिन्न सतत् विकास परियोजनाओं और कार्यक्रमों को संभालने वाले सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों, निजी या कॉर्पोरेट क्षेत्रों में कर्मचारियों की दक्षता और प्रभावशीलता को भी मजबूत करता है उदाहरण के लिए विभिन्न सतत् विकास परियोजनाओं में काम करने वाले संस्थानों/गैर सरकारी संगठनों, निजी या कॉर्पोरेट क्षेत्रों के कर्मचारी; विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगठनों में पर्यावरण और विकास के मुद्दों से संबंधित कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना अधिकारी, अनुसंधान जांचकर्ता और अनुसंधान सहायक। मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री रखने वाला कोई भी व्यक्ति यह कार्यक्रम कर सकता है। कार्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि एक वर्ष है। हालांकि छात्र अधिकतम तीन साल की अवधि के भीतर कार्यक्रम पूरा कर सकते हैं। यह कार्यक्रम हर साल जनवरी और जुलाई से शुरू होने वाले प्रवेश सत्रों पर उपलब्ध है। पूरे कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क 6,200 रुपये है। इस कार्यक्रम में छात्र आठ कोर्स करते हैं। हर कोर्स 4 क्रेडिट का होता है और इस तरह पूरे कोर्स में 32 क्रेडिट होते हैं जिसमें एक प्रोजेक्ट वर्क भी शामिल होता है।

जलवायु परिवर्तन में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र (Postgraduate Certificate in Climate Change)

यह कार्यक्रम भारत सरकार के अंतर्गत विभिन्न मंत्रालयों द्वारा जलवायु परिवर्तन विज्ञान और अनुकूलन रणनीतियों पर जागरुकता पैदा करने की पृष्ठभूमि में विकसित किया गया था। यह कार्यक्रम स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में ज्ञान प्रदान करता है।

- जलवायु परिवर्तन और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों से संबंधित मुद्दों पर शिक्षार्थियों को जागरूक करना।
- स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के साथ शिक्षार्थियों को परिचित कराना।
- जलवायु परिवर्तन के आकलन के लिए एक समझ विकसित करना।
- शिक्षार्थियों को समाज पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में परिचित कराना।

यह कार्यक्रम मुख्य रूप से उन स्नातकों के लिए है जो जलवायु परिवर्तन और स्थिरता के विशेषज्ञ होने का इरादा रखते हैं। इसके अलावा जो प्रोफेशनल्स अपने ज्ञान और विशेषज्ञता का विस्तार करना चाहते हैं या कैरियर में बदलाव चाहते हैं, उन्हें भी यह कार्यक्रम उपयोगी लगेगा। इस क्षेत्र में रोज़गार के अपार अवसर हैं जैसे उद्योग, शिक्षाविदों, परामर्श एजेंसियों, पर्यावरण एजेंसियों में काम कर रहे पेशेवरों के रूप में। यह एक 16 क्रेडिट कार्यक्रम है और कार्यक्रम के सफल समापन के लिए आपको 4 पाठ्यक्रमों (तीन अनिवार्य और एक वैकल्पिक) को पूरा करना होगा। हर कोर्स में 4 क्रेडिट होते हैं। कोई भी ग्रेजुएट इस प्रोग्राम में एडमिशन ले सकता है। यह कार्यक्रम न्यूनतम 6 महीने और अधिकतम 2 साल की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। कार्यक्रम शुल्क 3800/- है। फिर भी विस्तृत दिशा-निर्देशों के लिए, इच्छुक छात्रों को इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट पर इग्नू के प्रॉस्पेक्टस देखने की सलाह दी जाती है।

पर्यावरण पर प्रशंसा पाठ्यक्रम (Appreciation Course on Environment)

पर्यावरण हम सभी के जीवन से जुड़ा है। यह स्वस्थ संकेत है कि पर्यावरण से संबंधित मुद्दों को दुनिया भर में अधिक से अधिक लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। लोग इन मुद्दों से जुड़ने लगे हैं। शिक्षित लोग अपने पड़ोस के पर्यावरण प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहते हैं। हालांकि ऐसे लोगों को, उनके जागरूक होने के बावजूद, पर्यावरण क्षरण में मुद्दों को समझने के लिए सही जानकारी की जरूरत है। इन कारणों की वजह से इग्नू द्वारा पर्यावरण पर प्रशंसा पाठ्यक्रम को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एक जागरुकता पाठ्यक्रम के रूप में विकसित किया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है :

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय मुद्दों पर जानकारी का प्रसार।
- पेशेवरों, शिक्षाविदों और अन्य सदस्यों के बीच पर्यावरण चेतना पैदा करना।
- समाज जो समाज में राय बनाने में सक्रिय भूमिका निभा सकता है ताकि सुधारात्मक पर्यावरणीय कार्रवाई जिसे प्रोत्साहित किया जा सके।
- व्यक्तियों के बीच पर्यावरण नेतृत्व के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए जो हो सकता है।
- पर्यावरण उन्नयन कार्यक्रमों का आयोजन/भाग लेना।

यह कार्यक्रम 3 महीने की अवधि का है। हालांकि यह 1 साल के समय के भीतर किसी भी समय पूरा किया जा सकता है। कार्यक्रम हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है।

पर्यावरण अध्ययन में प्रमाण पत्र (Certificate in Environmental Studies)

यह कार्यक्रम आम जनता के लिए, हर उम्र में और औपचारिक और गैर-औपचारिक शिक्षा के सभी स्तरों पर उपयोगी है। पेशेवर, पारिस्थितिकीविद, जलविज्ञानी, वनवासी, आर्किटेक्ट, प्रशासक और योजनाकार, इंजीनियर, उद्योगपतियों, कृषकों आदि को यह कार्यक्रम उपयोगी लगेगा। गैर सरकारी संगठन भी इस कार्यक्रम को उपयोगी पाते हैं। कोई भी व्यक्ति जिसने अपनी 10+2 स्तर की स्कूली शिक्षा पूरी कर ली है, वह इस कार्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। यह कार्यक्रम न्यूनतम 6 महीने की अवधि और अधिकतम 2 साल की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। पूरे कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क 2400 रुपये है। यह एक 18 क्रेडिट कार्यक्रम है जिसमें एक परियोजना कार्य भी शामिल है।

प्रवेश लेने का निर्णय कैसे लें

इग्नू के पास देश भर में अध्ययन केंद्रों और क्षेत्रीय केंद्रों का एक विशाल नेटवर्क है जिसे आपको प्रवेश परामर्श और मार्गदर्शन देने के लिए विकसित किया गया है। मध्यप्रदेश में इग्नू के दो क्षेत्रीय केंद्र हैं, जो 12, अरेरा हिल्स, भोपाल और आरडीवीवी कैंपस जबलपुर पर स्थित हैं। आप इन क्षेत्रीय केंद्रों पर सुबह 9.30 से शाम 6 बजे के बीच कभी भी जा सकते हैं जो क्षेत्रीय केंद्रों के कामकाज का सामान्य समय है। इसके अलावा आप पूर्व प्रवेश परामर्श और मार्गदर्शन के लिए अध्ययन केंद्रों पर जा सकते हैं। हालांकि अध्ययन केंद्रों में विशिष्ट कामकाज का समय होता है। ये स्टडी सेंटर प्रतिदिन नहीं खुलते हैं। क्षेत्रीय केंद्र की वेबसाइट से अध्ययन केंद्रों के कामकाज के समय को देखें और फिर उसी के अनुसार अध्ययन केंद्र पर जाएं। इसके अलावा, आप ईमेल या टेलीफोन के माध्यम से हर संभव जानकारी ले सकते हैं। क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों के सभी संपर्क विवरण संबंधित क्षेत्रीय केंद्र की वेबसाइटों पर दिए गए हैं। इग्नू की वेबसाइट **www.ignou.ac.in** पर है। प्रवेश के लिए निर्णय लेने से पहले आपको इन सामग्रियों पर नजर रखनी चाहिए। आप इन संसाधनों को अपने अध्ययन के लिए अत्यंत उपयोगी पाएंगे।

एक बात जो निश्चित रूप से इग्नू के बारे में अनूठी है वह यह है कि यह अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुसार शिक्षा प्रदान करता है। विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के लिए उत्कृष्टता का केंद्र है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी अच्छी तरह से जाना जाता है। पाठ्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय रोज़गार बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है। विश्वविद्यालय शिक्षण सीखने की गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक बहु-मीडिया दृष्टिकोण अपनाता है। आपको यह जानकर खुशी होगी कि इग्नू के अध्ययन सामग्री को इस क्षेत्र के उत्कृष्ट विशेषज्ञों द्वारा विकसित किया गया है। वे देश के विभिन्न संगठनों से संबंधित हैं और विशेषज्ञों की टीम द्वारा अध्ययन सामग्री तैयार की जाती है। निस्संदेह इस तरह की एक विस्तृत प्रक्रिया का परिणाम पाठ्यक्रम सामग्री उत्पादन में उत्कृष्टता लाता है।

- डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय
(लेखक - इग्नू, भोपाल में क्षेत्रीय निदेशक, हैं।)

खेल चर्चा

महिला एशिया कप में भारत को मिला कठिन ग्रुप

मुंबई, भारत में अगले साल जनवरी में आयोजित होने वाले एएफसी महिला एशिया कप के लिये ड्रॉ जारी किये गये हैं। मेजबान भारत को ग्रुप-ए में चीन, चीनी ताइपे और ईरान जैसी मजबूत टीमों के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, थाईलैंड, फिलीपींस और इंडोनेशिया हैं। ग्रुप-सी में जापान, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और म्यांमार को जगह मिली है। एएफसी महिला एशिया कप के मैच 20 जनवरी से छह फरवरी के बीच मुंबई, नवी मुंबई और पुणे में खेले जायेंगे। भारतीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच थॉमस डेनर्वी ने ड्रॉ घोषित होने के बाद कहा कि यह रोमांचक ग्रुप है। जिन टीमों ने भी क्वालिफाई किया है, वे सभी मजबूत टीमें हैं। टूर्नामेंट में भारत का पहला मैच 20 जनवरी को ईरान से होगा।

एनेट कोंटावेट ने जीता ट्रांसिल्वेनिया ओपन

ट्रांसिल्वेनिया, एस्टोनिया की महिला टेनिस खिलाड़ी एनेट कोंटावेट ने शानदार प्रदर्शन करते हुये ट्रांसिल्वेनिया ओपन का खिताब अपने नाम किया है। यह इस सत्र में कोंटावेट का चौथा खिताब है। इस खिताबी जीत के साथ कोंटावेट ने साल के आखिरी टेनिस टूर्नामेंट डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिये भी क्वालिफाई कर लिया है। कोंटावेट ने ट्रांसिल्वेनिया ओपन में महिला एकल वर्ग के फाइनल में विश्व की दिग्गज महिला खिलाड़ी सिमोना हालेप को 6-2, 6-3 से हराया। यह पिछले 28 मुकाबलों में कोंटावेट की 26वीं जीत है। कोंटावेट अब मैक्सिको में 10 से 17 नवम्बर तक आयोजित होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में खेलेगी। इस टूर्नामेंट में विश्व की रैंकिंग की शीर्ष आठ खिलाड़ी हिस्सा लेती हैं। इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली वे पहली एस्टोनियाई खिलाड़ी होंगी।

साथियान और हरमीत ने जीती ट्यूनिस चैंपियनशिप

ट्यूनिस, भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी गुणेश्वर साथियान और हरमीत देसाई की जोड़ी ने वर्ल्ड टेबल टेनिस कंटेंडर (ट्यूनिस चैंपियनशिप) का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट में पुरुष युगल वर्ग के फाइनल में साथियान और हरमीत की जोड़ी ने फ्रांस के इमानुएल लेवेसन और एलेक्जांद्रे कैसिन की जोड़ी को 3-1 (11-9, 4-11, 11-9, 11-6) से हराया। मैच का पहला सेट भारतीय जोड़ी के नाम रहा, जबकि दूसरा सेट फ्रांसीसी जोड़ी ने जीता। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुये लगातार दो सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया।

अमेरिकी फुटबॉलर कार्ली लॉयड ने लिया संन्यास

मिनेसोटा, अमेरिका की अनुभवी महिला फुटबॉलर कार्ली लॉयड ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की है। 39 वर्षीय कार्ली ने अमेरिका के लिये 316 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। इन मैचों में कार्ली ने 134 गोल किये हैं। कार्ली ने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेला था। कार्ली दो बार फीफा महिला विश्वकप जीतने वाली अमेरिकी फुटबॉल टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। कार्ली महिला फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल दागने के मामले में विश्व में चौथे स्थान पर हैं। कार्ली वर्ष 2016 में फीफा बेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुनी गई थीं।

नीरज चोपड़ा सहित 12 खिलाड़ियों को मिलेगा खेल रत्न पुरस्कार

नई दिल्ली, टोक्यो ओलिंपिक में भाला फेंक का स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा को इस साल के मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिये चुना गया है। नीरज के अलावा मिताली राज, सुनील छेत्री, रवि दहिया, लवलीना बोरगोहेन, पीआर श्रीजेश, मनप्रीत सिंह, प्रमोद भगत, सुमित अंतिल, अवनी लेखरा, कृष्णा नागर और मनीष नारवाल शामिल हैं। राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिये तैयार की गई कमेटी ने 12 खेल रत्न के अलावा अर्जुन पुरस्कार के लिये 35 खिलाड़ियों के नाम का भी ऐलान किया।

नीरज का स्वर्णिम प्रदर्शन

नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलिंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुये भारत के लिये पुरुषों के भाला फेंक स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। फाइनल में 87.58 मीटर के थ्रो के साथ उन्होंने एथलेटिक्स में भारत के लिये ओलिंपिक इतिहास का पहला स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से ही उनका खेल रत्न के लिये नाम लगभग तय माना जा रहा था। नीरज ने एशियन और राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण पदक जीते हैं।

रवि और लवलीना का ऐतिहासिक प्रदर्शन

पहली बार ओलिंपिक में हिस्सा ले रहे पहलवान रवि कुमार दहिया को भी उनके शानदार प्रदर्शन के लिये इस सम्मान के लिये चुना गया है। रवि ने ओलिंपिक में पुरुषों की फ्रीस्टाइल कुश्ती के 57 किलो भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था। वह 2012 में सुशील कुमार के बाद ओलिंपिक का सिल्वर जीतने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय पहलवान बने। वहीं मैरी कॉम के बाद ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिर्फ दूसरी भारतीय महिला बॉक्सर बनने वाली लवलीना बोरगोहेन को भी उनके प्रदर्शन का इनाम मिला।

ओलिंपिक-पैरालिंपिक के सितारे होंगे सम्मानित

भारत को 40 साल बाद हॉकी में ओलिंपिक मेडल जिताने में अहम् भूमिका निभाने वाले दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश और कप्तान मनप्रीत सिंह को भी इस सम्मान के लिये चुना गया है। वहीं टोक्यो में ही हुये पैरालिंपिक खेलों में निशानेबाजी का स्वर्ण जीतने वाली 19 साल की शूटर अवनी लेखरा भी खेल रत्न से नवाजी जायेंगी। पैरालिंपिक में ही शानदार प्रदर्शन करने वाले 4 अन्य एथलीटों को भी सम्मानित किया जायेगा। इनमें भाला फेंक का स्वर्ण पदक जीतने वाले सुमित अंतिल भी हैं। कृष्णा नागर और प्रमोद भगत ने अपनी-अपनी कैटेगरी में पुरुषों के बैडमिंटन का स्वर्ण पदक जीता था। इनके अलावा 20 साल के मनीष नारवाल ने भी पिस्टल शूटिंग में स्वर्ण पदक जीता था।

मिताली और छेत्री का उल्लेखनीय प्रदर्शन

इन विजेताओं के अलावा दो ऐसे खिलाड़ियों को भी चुना गया है, जो पिछले कई सालों से अपने-अपने खेल में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। दो दशक से भी ज्यादा समय से भारत में महिला क्रिकेट का सबसे बड़ा और सबसे मशहूर चेहरा बनी हुई दिग्गज बल्लेबाज और कप्तान मिताली राज को उनके योगदान के लिये इस सम्मान के लिये चुना गया है। इनके अलावा भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री खेल रत्न सम्मान पाने वाले देश के पहले फुटबॉलर बन गये हैं। पिछले एक दशक से अपने दम पर भारतीय फुटबॉल को ऊंचाइयों पर ले जाने में जुटे छेत्री देश के लिये सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय गोल दागने वाले खिलाड़ी हैं।

गांगुली ने एटीके मोहन बागान के निदेशक पद से दिया इस्तीफा

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष और पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की फ्रेंचाइजी एटीके मोहन बागान के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। आईएसएल एक फुटबॉल टूर्नामेंट है। गांगुली ने यह कदम हितों में टकराव के विवाद से बचने के लिये लिया है। एटीके मोहन बागान का मालिकाना हक आरपीएसजी वेंचर्स लिमिटेड के पास है। इस ग्रुप ने हाल ही में आईपीएल में भी लखनऊ फ्रेंचाइजी खरीदी है। एटीके मोहन बागान की वेबसाइट पर निदेशक मंडल के अध्यक्ष के रूप में आरपीएसजी के मालिक संजीव गोएनका के साथ गांगुली का नाम निदेशक के रूप में उल्लेखित हो रहा था, जिसके बाद गांगुली ने निदेशक पद से इस्तीफा दिया है।

विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची रितु

सिंगापुर, भारत की मिक्स्ड मार्शल आर्टिस्ट रितु फोगाट ने वन महिला वर्ल्ड ग्रांप्री चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुये फाइल में जगह बनाई है। रितु ने एटमवेट भारवर्ग के सेमीफाइनल में फिलीपींस की जेनेलिन ओलसिम को 7-1 से हराया। इस जीत के साथ रितु ने खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है। फाइनल मुकाबले में रितु का सामना 3 दिसम्बर को थाईलैंड की स्टेंप फेयरटेक्स से होगा।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जीता विएना ओपन एटीपी खिताब

विएना, जर्मनी के युवा टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने विएना ओपन एटीपी टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। ज्वेरेव ने टूर्नामेंट के फाइनल में अमेरिका के फ्रांसिस टियाफोए को सीधे सेटों में 7-5, 6-4 से हराया।

ज्वेरेव को टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता मिली थी, उन्हें शुरुआत से खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। फाइनल मुकाबले में टियाफोए ने ज्वेरेव को कड़ी टक्कर दी। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया। ज्वेरेव पहला सेट 7-5 से जीतने में सफल रहे। दूसरे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक खेल देखने को मिला, लेकिन टियाफोए ज्यादा देर तक ज्वेरेव को रोक नहीं पाएं। ज्वेरेव ने दूसरा सेट 6-4 से जीता।

यह इस सत्र में ज्वेरेव का पांच एटीपी टूर खिताब है। इस सत्र में ज्वेरेव पांच बार फाइनल में पहुंचे और हर बार जीत दर्ज करने में सफल रहें। ज्वेरेव ने विएना ओपन से पहले एकापुल्को ओपन, मैड्रिड ओपन, सिनसिनाटी ओपन जीता है, इसके अलावा वे टोक्यो ओलिंपिक में पुरुष एकल वर्ग का स्वर्ण पदक भी जीतने में सफल रहे हैं।

वियना ओपन में पुरुष युगल वर्ग का खिताब कोलंबिया की जोड़ी ने जीता। टूर्नामेंट के फाइनल में जुआन सबेस्टियन कावेल और रॉबर्ट फराह की जोड़ी ने राजीव राम और जोए सेलिसबेरी की जोड़ी को आसान मुकाबले में 6-4, 6-2 से हराया।

केंटा सुनेयामा बने फ्रैंच ओपन के विजेता

पेरिस, जापान के युवा शटलर केंटा सुनेयामा ने फ्रांस में आयोजित फ्रैंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुये खिताब जीता है। सुनेयामा ने टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में ताईवान के चाऊ टिएन चेन को कड़े मुकाबले में 15-21, 21-8, 21-17 से हराया।

बड़े टूर्नामेंट का फाइनल खेल रहे सुनेयामा ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार खेल दिखाया। फाइनल मैच के पहले गेम में टिएन चेन के सामने सुनेयामा लड़खड़ाते हुये दिखे। पहले गेम में टिएन चेन ने 21-15 से जीत दर्ज की। इसके बाद सुनेयामा ने जबरदस्त वापसी की। सुनेयामा ने दूसरे गेम में टिएन चेन को कोई मौका नहीं दिया और 21-8 से एकतरफा जीत दर्ज की। तीसरे गेम में दोनों के बीच कड़ी टक्कर हुई, जिसमें सुनेयामा ने जीत दर्ज की। सुनेयामा ने इससे पहले सेमीफाइनल में अपने हमवतन और खिताब के प्रबल दावेदार केंटा मोमोटा को हराया था।

यामागुची बनीं महिला वर्ग में चैंपियन

टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग का खिताब भी जापानी खिलाड़ी ने जीता। फाइनल दो जापानी खिलाड़ियों के बीच हुआ। फाइनल में अकाने यामागुची ने अपनी हमवतन सयाका ताकाहाशी को आसान मुकाबले में 21-18, 21-12 से हराया। मैच के पहले गेम में ताकाहाशी ने यामागुची को शानदार टक्कर दी, लेकिन दूसरे गेम में यामागुची ने अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया और जीत दर्ज की।

आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप

इंग्लैंड और पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

दुबई, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में खेले जा रहे आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीमों का शानदार प्रदर्शन जारी है। इन दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। दोनों ही टीमों ने ग्रुप स्टेज में अपने चारों मैच जीत लिये हैं। वहीं विश्वकप में भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। भारत टूर्नामेंट के शुरुआती दो मैच हार कर टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर आ गया है। भारत को पहले मैच में पाकिस्तान के हाथों 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, वहीं दूसरे मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से हराया।

बटलर ने बनाया शतक

विश्वकप में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने टूर्नामेंट का पहला शतक बनाया। बटलर ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में 67 गेंदों में 101 रनों की नाबाद पारी खेली। ये बटलर के ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का पहल शतक है। बटलर ने पारी की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर शतक पूरा किया। बटलर की इस पारी के बदौलत इंग्लैंड ने श्रीलंका को 26 रन से हराया।

वॉर्नर बने ट्वेंटी-20 विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गये हैं। वॉर्नर के ट्वेंटी-20 विश्वकप में कुल 552 रन हो गये हैं। वॉर्नर ने इस मामले में शेन वॉटसन को पीछे छोड़ दिया है। वॉटसन ने ट्वेंटी-20 विश्वकप में 537 रन बनाये थे। ट्वेंटी-20 विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड श्रीलंका के पूर्व कप्तान माहिला जयवर्धने के नाम है।

हसरंगा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ली हैट्रिक

श्रीलंका के ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा ने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार हैट्रिक ली। हसरंगा ने अपने तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर एडेन मार्क्रम, चौथे ओवर की पहली गेंद पर टेम्बा बावूमा और दूसरी गेंद पर ड्वेन प्रिटोरियस को आउट कर हैट्रिक पूरी की। हालांकि हसरंगा के बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद श्रीलंका टीम यह मैच चार विकेट से हार गई।

ट्वेंटी-20 विश्वकप से बाहर हुये शाकिब

बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन चोट के चलते आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप से बाहर हो गये हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में शाकिब को हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी, जिससे वह उबर नहीं पाये। शाकिब अल हसन के आउट होने से बांग्लादेश को बड़ा झटका लगा है। शाकिब ने ट्वेंटी-20 विश्वकप के क्वालिफाइंग दौरे में गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर टीम को सुपर-12 राउंड में पहुंचाया था।

असगर अफगान ने लिया क्रिकेट से संन्यास

दुबई, अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। असगर ने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में नामीबिया के खिलाफ अपने क्रिकेट कॅरियर का आखिरी मैच खेला। इस मैच में असगर ने 23 गेंदों में 31 रनों की शानदार पारी खेली। इस मैच में अफगानिस्तान ने 160 रन बनाये। इसके जवाब में नामीबिया की टीम 9 विकेट पर 98 रन ही बना सकी। टूर्नामेंट के बीच में संन्यास लेने पर असगर अफगान ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में हार के बाद मुझे लगा कि अब वक्त युवाओं को आगे बढ़ाने का है। असगर अफगानिस्तान के पहले टेस्ट कप्तान हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

एस-400 मिसाइल

सौदे पर अमेरिकी सीनेटरों की सहमति

भारत द्वारा रूस से सतह से हवा में मार करने वाली रूसी एस-400 मिसाइल प्रणाली खरीदने को लेकर दो अमेरिकी सीनेटरों ने सहमति जताई है। दोनों सीनेटरों ने राष्ट्रपति जो बाइडेन से एस-400 मिसाइल प्रणाली खरीदने के लिए भारत के खिलाफ काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सेक्शंस एक्ट (सीएएटीएसए) के प्रावधानों को लागू नहीं करने का आग्रह किया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर मार्क वार्नर और रिपब्लिकन पार्टी के जॉन कॉर्निन ने राष्ट्रपति बाइडेन को लिखे एक पत्र में भारत को सीएएटीएसए के तहत राष्ट्रीय हित में छूट देने का आग्रह किया।

सीनेटरों ने कहा कि यह अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में है। सीनेटरों ने पत्र में लिखा, हम आपसे एस-400 ट्रिअम्फ मिसाइल प्रणाली की योजनाबद्ध खरीद के मामले में भारत को सीएएटीएसए में छूट देने की अपील करते हैं। यह कानून राष्ट्रपति को ऐसे मामलों में प्रतिबंधों को लागू करने में अतिरिक्त विवेक का इस्तेमाल करने का अधिकार देता है, जिनमें छूट देने से अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा मिलता है।

राष्ट्रीय एकता दिवस

सरदार पटेल इतिहास में ही नहीं, बल्कि हर देशवासी के हृदय में हैं - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरदार पटेल सिर्फ इतिहास में ही नहीं हैं, बल्कि हर देशवासी के हृदय में हैं और जो लोग उनके एकता के संदेश को आगे ले जा रहे हैं, वे एकता की अटूट भावना के सच्चे प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि देश के कोने-कोने में राष्ट्रीय एकता परेड और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर होने वाले कार्यक्रम उसी भावना को प्रदर्शित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ भौगोलिक रूप से ही एक नहीं है, बल्कि यह आदर्शों, विचारों, सभ्यता एवं संस्कृति के उदार मानकों से परिपूर्ण एक राष्ट्र है। उन्होंने कहा, "धरती का भू-भाग, जहां 130 करोड़ भारतीय रहते हैं, वो हमारी आत्मा, हमारे सपनों और हमारी आकांक्षाओं का अभिन्न हिस्सा हैं।"

प्रधानमंत्री ने देश के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रत्येक नागरिक से सामूहिक रूप से प्रयास करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल एक सशक्त, समावेशी, संवेदनशील और सतर्क राष्ट्र चाहते थे। एक ऐसा भारत जहां विनम्रता के साथ-साथ विकास भी हो। उन्होंने कहा, सरदार पटेल की प्रेरणा से भारत, बाहरी और आंतरिक, हर प्रकार की चुनौतियों से निपटने में पूरी तरह से सक्षम साबित हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि देश ने अनावश्यक पुराने कानूनों से छुटकारा पाया है, एकता के आदर्शों को मजबूत किया है और कनेक्टिविटी एवं बुनियादी ढांचे पर जोर देकर भौगोलिक तथा सांस्कृतिक दूरियां घटाई हैं।

उन्होंने कहा, आज 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करते हुए सामाजिक, आर्थिक एवं संवैधानिक एकीकरण का एक 'महायज्ञ' चल रहा है और जल, आकाश, भूमि एवं अंतरिक्ष में देश का संकल्प तथा देश की क्षमताएं अभूतपूर्व हैं राष्ट्र ने आत्मनिर्भरता के नए मिशन के पथ पर आगे बढ़ना शुरू कर दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वतंत्रता के अमृत काल में 'सबका प्रयास' और भी अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने कहा, यह 'आजादी का अमृत काल' अभूतपूर्व विकास, कठिन लक्ष्यों को प्राप्त करने और सरदार साहब के सपनों के भारत के निर्माण का है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल के लिए 'एक भारत' का मतलब सभी के लिए समान अवसर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'एक भारत' एक ऐसा भारत है जो महिलाओं, दलितों, वंचितों, आदिवासियों एवं वनवासियों को समान अवसर प्रदान करता है।

जहां बिना किसी भेदभाव के आवास, बिजली और पानी की सुविधा सभी की पहुंच में है। उन्होंने कहा कि देश 'सबका प्रयास' के माध्यम से ऐसा कर पा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में 'सबका प्रयास' की शक्ति को दोहराया, जहां हर नागरिक के सामूहिक प्रयासों से नए कोविड अस्पताल का निर्माण, आवश्यक दवाओं की आपूर्ति, टीकों की 100 करोड़ खुराकें देना संभव हो पाया है।

प्रधानमंत्री ने पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का जिक्र करते हुए कहा कि अगर सरकार के साथ-साथ लोगों की 'गतिशक्ति' का भी उपयोग किया जाए, तो कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इसलिए, हमारे प्रत्येक कार्य व्यापक राष्ट्रीय लक्ष्यों के विचार को ध्यान में रखकर किए जाने चाहिए।

प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार ने लोगों की भागीदारी को देश की ताकत बनाया है। उन्होंने अपने संबोधन के अंत में कहा, जब भी हम एक भारत बनकर आगे बढ़े, तो हमें सफलता मिली और इस तरह हमने श्रेष्ठ भारत बनाने में भी अपना योगदान दिया है।

वैश्विक ताकत के लिए

भारत और अमेरिका के बीच गठबंधन जरूरी

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निकी हेली और सांसद माइक वोल्ट्ज ने भारत एवं अमेरिका के बीच गठबंधन का आह्वान करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों को क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख के बीच अपनी वैश्विक ताकत को बरकरार रखने और विस्तार देने में मदद मिलेगी। हेली और वाल्ट्ज ने प्रतिष्ठित 'फॉरेन पॉलिसी' पत्रिका के ताजा संस्करण में लिखा, 10 लाख से अधिक सैन्यबलों वाली एक परमाणु शक्ति के रूप में, मजबूत होती नौसेना और एक शीर्ष स्तरीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ और अमेरिका के एक पुराने आर्थिक एवं सैन्य सहयोगी के रूप में भारत एक मजबूत साझेदार बनेगा।

- **अमेरिका की पूर्व राजनयिक हेली और सांसद वाल्ट्ज ने की अपील।**

उन्होंने कहा, भारत के साथ गठबंधन से दोनों देशों को अपनी वैश्विक ताकत को बरकरार रखने और विस्तार देने में मदद मिलेगी तथा अमेरिका, जापान एवं ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर अफगानिस्तान में संभावित आतंकवादी खतरों और चीन के लिए एक वास्तविक अवरोधक बनेगा।

अरब सागर में

अमेरिका ने किया शक्ति प्रदर्शन

अमेरिका ने एक असामान्य कदम उठाते हुए अरब सागर में अपने महाविनाशक बी-1बी लांसर बॉम्बर के साथ शक्ति प्रदर्शन किया है।

इस अमेरिकी बॉम्बर ने हिंद महासागर में स्थित ब्रिटिश नौसैनिक अड्डे डियागो गार्सिया से उड़ान भरी और 5 घंटे तक लगातार उड़ान भरता रहा। इस दौरान बी-1बी बॉम्बर ने अरब सागर, अदन की खाड़ी, फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी, स्वेज नहर, लाल सागर के ऊपर से उड़ान भरी। अमेरिकी बॉम्बर के शक्ति प्रदर्शन के दौरान बहरीन, मिस्र, इजरायल और सऊदी अरब की वायुसेना के फाइटर जेट साथ नजर आए।

इनमें से ज्यादातर देशों के साथ ईरान का तनाव काफी बढ़ा हुआ है। यही नहीं ईरान और अमेरिका में भी बयानबाजी काफी तेज हो गई है। इस शक्ति प्रदर्शन के बाद अमेरिकी बॉम्बर वापस डियागो गार्सिया लौट आया। इस उड़ान के दौरान अमेरिकी बॉम्बर के साथ इजरायल के एफ-15 बाज फाइटर जेट नजर आए। अमेरिका ने डियागो गार्सिया में अपने बी-1बी बॉम्बर की तैनाती करके खुद को इस स्थिति में ला दिया है कि वह पूरे पश्चिम एशिया, अफ्रीका और पश्चिमी प्रशांत महासागर में कहीं भी कार्रवाई या प्रशिक्षण मिशन को अंजाम दे सकता है।

- **अमेरिका ने अरब सागर में अपने महाविनाशक बी-1बी बॉम्बर के साथ शक्ति प्रदर्शन किया है।**
- **इस अमेरिकी बॉम्बर ने हिंद महासागर में स्थित ब्रिटिश नौसैनिक अड्डे डियागो गार्सिया से उड़ान भरी।**
- **बी-1बी बॉम्बर ने अरब सागर, अदन की खाड़ी, फारस और ओमान की खाड़ी के ऊपर से उड़ान भरी।**

अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी

परमाणु संधि को प्रभावी बनाने को तैयार

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने तीन यूरोपीय सहयोगी देशों - फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के साथ ईरान समस्या पर बात की। ईरान के परमाणु हथियार बनाने लायक यूरेनियम परिष्कृत करने के प्रयास पर चिंता जताई। दुनिया के शक्तिशाली देशों के चारों नेताओं ने 2015 के परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने की इच्छा जताई है।

जी 20 देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए रोम पहुंचे बाइडेन ने जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ अलग से बैठक की। बातचीत में शामिल चारों देश ईरान के साथ परमाणु समझौते में शामिल हैं। इनके अतिरिक्त चीन और रूस भी समझौते में शामिल है। लेकिन दोनों देशों के नेता सम्मेलन में भाग लेने के लिए रोम नहीं आए। ईरान पिछले एक साल से यूरेनियम को परमाणु हथियार बनाने लायक परिष्कृत करने की कोशिश में लगा है।

2015 का समझौता ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने और बाकी दुनिया के देशों से संबंध सामान्य करने के लिए किया गया था। बदले में ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाए गए थे और उसे परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण कार्यों के लिए इस्तेमाल करने में सहयोग दिया गया था। 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परमाणु समझौते से हट जाने और ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगा देने से यह समझौता अपना प्रभाव खो बैठा। इसके बाद ईरान ने परमाणु हथियार बनाने के लिए प्रयास शुरू कर दिए।

2021 में राष्ट्रपति बनने पर बाइडेन ने परमाणु समझौता पुनर्जीवित करने की इच्छा जताई। लेकिन ईरान ने शर्त रख दी कि पहले उस पर लगे प्रतिबंध हटाए जाएं, उसके बाद वह यूरेनियम के शोधन का स्तर कम करेगा और समझौते को स्वीकार करेगा।

'ग्लासगो ग्लेशियर'

अंटार्कटिका में बर्फ के टुकड़े को मिला नाम

स्कॉटलैंड जलवायु सम्मेलन से पहले ब्रिटेन ने दुनिया के लिए इसके व्यापक निहितार्थ को प्रभावी प्रतीक के तौर पर दर्शाने के मकसद से अंटार्कटिका में बर्फ के एक पतले टुकड़े का नाम 'ग्लासगो ग्लेशियर' रखा है।

सीओपी26 शिखर सम्मेलन के लिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ विश्व के 120 से अधिक नेता ग्लासगो में शामिल होंगे।

ब्रिटेन वैश्विक तापमान को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस (2.7 डिग्री फारेनहाइट) तक सीमित करने के लिए 2015 में पेरिस में सहमत लक्ष्य को पूरा करने के अंतिम अवसरों में से एक बता रहा है।

इंग्लैंड में लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अंटार्कटिका के गेट्ज बेसिन में ग्लेशियरों की एक श्रृंखला का अध्ययन किया है और पाया कि जलवायु परिवर्तन के कारण 1994 और 2018 के बीच जमीन से समुद्र तक की उनकी यात्रा की गति में औसतन 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 315 गीगाटन (347 अरब अमेरिकी टन) बर्फ बहा रही है, जिससे वैश्विक समुद्र स्तर में वृद्धि हो रही है।

ज्ञात रहे कि ब्रिटिश अंटार्कटिका क्षेत्र में स्थित ग्लेशियरों के नाम उन शहरों के नाम पर रखे जाएंगे, जिन्होंने रियो, क्योटो, पेरिस और ग्लासगो सहित जलवायु सम्मेलनों, रिपोर्ट या संधियों की मेजबानी की है।

रोम में होने वाली बैठक में 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समूह के नेताओं से कार्बन कटौती प्रतिबद्धताओं को बढ़ाने का आग्रह करते हुए जॉनसन ने कहा कि ग्लासगो बैठक "1.5 डिग्री के लक्ष्य को बरकरार रखने के लिए हमारे सर्वोत्तम अवसर का प्रतिनिधित्व करती है।"

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.वी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-वी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।